7

जिंदगी में कभी रईसी...

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

11

गर्भवती महिला ...

■ वर्ष 30 अंक 295 | डाक/नगर संस्करण | ■ जबलपुर शनिवार 26 अप्रैल 2025 | ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य रु. 3.00

किसी का भाई, किसी की जान...छोड़ना ही होगा हिंदुस्तान

सभी राज्य पाकिस्तानियों को खोज-खोज कर तुरंत वापस भेजें: शाह

नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत के एक्शन जारी हैं। मोदी सरकार पहले ही सिंधु जल संधि स्थगित कर चुकी है और अब गृह मंत्री अमित शाह ने सभी पाकिस्तानियों को तुरंत देश से बाहर करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में गृहमंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की है। अमित शाह ने मुख्यमंत्रियों से कहा है कि वे अपने-अपने राज्यों से पाकिस्तान के लोगों को जल्द से जल्द हटाएं। गृहमंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक के बाद ये फैसला लिया है। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत सरकार लगातार एक्शन मोड में है। बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 26 पर्यटकों को जान से मार डाला था। इस कायराना हरकत के दौरान आतंकियों ने वहां मौजूद लोगों से उनका धर्म पूछकर उन्हें निशाना बनाया था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया था कि आतंकी अपने शरीर पर बॉडी कैमरा लगाए हुए थे, जिसमें पूरी घटना की रिकॉर्डिंग हो रही थी।

संसद का विशेष सत्र बुलाएं: सिब्बल

कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने कहा कि पाकिस्तान से व्यापार करने वाले सभी बड़े देशों से भारत कह दे कि हमारे बाजार में न आएं। संयुक्त राष्ट्र को भी दबाव बनाना चाहिए। सुरक्षा समिति में भी रिजोल्यूशन पास होना चाहिए। हमें यह देखना होगा कि चीन का कदम क्या होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद का विशेष सत्र बुलाएं और इस पर सभी से सुझाव लेने चाहिए और चर्चा करनी चाहिए।

पाकिस्तान को एक बूंद पानी नहीं देंगे

पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता स्थगित करने पर शुक्रवार को जल शक्ति मंत्रालय की बैठक हुई। इसे 3 चरणों में पूरा करने का फैसला लिया। बैठक के बाद केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने बताया कि इसे लेकर 3 तरह की रणनीति बना रहे हैं। पाकिस्तान को एक बूंद पानी नहीं मिलेगा। मीटिंग केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घर पर हुई। इसमें विदेश मंत्री एस जयशंकर और जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल शामिल हुए थे। हालांकि, 3 चरणों और 3 तरह की रणनीति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

हिजबुल मुजाहिदीन ने किया जंग का ऐलान

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को डर है कि भारत उसपर हमला कर सकता है। ऐसे में पाकिस्तान ने आतंकी संगठनों को एक्टिवेट कर दिया है। हिजबुल मुजाहिदीन ने भारत के खिलाफ जंग का ऐलान किया है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के कहने पर इस आतंकी संगठन ने जंग का ऐलान किया है। इस आतंकी संगठन की तरफ से एक वीडियो जारी किया गया है। इस वीडियो में शमशेर खान दिख रहा है, जो कश्मीर के पुंछ इलाके का रहने वाला है, लेकिन अब वो पाकिस्तान में रहता है।

इसरो के पूर्व अध्यक्ष कस्तूरीरंगन का निधन

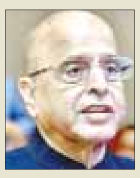

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। इसरो के पूर्व प्रमुख महत्वाकांक्षी नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तैयार करने वाली मसौदा समिति के अध्यक्ष थे। परिवार के सूत्रों ने बताया कि वह 84 वर्ष के थे। उनके परिवार में दो बेटे हैं। पिछले कुछ महीने से वह उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे।

राजा इकबाल सिंह दिल्ली के मेयर बने

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के पार्षद राजा इकबाल सिंह दिल्ली के मेयर बन गए हैं। उन्हें 133 वोट मिले हैं, जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार मनदीप को महज 8 वोट मिले है। वहीं, जयभगवान यादव (बेगमपुर वार्ड) डिप्टी मेयर बने हैं। इसके साथ ही दिल्ली नगर निगम में दो साल बाद भारतीय जनता पार्टी की वापसी हो गई है।

नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

पटना। नीट पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया को पटना के दानापुर से आर्थिक अपराध इकाई ने गुरुवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार सुबह इस गिरफ्तारी की जानकारी सामने आई है। एडीजी ईओडब्ल्यू नैयर हसनैन ने बताया- कल संजीव के पटना आने की सूचना मिली थी। टीम मौके पर गई। वेरिफिकेशन किया तो वो संजीव ही निकला। इसके बाद टीम ने उसे गिरफ्तार किया।

सांसद-विधायकों को भी सैल्यूट करेंगे पुलिस अफसर

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब सीएम और मंत्रियों के साथ सांसद-विधायकों को भी पुलिस अफसरों और कर्मचारियों को सैल्यूट करना होगा। डीजीपी कैलाश मकवाना ने इसके आदेश जारी कर कहा है कि किसी भी जनप्रतिनिधि के साथ शिष्ट व्यवहार में कमी नहीं होनी चाहिए।

पटना सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी

पटना। पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ई-मेल के जरिए धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है। टाउन डीएसपी-2 दीक्षा और पीरबहोर थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। श्वान दस्ता को भी बुलाया गया है। ई-मेल के जरिए धमकी मिलने के बाद कोर्ट परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

नरवाई की आग में जिंदा जला किसान

बीना। सागर के बीना में किसान राजेंद्र अहिरवार नरवाई की आग में जिंदा जल गया। किसान की पत्नी छोटी बाई भी मौके पर थी। किसान खेत के पास रखी लकड़ी के ढेर को हटाने की कोशिश में गिर गया और सारी लड़कियां उसके ऊपर आ गईं। इसके बाद वह खेत में लगी आग की चपेट में आ गया। घटना ग्राम हींगटी में गुरुवार रात की है।

समाज को बांटना चाहते हैं आतंकी : राहुल गांधी

पहलगाम अटैक के पीड़ितों से की मुलाकात

श्रीनगर

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज श्रीनगर के दौरे पर गए हैं। इस दौरान उन्होंने आतंकी हमले के पीड़ित से भी मुलाकात की। राहुल गांधी ने कहा कि आतंकवादियों का इरादा समाज को बांटना है और हमें आतंकवादियों को सफल नहीं होने देना है। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि पूरा देश एक साथ खड़ा है। राहुल गांधी ने कहा कि ये देखकर दुख होता है कि कुछ लोग जम्मू-कश्मीर में हमारे भाई-बहनों पर हमला कर रहे हैं। जो कुछ भी हुआ है, उसके पीछे समाज को बांटने की मंशा है। मैंने घायल हुए लोगों में से एक पीड़ित से मुलाकात की है, साथ ही मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मेरा प्यार और स्नेह उन लोगों के प्रति है, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि मैं यहां ये जानने आया हूं कि यहां पर क्या हो रहा है। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस हमले की निंदा की है और उन्होंने पूरे देश का समर्थन किया है। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि पूरा देश एकजुट होकर खड़ा है। और यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट हो, एक साथ खड़ा हो, ताकि हम आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को विफल कर सकें।

सीएम उमर अब्दुल्ला से मिले राहुल गांधी

राहुल गांधी ने आज जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की और पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले को लेकर चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि राहुल गांधी ने पहले यहां सेना के अस्पताल में घायल पर्यटक से बातचीत की और अब्दुल्ला से उनके आवास पर मुलाकात की।

'किसी तरह की रोक न लगाएं'

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ एक्ट को लेकर केंद्र का हलफनामा

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया है। यह हलफनामा वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने के लिए है। सरकार का कहना है कि कोर्ट कानून की समीक्षा कर सकता है, लेकिन सिर्फ कुछ खास आधारों पर। जैसे कि कानून बनाने की शक्ति किसके पास है और क्या यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। सरकार ने यह भी कहा कि याचिकाएं गलत धारणा पर आधारित हैं कि संशोधन धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को छीन लेते हैं। सरकार ने कोर्ट से कहा कि वह इस मामले पर अंतिम फैसला दे और किसी भी तरह की रोक न लगाए। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वक्फ अधिनियम में संशोधन एक संसदीय पैनल द्वारा गहन अध्ययन के बाद लाए गए थे। सरकार ने कहा कि वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग करके निजी और सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण किया गया है। सरकार के अनुसार, मुगल काल से पहले, आजादी से पहले और आजादी के बाद कुल 18,29,163.896 एकड़ वक्फ संपत्ति बनाई गई थी। सरकार ने हलफनामे में कहा कि चौंकाने वाली बात यह है कि 2013 के बाद वक्फ भूमि में 20,92,072.536 एकड़ की वृद्धि हुई है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि विधायिका द्वारा बनाए गए कानून को बदलना सही नहीं है।

कानून पर रोक लगाना ठीक नहीं

हलफनामे में कहा गया है कि संसद ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र में काम किया कि वक्फ जैसे धार्मिक न्यासों का प्रबंधन सही तरीके से हो। सरकार ने कहा कि बिना सोचे-समझे रोक लगाना सही नहीं है, क्योंकि कानून की वैधता पर संदेह नहीं किया जा सकता। सरकार ने यह भी कहा कि याचिकाएं इस गलत धारणा पर आधारित हैं कि संशोधन धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को छीन लेते हैं।

चावल मिल में 5 मजदूरों की दम घुटने से मौत

बहराइच।

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। दरगाह थाना क्षेत्र स्थित राजगढ़िया चावल मिल में शुक्रवार सुबह हुए हादसे में पांच मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। जबकि तीन अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। यह घटना उस समय हुई जब चावल मिल के ड्रायर में नमी आने के कारण धुआं उठा और कुछ मजदूर निरीक्षण के लिए वहां पहुंचे। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, चावल मिल के ड्रायर में नमी के कारण धुआं बहुत तेजी से फैलने लगा। यह धुआं इतनी अधिक मात्रा में था कि मजदूरों का श्वास लेना मुश्किल हो गया और वे एक-एक कर बेहोश हो गए। इसके बाद, स्थानीय अग्निशमन दल ने घटनास्थल पर पहुंचकर मजदूरों को बाहर निकाला।

बीएसएफ जवान को कैद में रखने का मामला बढ़ा

फिरोजपुर। पंजाब में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से पकड़े बीएसएफ जवान को पाकिस्तानी रेंजर्स ने 48 घंटे बाद भी नहीं छोड़ा। जवान को छुड़ाने के लिए बीएसएफ के डायरेक्टर जनरल दलजीत सिंह चौधरी ने इसे लेकर केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से बात की है। इससे पहले बीएसएफ और पाकिस्तानी रेंजर्स की मीटिंग भी बेनतीजा रही। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों में तनाव है। पाकिस्तानी रेंजर्स के रवैये को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। बता दें कि बुधवार को साहू गलती से फिरोजपुर में भारत-पाक बॉर्डर की जीरो लाइन क्रॉस कर गए थे। जिसके बाद पाकिस्तानी रेंजर्स ने उन्हें पकड़ लिया। उनके हथियार छीन लिए और फिर आंख पर पट्टी बांधकर कैद की फोटो भी जारी की। उधर, मीडिया से बातचीत करते हुए बीएसएफ जवान पीके साहू के भाई श्यामसुंदर साहू ने केंद्र सरकार और बीएसएफ अधिकारियों से तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि सरकार उनकी सुरक्षित और तत्काल वापसी सुनिश्चित करे। पूरा परिवार बेहद चिंतित है।

डीजी ने केंद्रीय गृह सचिव से की बात

रीवा को मिली न्यायालयिक विज्ञान लैब

रीवा (स्वतंत्र मत)। रीवा संभाग को आज नई न्यायालयिक विज्ञान प्रयोग शाला की सुविधा मिल गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल माध्यम से इसका लोकार्पण किया। पुलिस लाइन के पास स्थापित इस प्रयोग शाला पर 6.76 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं, जिसमें 3.66 करोड़ भवन निर्माण और 3.10 करोड़ उपकरणों पर व्यय हुए हैं। न्यायालयिक विज्ञान प्रयोग शाला के निदेशक शशिकांत शुक्ला ने संभाग के सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि आज से सभी फोरेंसिक जांच के नमूने जबलपुर के बजाय रीवा लैब में जमा कराएं। अब तक रीवा संभाग को फोरेंसिक जांच के लिए सागर या जबलपुर जाना पड़ता था और रिपोर्ट के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था। नई लैब से जांच रिपोर्ट जल्द मिलने से न्यायालय समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण कर सकेंगे। लैब में वैज्ञानिक अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति पहले ही कर दी गई है।

अब जबलपुर-सागर नहीं भेजा जाएगा बिसरा

नेशनल हेराल्ड केसः सोनिया-राहुल को नोटिस से कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि आरोपियों का पक्ष सुने बिना हम नोटिस जारी नहीं कर सकते। स्पेशल जज विशाल गोगने ने प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर सुनवाई की। उन्होंने कहा, ईडी की चार्जशीट में कुछ डॉक्यूमेंट्स भी गायब हैं। उन डॉक्यूमेंट्स को दाखिल करिए। उसके बाद नोटिस जारी करने पर फैसला करेंगे। ईडी ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 9 अप्रैल को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे को आरोपी बनाया था। ईडी ने कोर्ट से कहा कि हमारी तरफ से कुछ भी नहीं छिपाया जा रहा है। संज्ञान लिए जाने से पहले उन्हें अपनी बात रखने का मौका दिया जा रहा है। हम नहीं चाहते कि आदेश जारी करने में ज्यादा वक्त लगे। इसलिए कोर्ट को नोटिस जारी करना चाहिए। इस पर जज ने कहा कि जब तक कोर्ट इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाती कि नोटिस की जरूरत है, वह कोई आदेश पारित नहीं कर सकती। आदेश जारी करने से पहले यह देखना होता है कि उसमें कोई कमी तो नहीं है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 2 मई की तारीख तय की है।

राष्ट्रीय प्रतीकों का गलत इस्तेमाल न करें

पूर्व सांसद और विधायक इन्हें लेटरहेड और गाड़ियों पर न लगाएं: हाईकोर्ट

बेंगलुरु

कर्नाटक हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय प्रतीकों और चिह्नों (जैसे तिरंगा, अशोक चक्र आदि) के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाई है। कोर्ट ने कहा कि इन प्रतीकों का इस्तेमाल केवल वही लोग या संस्थाएं कर सकते हैं, जिन्हें इसकी परमिशन दी गई हो। कोई भी ऐसा व्यक्ति जो इसके लिए अधिकृत नहीं है, वह इनका इस्तेमाल नहीं कर सकता। कोई भी इन्हें गलत तरीके से या निजी फायदे के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। चीफ जस्टिस एन.वी अंजारिया और जस्टिस एमआई अरुण की बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय प्रतीक और राष्ट्रीय चिह्न देश के गौरव, सम्मान और संप्रभुता का प्रतीक हैं। हाईकोर्ट ने कहा, यह सच है और दुख की बात है कि कई बार पूर्व सांसद या पूर्व विधायक, जो अब किसी सरकारी पद पर नहीं हैं। फिर भी वे अपने लेटरहेड और गाड़ियों पर सरकारी प्रतीक, झंडा और नाम का इस्तेमाल करते हैं। हाईकोर्ट ने इसे गलत और निंदनीय बताते हुए कहा कि ऐसे प्रतीकों, मुहरों, झंडों और नामों का गलत इस्तेमाल अलग-अलग जगहों पर हो रहा है, जिसे रोकना जरूरी है।

केंद्र और राज्य सरकारें नियम बनाएं

हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से कहा कि वे ऐसे नियम बनाएं, जिसमें अगर कोई व्यक्ति बिना इजाजत अपनी गाड़ी पर राष्ट्रीय प्रतीक या चिह्न लगाए, तो उसे जुर्माना भरना पड़े या उसका ड्राइविंग लाइसेंस रद्द किया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रैफिक पुलिस को इस बारे में खास ट्रेनिंग दी जाए, ताकि वे इन नियमों का पालन कर सकें और ऐसे मामलों पर नजर रख सकें।

कोर्ट के सामने आया था मामला

इससे पहले एक आपराधिक मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के एक जज को यह देखने को मिला था कि कुछ निजी लोग और एनजीओ अपनी गाड़ियों पर 'मानवाधिकार आयोग' जैसे नामों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। तब जज ने कहा था कि राष्ट्रीय प्रतीकों और चिह्नों के दुरुपयोग की जांच होनी चाहिए। इसके बाद ही यह याचिका दायर की गई थी।

आतंकी हमले के विरोध मे आक्रोश सभा का आयोजन कर लोगों ने दी श्रद्धांजलि और पाकिस्तान मुर्दाबाद के लगाये नारे

ब्योहारी (स्वतंत्रमत)

कश्मीर के पहलगाम मे हुए बर्बर आतंकी हमले के विरोध मे ब्योहारी क्षेत्र के मेन रोड पर स्थित हनुमान मंदिर के सामने आक्रोश सभा एवं दिव्यांगत सैलानियों के लिए श्रद्धाँजली सभा का आयोजन 24 अप्रैल को साम 6 बजे किया गया, जहाँ ब्योहारी विधानसभा के सभी देश प्रेमी लोग एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाये गये तथा दिवांगत सैलानियों को एक मिनट का मौन धारण कर श्रद्धाँजली अर्पित की। आक्रोश सभा मे आतंकियों के इस कायराना हरकत की निंदा करते हुए कहा गया कि यह हमला मानवता पर एक धब्बा है और हमारी एकता को तोड़ने के लिए रचा गया एक षणयंत्र है। इनके खिलाफ कश्मीर सहित देश भर मे पूरजोर विरोध जारी है। जिन तत्वों नें यह घृणित कार्य किया है वें कश्मीरी जनता के शुभचिंतक नहीं हो सकते है। कश्मीर की अर्थब्यवस्था का प्रमुख आधार पर्यटन है और पर्यटको पर जघन्य हमला कर आतंकवादी आम कश्मीरियों के आजीविका पर ही संकट खड़ा कर रहे है। उन्होंने इस

हमले मे दिवांगत हुए लोगों को श्रद्धाँजली अर्पित करते हुए कहा कि हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना ब्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य होने की कामना करते है। सभा को सम्बोधित करते हुए लोगों द्वारा इस हमले की निंदा करते हुए मांग की गयी है कि इस हेतु जिम्मेदार प्रत्येक दोषी के खिलाफ शक्त कार्यवाही किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार को कश्मीर समस्या के स्थाई राजनैतिक समाधान हेतु उचित पहलकदमी करनी चाहिए। सभा को सम्बोधित करते हुए लोगों द्वारा यह भी कहा गया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता और हर किस्म का आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। इस घटना के खिलाफ कश्मीर सहित पूरे देश मे विरोध प्रदर्शन का सिलसिला जारी है और कश्मीर को बंद रखा गया है। आम जनता को धर्म के आधार पर विभाजित किये जाने के देश विरोधी ताकतों के षणयंत्र को विफल करने आम जनता व मेहनतकशो को अपनी एक जुटता कायम रखने हेतु प्रतिबद्ध होना होगा। हमले के बाद स्थानीय लोगों नें धर्म व जाती का भेद भुलाकर घायलों की त्वरित सहायता की तथा घायलों को अस्पताल पंहुचाया। अस्पतालो मे खून देने स्थानीय लोगों नें कतारे लगा दी। पहलगाम की घटना हम सब के लिए दर्दनाक है और हमारी एकता के लिए कड़ी चुनौती तैयार की है। घृणा और हिंसा से लाभ उठाने वाले लोग नफरत की फसल काटने मे जुट गये है लेकिन कश्मीर सहित देश की आम जनता की एकजुट आवाज हर तरह की हिंसा व नफरत की राजनीति के खिलाफ उठ रही है। आक्रोश सभा मे उपस्थित लोगों द्वारा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही किये जाने की मांग की है तथा सभा के अंत मे मृतको के मौन धारण कर श्रद्धाँजली अर्पित की गयी और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाये गये।

युवा कांग्रेस ने मोमबत्ती जला कर किया शोक व्यक्त

पहलगाम मे हुए आतंकी हमले मे शहीद हुए देश के नागरिकों को ब्योहारी जय स्तम्भ मे यूवा कांग्रेस द्वारा श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित किया गया और मोमबत्ती जला कर शोक ब्यक्त किया गया। जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र पटेल ने बताया कि ये हमला देश पर हमला है जिसमें भारत सरकार द्वारा सुरक्षा में चूक बरती गई है। जिस जगह पर घटना हुई वहां 2000 से ज्यादा पर्यटकों में कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। खुफिया विभाग काम नहीं कर पाया। घटना नें सरकार कि कमजोर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है।

सतगुरु पब्लिक स्कूल शहडोल की पूर्व छात्रा सिमरन साहू ने रचा इतिहास

शहडोल (स्वतंत्रमत)

यूपीएससी परीक्षा में चयनित होकर शहडोल संभाग का नाम किया रोशन

सतगुरु पब्लिक स्कूल की पूर्व छात्रा सिमरन साहू ने भारत की सर्वश्रेष्ठ सिविल सर्विस परीक्षा यूपीएससी में चयनित होकर समूचे संभाग का नाम रोशन किया है। वे जिले से यूपीएससी में चयनित होने वाली पहली छात्रा हैं। सिमरन की इस सफलता से शहडोल संभाग के अन्य प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को प्रेरणा मिलेगी ।

शहडोल के वार्ड 19 निवासी शरद साहू की सुपुत्री सिमरन की विद्यालयीन शिक्षा सतगुरु पब्लिक स्कूल ,शहडोल से हुई। उन्होंने यहाँ कक्षा 1 से 12 तक की परीक्षा उत्तीर्ण की। सतगुरु स्कूल से कक्षा 10 और 12 टाप करने के बाद उन्होंने पं शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल से बी. ए. की डिग्री गोल्ड मैडल के साथ प्राप्त किया। वे बचपन से अत्यंत मेधावी रही हैं। पंजाबी गुरुद्वारा के पास रहने वाली सिमरन ने बैचलर डिग्री के साथ सिविल सर्विस की तैयारी प्रारंभ की। उन्होंने घर पर रह कर कडे अनुशासन, धैर्य, नियमित 7-8 घंटे अध्ययन और लगन के साथ मेहनत करके 2025 यूपीएससी परीक्षा में 568 वीं रैंक प्राप्त करके परिवार और समाज का नाम रोशन किया। उन्होंने सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी घर पर ही की। किसी कोचिंग संस्थान की कोई मदद नहीं ली। उन्होंने घर पर कड़ी मेहनत करके यू ट्यूब की सहायता से तैयारी की और सफलता हासिल की। शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मंगलवार को घोषित यूपीएससी के फाइनल परीक्षा परिणाम में सिमरन साहू का चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कलेक्टर ने सिमरन से भेंट करके उन्हे बधाई देते हुए कहा कि सिमरन साहू ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयासों के बल पर यह सफलता प्राप्त की है। उन्होंने अपनी लगन एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण बनाए रखा। यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में चयनित होकर उन्होंने शहडोल जिले का नाम गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (आई. ए.एस.) अरविंद शाह के साथ सतगुरु पब्लिक स्कूल परिवार ने सिमरन को यूपीएससी परीक्षा में चयन होने सिमरन साहू को बधाई दी।

कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण, जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति का लिया जायजा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर मारव्या ने जिले में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में निर्माणाधीन तालाबों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में दो-दो तालाबों का निर्माण सुनिश्चित रूप से गुणवत्ता के साथ किया जाए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और भू-जल स्तर सुधार को बढ़ावा मिल सके। कलेक्टर मारव्या ने विकासखंड समनापुर की ग्राम पंचायत सरई के अंतर्गत आने वाले पोषक ग्राम किकरझर में तालाब निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने विकासखंड डिंडौरी के ग्राम पंचायत खाम्ही विदयपुर में भी तालाब का स्थल निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर मारव्या ने कहा कि जल संसाधनों का संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। तालाब न केवल जल संग्रहण में सहायक होते हैं, बल्कि ग्रामीणों की सिंचाई और पशुओं की जलापूर्ति की जरूरतों को भी पूरा करते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य समयसीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण हों, साथ ही स्थानीय ग्रामीणों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा दीपक आर्मो सहित संबंधित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाल विवाह रोको टोक अभियान के तहत ग्राम ददरगांव में रोका गया बाल विवाह

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे बाल विवाह रोको टोक अभियान के अंतर्गत एक और बाल विवाह को रोका गया है। ग्राम ददरगांव में बाल विवाह की सूचना मिलने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी के निर्देशन में टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप किया। टीम ने विवाह स्थल पर मौजूद परिजनों व ग्रामवासियों को बाल विवाह अधिनियम 2006 की जानकारी दी, जिसके तहत लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है। उल्लंघन की स्थिति में 2 वर्ष की सजा या एक लाख रुपये तक जुर्माना अथवा दोनों दंड का प्रावधान है।

समझाइश के दौरान बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों जैसे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम, शिक्षा में बाधा और सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से बताया गया। समझाइश के पश्चात परिजनों ने बाल विवाह न करने का निर्णय लिया। अप्रैल 2025 तक अब तक कुल चार बाल विवाह को रोका जा चुका है। इस अवसर पर प्रशासन ने समाज के सभी वर्गों सेकृजैसे कि धर्मगुरु, बैंड बाजा वाले, समाज के मुखिया, प्रिंटर्स और आम नागरिकोंकृसे अपील की कि वे बाल विवाह को रोकने में सहयोग करें। विशेष रूप से यह सुनिश्चित करें कि विवाह से पूर्व लड़की की आयु 18 वर्ष और लड़के की आयु 21 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो। बाल विवाह की रोकथाम में केवल सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

रोजगार सहायक 10 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया

जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)। शहडोल जिले के जनपद पंचायत जयसिंहनगर के छूदा ग्राम पंचायत में लोकायुक्त रीवा ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए, रोजगार सहायक चंद्र प्रकाश गुप्ता को 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों ट्रैप किया है। यह कार्यवाही लोकायुक्त डीजी योगेश देशमुख के निर्देश पर किया गया है। जिसमें आरोपी रोजगार सहायक चन्द्र प्रकाश गुप्ता को उसके निवास स्थान पर रिश्वत लेते समय पकड़ा गया। शिकायतकर्ता राजेश सिंह कंवर ग्राम छूदा निवासी, ने लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके पिता की मृत्यु के पश्चात संबल योजना के तहत स्वीकृत 2 लाख की सहायता राशि को खाते में स्थानांतरित करने के लिए आरोपी रोजगार सहायक द्वारा 30,000 की रिश्वत मांगी जा रही थी। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने और समग्र आईडी बनवाने के लिए 3,500 रूपये की मांग की गई थी। शिकायत की पुष्टि के बाद लोकायुक्त रीवा संभाग के पुलिस अधीक्षक योगेश्वर शर्मा के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। लोकायुक्त टीम ने ग्राम छूदा में आरोपी रोजगार सहायक को 10,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया है। इस कार्यवाही में निरीक्षक संदीप सिंह भदौरिया एवं निरीक्षक एस.आर. मरावी सहित अन्य लोकायुक्त टीम सदस्यों ने ट्रैप कर आरोपी रोजगार सहायक चन्द्र प्रकाश गुप्ता को रंगे हांथो पकड़कर गिरफ्तार कर लिया है।

विकास कार्यो का जायजा लेने सिमरधा पहुँचे मंत्री विजय शाह

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, मध्यप्रदेश शासन कैबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सम्पतिया उइके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग गुलशन बामरा 25 अप्रैल को को प्रात: 10 बजे डिंडौरी जिले के वनग्राम सिमरधा के भ्रमण कार्यक्रम में शामिल होंगे। जहां पर मध्यप्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों के निवासी जनजातीयों को जल जंगल और जमीन, श्रमिकों के अधिकारों के संरक्षण एवं परंपराओं की सुरक्षा का अधिकार (पैसा एक्ट) पर चर्चा, वन ग्रामों में वनअधिकार पट्टों की मान्यता लागू करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया पर चर्चा, एवं वनग्रामों में निवासरत अन्य किसानों को पट्टे मांग के आधार पर चर्चा की जाएगी। दोपहर 2.00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित टास्क फोर्स की उपसमिति की बैठक आयोजित होगी, जिसमें मंत्री डॉ. शाह एवं अन्य शामिल होंगे। इस बैठक में अधिनियम की प्रगति की समीक्षा और सुधारात्मक कदमों पर चर्चा होगी। शाम 4.00 बजे डॉ. शाह डिंडौरी से बांधवगढ़ के लिए प्रस्थान करेंगे। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

बाल विवाह रोकने हेतु कलेक्टर ने गठित किए उड़नदस्ता दल

शहडोल (स्वतंत्रमत)। अक्षय तृतीया पर्व के अवसर पर बड़ी संख्या में विवाह संपन्न होते हैं। कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने बाल विवाह रोकने के लिए मैदानी अमले को सजग एवं सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर द्वारा बाल विवाह रोकने के लिए उड़नदस्ता दलों का भी गठन किया गया है। जिसमें संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सीईओ जनपद पंचायत तथा परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को तहसील स्तर के लिए शामिल किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग मनोज लारोकर ने बताया कि जिले के ग्रामीण अंचलों में विभिन्न विवाह मुहूर्तों एवं पर्वों यथा 30 अप्रैल को अक्षय तृतीय पर्व है, जिसमें बाल-विवाह होने की संभावना रहती है। म.प्र. शासन द्वारा बाल विवाह प्रतिषेश अधिनियम के प्रभावी कियान्वयन हेतु बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी के रूप में जिला स्तर पर जिला कलेक्टरधमुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, तहसील स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विकासखंड स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा समस्त परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को अधिसूचित किया गया है।

बाबा साहब को चुनाव हराकर कांग्रेस ने समाज सुधार के कार्य रोके थे : राजेन्द्र शुक्ल

शहडोल (स्वतंत्रमत)

भाजपा अटल निलय कार्यालय में आयोजित प्रबुद्ध जन संगोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में पधारे प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर विकसित भारत बनाने की मानसिकता के साथ कार्य कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें चुनाव हराकर समाज सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों में बार-बार रोकने का प्रयास किया। बाबा साहब ने हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उन्हें सिर्फ दलितों का नेता बताकर उनके कार्यों को समाज में आने से छिपाने का कार्य किया। संविधान दिवस मनाने का कार्य भाजपा ने किया, कांग्रेस ने संविधान को लागू करने के वर्षों बाद तक यह कार्य नहीं किया। कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब को बार-बार अपमानित करने के साथ उनके खिलाफ दुष्प्रचार किया कि वे सिर्फ दलितों के नेता है। बाबा साहब ने सामाजिक समरसता के लिए कार्य किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल संरक्षण, स्वच्छता को लेकर जो कार्य कर रहे हैं, उनकी परिकल्पना बाबा साहब डॉ. अंबेडकर ने की थी, लेकिन उस समय कांग्रेस की सरकारों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। वर्तमान भारत के निर्माण में बाबा साहब का अमूल्य योगदान है। श्रमिकों को आठ घंटे के कार्य का नियम बाबा साहब के प्रयासों से शुरू हुआ। भाजपा का संपूर्ण नेतृत्व बाबा साहब के कृतित्व और व्यक्तित्व को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब को अपमानित करने के लिए समाज में कई दुष्प्रचार भी किए हैं। संगोष्ठी को युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार ने भी संबोधित किया।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विगत दिनों जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी हमले में दिवंगत आत्माओं के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए देश के वीर नागरिकों की दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए शहडोल भाजपा कार्यालय में सभी अतिथियों एवं पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। शुक्रवार को भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय प्रदेश नेतृत्व के निर्धारित कार्यक्रम के तहत भारतीय संविधान सभा के निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के सम्मान अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रबुद्धजन संगोष्ठी एवं वफ्फ सुधार जनजागरण अभियान की बैठक का आयोजन शहडोल नगर के कमला नगर स्थित संभागीय मुख्यालय जिला भाजपा अटल निलय कार्यालय में कार्यक्रम संपन्न हुआ संगोष्ठी कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा ने भी अपना उद्बोधन दिया। संगोष्ठी को युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार ने भी संबोधित किया। इस दौरान मंच पर सांसद हिमाद्री सिंह, जिला अध्यक्ष अमिता चपरा, संगठन प्रभारी पीतांबर टोपनानी, पार्टी की प्रदेश मंत्री व विधायक मनीषा सिंह, विधायक जयसिंह मरावी, शरद कोल, पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत छाबड़ा मनोज आर्मो, संतोष लोहानी, कमल खटीक उपस्थित रहे। मंच का संचालन सौरभ गोले ने किया एवं आभार भाजपा जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र मिश्रा द्वारा किया गया कार्यक्रम में प्रबुद्धजन एवं ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता पदाधिकारी गण इस अवसर पर उपस्थित रहे।

भाजपा ने भारत रत्न और पंच तीर्थ से बाबा साहब को किया नमन : संपत्तिया उइके

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय डिंडोरी में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में जिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री सम्पतिया उइके एवं भाजपा राष्ट्रीय मंत्री व विधायक ओमप्रकाश धुर्वे मौजूद रहे सभी मंचासीन अतिथियों ने डॉ भीमराव अंबेडकर भारत माता पंडित दीनदयाल उपाध्याय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के तेली क्षेत्र पर तिलक वंदन कर संगोष्ठी की शुरुआत की संगोष्ठी के पूर्व पहलगांव में हुए आतंकी हमले पर निंदा करते हुए शोक श्रद्धांजलि अर्पित किया गया संगोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने बताया कि आज हमारे लिए गर्व की बात है कि भारतीय जनता पार्टी सरकार शोषित वंचित पिछड़ों के लिए लगातार कार्य कर रही है चाहे केंद्र की सरकार हो या फिर राज्य की सरकार निरंतर हर क्षेत्र में कार्य कर रही है एवं लोगों की आर्थिक स्थिति को सुधार करने के लिए लगातार प्रयास भारतीय जनता पार्टी के द्वारा किया जा रहा है मुख्य अतिथि सम्पतिया उइके ने कहा कि भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर न केवल एक दूरदर्शी नेता थे, बल्कि सामाजिक न्याय और हासिये पर पड़े समुदायों के उत्थान के लिए अथक संघर्ष करने वाले व्यक्ति भी थे। राष्ट्र के लिए अपने अद्वितीय योगदान के बावजूद, डॉ. अंबेडकर को अपने जीवनकाल में और यहां तक की मरणोपरांत भी कांग्रेस पार्टी द्वारा

सुनियोजित तरीके से अपमान और उपेक्षा का सामना करना पड़ा। उनके आदर्श और सिद्धान्त अक्सर कांग्रेस के दृष्टिकोण से टकराते थे, जिससे वे दलितों और अन्य वंचित समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली गहरी जड़ों वाली असमानताओं को हल करने में सतही और दिखावटी मानते थे। कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर को हराने के उद्देश्य से 1937 के बॉम्बे प्रेसीडेंसी चुनाव में उनके खिलाफ एक प्रसिद्ध क्रिकेटर बालू पालवंकर को उतारा। बालू पालवंकर चुनाव हार गए, लेकिन इस प्रयास ने कांग्रेस की डॉ. अंबेडकर के प्रति विरोध की भावना को स्पष्ट रूप से उजागर कर दिया। वहीं भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने डॉ भीमराव अंबेडकर जी को न सिर्फ भारत रत्न दिया बल्कि उनके शिक्षा एवं कार्य स्थल सहित पांच स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित कर सम्मानित करने का कार्य भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है। भाजपा राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा डॉ. अम्बेडकर ने राष्ट नवनिर्माण के प्रति अपने कर्तव्य की भावना से विधि मंत्रालय स्वीकार कर लिया था वायसराय की कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में श्रम और सीपीडब्ल्यूडी पोर्टफोलियो मैं उनके विशाल प्रशासनिक अनुभव को लेकर नेहरू ने उन्हें योजना विभाग देने की वादा किया था लेकिन नेहरू ने योजना विभाग के नवनिर्माण में देरी की और इसका अंतिम रूप से गठन हुआ तो डॉक्टर अंबेडकर को इससे बाहर रखा, इस प्रकार का दोहरा चाल और चरित्र कांग्रेस उसे जमाने से करती आ रही है। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने जन्मभूमि, शिक्षा भूमि, दीक्षाभूमि,महापरिनिर्वाण, चैत्य भूमि बनाकर अंबेडकर जी को सम्मान देने का काम किया है। उक्त संगोष्ठी का संचालन जिला महामंत्री जयसिंह मरावी व आभार अजजा मोर्चा जिला अध्यक्ष महेश धूमकेती ने व्यक्त किया। उक्त संगोष्ठी में अजजा मोर्चा प्रदेश महामंत्री पंकज सिंह तेकाम प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेंद्र राजपूत, पूर्व जिला अध्यक्ष अवध राज बिलैया, जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते वरिष्ठ समाजसेवी सुखराम चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति आदि उपस्थित रहे।

नर्सिंग परीक्षाओं की तारीखों में अब नहीं होंगे बदलाव

28, 29 अप्रैल से करानी होंगी परीक्षाएं, मप्र हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता में हुए फ़र्ज़ीवाडे मामले में लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की जनहित याचिका के साथ सभी अन्य नर्सिंग मामलों की सुनवाई हाईकोर्ट की स्पेशल बेंच के जस्टिस संजय द्विवेदी और जस्टिस अचल कुमार पालीवाल के समक्ष हुई ।

सुनवाई के दौरान मप्र हाईकोर्ट ने एमपी नर्सिंग काउंसिल और मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी को निर्देश दिये हैं कि किन्ही भी परिस्थितियों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रस्तावित परीक्षाओं में परिवर्तन नहीं किया जावे एवं परीक्षाओं का आयोजन घोषित समय सारिणी अर्थात् 28 एवं 29 अप्रैल से कराना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। ग़ौरतलब है कि मप्र में नर्सिंग कॉलेजों की जांच के चलते छात्रों की परीक्षाएं कई वर्ष देरी से हो रही हैं तथा 3-4 बार परीक्षाओं की तिथियाँ घोषित कर उन्हें निरस्त या संशोधित किया जा चुका है

जिसके चलते छात्रों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन अब हाईकोर्ट की सख़्ती के चलते नर्सिंग की सभी परीक्षाएँ अबिलंब संपन्न की जायेंगी। जिससे नर्सिंग पाठ्यक्रमों की वेपटरी व्यवस्थाओं को पुनः बहाल किया जा सके ।

हाई लेवल कमेटी की भूमिका समाप्त

मामलों की सुनवाई के दौरान मप्र हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिये हैं कि नर्सिंग मामलों हेतु हाईकोर्ट के द्वारा गठित उच्च स्तरीय कमेटी की भूमिका अब समाप्त हो चुकी है इस कारण से अब किसी भी कॉलेज के प्रकरण कमेटी को रेफ़र नहीं किए जाएँगे। ग़ौरतलब है कि हाईकोर्ट ने सीबीआइ जांच में डेफ़िशियेंट पाये गये कॉलेजों के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक हाईलेवल कमेटी का गठन किया था, जिन्हें डेफ़िशियेंट कॉलेजों में सीबीआई जांच के दौरान पाई गई कमियों की कमीपूर्ति के संबंध में सुनवाई कर संबंधित कॉलेजों को सूटेबल अथवा अनसुटेबल की श्रेणी में सूचीबद्ध करने का कार्य सौंपा गया था, लेकिन अब चूँकि मध्यप्रदेश नर्सिंग काउंसिल के द्वारा नये सत्र की मान्यता प्रक्रिया शुरू की जा रही है इसके चलते हाई लेवल कमेटी की भूमिका समाप्त करते हुए सभी कॉलेजों को नये सत्र की मान्यता हेतु विधिवत आवेदन काउंसिल के समक्ष प्रस्तुत करना होगा जिस पर निर्णय आवश्यक जांच पड़ताल का काउंसिल के द्वारा ही लिया जायेगा ।

ये है पूरा मामला

दरअसल नर्सिंग फर्जीवाड़े मामले में हाइकोर्ट में लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर आरोप लगाया था कि मप्र में नियमों एवं मापदंडों की अनदेखी कर अनेकों नर्सिंग कॉलेज खोल दिये गये हैं जिनके पास आवश्यक इंस्फ़्रास्ट्रक्चर, लैब, लायब्रेरी, टेकिंग फ़ैकल्टी एवं अस्पताल नहीं हैं फिर भी उन्हें मान्यता दे दी गई है । शुरुआती सुनवाइयों के बाद हुए अहम खुलासों के चलते मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने पूरे फर्जीवाड़े की जांच सीबीआइ को सौंप दी थी, हाई कोर्ट की मॉनीटरिंग में हुई सीबीआइ जांच में प्रदेश में हुए नर्सिंग फर्जीवाड़े की पूरी परतें खोल के रख दी जिसके बाद ये खुलासा हुआ कि मध्य प्रदेश में खोले गए 700 कालेजो में से मात्र 200 कॉलेज नियमों की एवं मापदंडों की पूर्ति करते हैं शेष कॉलेजों को फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट बनाकर मापदंडों की पूर्ति ना करने के बावजूद भी मान्यता दे दी गई । हालाँकि ज़िम्मेदारों पर कार्यवाही हेतु अभी हाईकोर्ट का फ़ैसला आना बाक़ी है । सुनवाई के दौरान शासन की ओर से अप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी एवं याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आलोक वाग्रेचा सहित याचिकाकर्ता स्वयं विशाल बघेल ने पक्ष रखा।

पेट्रोलियम डिपो शहपुरा-भिटौनी के पास डीजल से लोड ट्रेन टेंकर में लगी आग

समीपी क्षेत्र में अफरा-तफरी, वक्त पर पाया काबू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पेट्रोलियम डिपो शहपुरा-भिटौनी में बीपीसीएल में खाली होने के लिए पेट्रोल और डीजल लेकर आए ट्रेन के रेक में रेलवे ट्रैक पर ही अचानक आग लग गई। आग की चपेट में रेलवे ट्रैक पर खड़े गाड़ी में दो रैक आग की चपेट में आ गए। ज्वलनशील पदार्थ पेट्रोल डीजल के रेलवे ट्रेन के टैंकरों में लगी आग के कारण पूरे जिले में अलर्ट की स्थिति घोषित हो गई। सूचना मिलते ही नगर निगम से तत्काल फायर ब्रिगेड और अग्निशमन दल को रवाना किया। इसके अलावा आसपास के क्षेत्र से और अन्य सरकारी केंद्रों में स्थित अग्निशमन वाहन को भी मौके पर पहुंचाया गया है और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

इस दौरान समीपी ग्राम के लोगों ने घर खाली कर दिये थे और काफी दहशत में थे। आग का रूप दूर से भयावह नजर आ रहा था कि कभी भी विकट विस्फोट हो सकता है। आग दो रेल टेंकर में शुक्रवार रात करीब 9 बजे लगी थी अग्निशमन वाहनों ने आग पर काबू पाया। इस बीच अन्य ट्रेने ट्रेक के दोनों ओर कुछ घंटे के लिये खड़ी हो गईं थीं।

कलेक्टर दीपक सक्सेना ने बताया कि तत्काल ननिज एवं अन्य नगरीय निकायों से फायर फाइटर भेजकर आग पर क़ाबू पा लिया गया है, कोई जनहानि नहीं है, उक्त रेल टैंकर बीपीसीएल के शाहपुरा बिटोनी पेट्रोलियम डिपो से पैट्रोल भरकर निकले थे।

वल्लभाचार्य जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी महाविद्यालय के अंतर्गत आज वल्लभाचार्य जंयती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अलकेश चतुर्वेदी ने कहा कि वल्लभाचार्य भारतीय संत एवं दार्शनिक थें साथ ही वे भारतीय ज्ञान परंपरा के पुरोधाए अद्वैतवाद और पृष्टिमार्ग के संस्थापक थे। प्रो अरुण शुक्ल संभागीय नोडल अधिकारी ने बताया ने बताया कि वल्लभाचार्य भक्तिकालीन सगुण भक्तिकालीन कृष्ण भक्तिशाखा के आधार स्तंभ थे। वल्लभाचार्य न केवल एक संत थे, बल्कि समाज के लिए मार्गदर्शक भी थे। वल्लभाचार्य का दर्शनए उनकी भक्ति परंपरा और उनके द्वारा स्थापित पुष्टिमार्ग आज भी समाज में पालन किया जाता है। इस अवसर पर महाविद्यालय डॉ महेन्द्र कुमार कुशवाहा, डॉ स्वाति मिश्रा, डॉ तरुणेन्द्र साकेत, डॉ शैलेन्द्र भवदिया के साथ 52 विद्यार्थी उपस्थित रहें।

कांग्रेस जिला समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

चुनाव रणनीति और संगठनात्मक मजबूती पर मंथन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार शुक्रवार को होटल अरिहंत पैलेस में जिला समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर कांग्रेस कमेटी के प्रभारी विधायक आरके डोंगने, ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के प्रभारी विधायक रजनीश सिंह एवं सह प्रभारी लक्ष्मण सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने की।

इस दौरान जिला कांग्रेस कार्यालय की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन और उसके समाधान हेतु त्वरित कदम उठाने, संगठनात्मक अनुशासन को सशक्त करने हेतु दिशा-निर्देश व मतदाता सूची प्रभारी की नियुक्ति एवं आगामी कार्ययोजना का निर्धारण। घर-घर

संपर्क अभियान को जन आंदोलन बनाने की रूपरेखा, आगामी विधानसभा चुनावों के लिये ठोस रणनीति का निर्माण और सक्रिय कार्यकर्ताओं की भूमिका को मान्यता एवं उनका सम्मान किये जाने पर गहन चर्चा हुई।

ये रहे मौजूद

बैठक में शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष डॉ नीलेश जैन, प्रभारी विधायक आरके दोगने, प्रभारी विधायक रजनीश सिंह, पूर्व मंत्री व विधायक लखन घनघोरिया सह प्रभारी लक्ष्मण सिंह, पूर्व विधायक संजय यादव, दिनेश यादव विनय सक्सेना, कौशल्या गोटिया, सम्मति सैनी, अभिषेक चौकसे, आलोक मिश्रा, राजेश पटेल, अंजू बघेल, नित्यंजन खंपरिया, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष कमलेश यादव, विनीता यादव, सतीश तिवारी, विजय रजक, चमन राय, सचिन रजक, विवेक अवस्थी, अमरीश मिश्रा, अतुल बाजपेई, अयोध्या तिवारी, राजेश यादव, रितेश गुप्ता बंटी, आरिफ बेग लखन पटेल, राजेश यादव, अभिषेक यादव, राजेश चौबे, डिक्की जॉन, रविन्द्र कुशवाहा, समर जीत सैनी, रिंकू तिवारी, सतेंद्र गर्ग, रविन्द्र गौतम ने भाग लिया।

वीयू- अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हुआ तकनीक पर मंथन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विवि के स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ एंड फॉरेंसिक हेल्थ, वन विभाग मध्य प्रदेश एवं भारतीय वन्य जीवन संस्थान देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय चिड़ियाघर एवं वन्य जीव (एआईजेडडब्ल्यूवी)का 15 वां वार्षिक सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन सुबह से शाम तक तकनीकी सत्रों का आयोजन सिविल लाइन स्थित वेटरनरी कॉलेज जबलपुर के सभागार व वाइल्ड लाइफ सेंटर के मीटिंग हाल में किया गया। विवि के कुलगुरु प्रो. डॉ. मनदीप शर्मा, एआईजेडडब्ल्यूवी (ऑल इंडिया जू एडं वाइल्ड लाइफ वेटनेरियन्स इंडिया) डॉ. अपूर्व चक्रवर्ती, वेटरनरी कॉलेज के डीन डॉ. आरके शर्मा, कॉफ्रेंस संयोजक डॉ. शोभा जावरे व डॉक्टर पराग निगम डब्ल्यू आईआई देहरादून के निर्देशन आयोजित पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता पद्मश्री डॉ. केके शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. अखिलेश मिश्रा रहे। इस दौरान डॉ. कोबस राठ मैनेजिंग डायरेक्टर वाइल्ड लाइफ फार्मा साउथ अफ्रीका ने वन्य जीव निश्चेतना पर एवं डॉक्टर जेस एस चौहान पूर्व पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ ने वन्यजीव प्रबंधन पर विषय व्याख्यान दिए।

डीजल का अवैध कारोबार, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरगी थाने में मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम मानेगांव में मेन रोड किनारे नर्सिंग कॉलेज की बाउण्ड्री के बाजू से शिवा कोल के मुर्गा दुकान के पास बने टपरा के पास एक युवक 2 केन में डीजल रखे बेचने के लिये ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना पर दबिश देते हुए आरोपी को पकड़ा। पूछताछ पर अपना नाम 22 वर्षीय सुनील नामदेव बताया। 36 लीटर डीजल बरामद किया गया।

विद्युत कंपनी को मिला हुडको का राष्ट्रीय सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिये हाउसिंग एंड अर्बन डवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 55 वें स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्व क्षेत्र कंपनी की योजनाओं की प्रशंसा करते हुये यह अवॉर्ड प्रदान किया। चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री संजय कुलश्रेष्ठ ने अपने वक्तव्य में कहा कि पूर्व क्षेत्र कंपनी द्वारा राज्यभर में विद्युत अधोसंरचना के निर्माण में सक्रिय योगदान दिया है जो अत्यंत सराहनीय है।

सम्मान समारोह का आयोजन स्टेन ऑडिटोरियम, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में किया गया, जहां ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों को भी आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर पूर्व क्षेत्र कंपनी के प्रबंध संचालक अनय द्विवेदी की ओर से संजय भागवतकर मुख्य महाप्रबंधक (कार्य) ने यह अवॉर्ड प्राप्त किया।

जबलपुर रेल मंडल में हुआ सेफ्टी सेमिनार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर रेल मंडल में सीनियर इंस्टिट्यूट जबलपुर में फायर सेफ्टी सेमीनार का आयोजन प्रवीण खोराना, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी की उपस्थिति में किया गया। सेमिनार में जबलपुर मंडल के लगभग 80 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस सेमिनार में फील्ड स्टाफ को जागरुक करने एवं ट्रेन में आग लगने की घटनाओं को शुन्य करने से संबंधित विभिन्न विषयो की जानकारी दी गई । पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन द्वारा पिछले वर्ष में घटित अग्नि घटनाओ पर प्रकाश डाला गया एवं फील्ड में अपनाए जाने वाले सभी अग्नि सुरक्षा उपायो एवं उपकरणो के बारे में सचित्र जानकारी दी गई।

काशी कल से 3 मई तक रहेगी कैंसिल

दोनों दिशाओं के यात्रियों की परेशानी बढ़ी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। इस समर सीजन में रेलवे ने यात्रियों को बड़ा झटका दिया है। उसने लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) से गोरखपुर जाने वाली काशी एक्सप्रेस को अगले एक सप्ताह के लिए रद्द कर दिया है। यह ट्रेन अपने प्रारंभिक स्टेशन से 27 अप्रैल से 3 मई तक नहीं चलेगी, यह गाड़ी दोनों दिशाओं में नहीं चलेगी।

सभी ट्रेनें फुल नहीं मिल रही जगह-यह ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे

के इटारसी, पिपरिया, सोहागपुर, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा, कटनी, मैहर, सतना होकर नियमित रूप से चलती है और यात्रियों में काफी लोकप्रिय है. यह ट्रेन हमेशा फुल चलती है।

ऐसे में जब इस ट्रेन में यात्रा के लिए लोगों ने 3 माह पहले से रिजर्वेशन कराया हुआ था। ऐसी स्थिति में रेल प्रशासन ने इस ट्रेन को एक सप्ताह तक रद्द कर दिया है। जिससे यात्रियों की मुसीबत बढ़ गई है, बताया जाता है कि गोरखपुर मंडल में रेलवे ने मेगा ब्लॉक लिया हुआ है।

जिससे यह ट्रेन आगामी दिनों में रद्द रहेगी। बताया जाता है कि ट्रेन के रद्द होने की सूचना लोगों के फोन पर भेजी जा रही है, ताकि लोग टिकट कैंसिल करा कर रिफंड प्राप्त कर सकें। साथ ही अन्य किसी ट्रेन में यात्रा का प्रोग्राम तय कर सकें। यात्रियों का कहना है कि ग्रीष्म काल में जब सभी ट्रेनें फुल हैं, ऐसी स्थिति में उन्हें अन्य ट्रेन में जगह कहां मिलेगी।

उमड़ रही मृतकों के प्रति संवेदना, श्रद्धांजलि

पहलगाम हमले के आतंकियों के खिलाफ सख्त हो सरकार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देश के स्वर्ग पर नरकीय मंजर बनाने वाले आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उन्हें मौत देने लोग आमादा हैं हमले में मृत पर्यटकों के प्रति आत्मीय संवेदना, श्रद्धांजलि, कैंडल मार्च का क्रम शहर में जारी है।

गायत्री परिवार ने निकाला मौन मार्च

अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मृत हुए नागरिकों की आत्मा की शांति के लिए मौन मार्च एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन वन्देमातरम चौक सिविक सेन्टर में किया गया। इस दुख की घड़ी में शामिल स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी महाराज ने कहा कि देश का हर एक नागरिक पहलगाम के आतंकी हमले से दुखित है सरकार की ओर सख्त से सख्त कार्यवाही

आतंकवाद पर कड़े प्रहार की नजर से देख रहा है। श्रद्धाजंलि सभा में सनातन धर्म महासभा के उपाध्यक्ष शरद काबरा, गायत्री परिवार के मुख्य ट्रस्टी बी बी शर्मा आदि मौजूद रहे।

मुस्लिम समाज ने मुर्दाबाद के लगाए नारे

शुक्रवार को जुमा की नमाज के बाद मुस्लिम समाज सड़क पर उतर आया। हाथों में काली पट्टियां बांधे और नारों की तख्तियां लिए समाज के लोगों ने जमकर नारेबाजी की। दरअसल, मुस्लिम समाज पहलगाम कश्मीर में आतंकी हमले में 27 लोगों की हुई मौतों को लेकर आक्रोशित था। मुस्लिम समाज के लोग प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद, आतंकवादी को फांसी दो जैसे नारे लगा रहे थे। यह विरोध प्रदर्शन रैली मंसूराबाद मिलोनीगंज से शहर के विभिन्न क्षेत्रों से निकाली गई। इस अवसर पर हाजी कदीर सोनी, हाफिज हाजी गुलाम मोईनुद्दीन ,पूर्व पार्षद शाबान मंसूरी, पार्षद याकूब अंसारी, असरफ मंसूरी, हाजी शाहिद मंसूरी, हारून मास्टर, अख्तर मंसूरी,सदाब अंसारी ,हाजी मोहम्मद इस्लाम, जमशीद अहमद, मोहम्मद छबील मंसूरी आदि मौजूद थे। मुस्लिम समाज ने मोदी सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द आतंकवादियों को गिरफ्तार करें और उन्हें फांसी दें।

शरद यादव विचार मंच दी श्रद्धांजलि

निर्दोष पर्यटकों पर पाकिस्तानी आतंकवादियों के द्वारा गोली चलाकर निर्मम हत्या जो की गई , वह निंदनीय है। जिसको माफ नहीं किया जा सकता भारत के अंदर धर्म के नाम पर हिंदू और मुसलमानों को आपस में लड़ाकर गृह युद्ध पैदा करने की साजिश रची जा रही है वह कभी कामयाब नहीं होगी।

शहीद हुए पर्यटकों व उनके लिए जांबाजी से लड़ते हुए शहीद हुये भारतीय नागरिक को श्रद्धांजलि का कार्यक्रम आदर्श नगर कालोनी ग्वारीघाट में रखा गया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई जिसमें शरद यादव विचार मंच, समाजवादी मंच के संयोजक रामरतन यादव, बैजनाथ कुशवाहा, घनश्याम यादव, अधिवक्ता सुधीर शर्मा, सरमन रजक अरविंद पैगवार, एडवोकेट नरेश चक्रवर्ती, रमेश रजक, तजविंदर सिंह,टीटू अनुराग सिंह ठाकुर एडवोकेट, धीरज सिंह, ज्ञानवती वर्मा, डॉ. मुस्ताक मंसूरी, इफ्तिखार अहमद, रिजवान अंसारी, आकाश यादव, दयाल चंद्र यादव, राजेश पराग, डॉ बालमुकुंद यादव,सुनील तिवारी, देवेंद्र यादव, संजय जैन, राजाराम चौधरी, मुरारी लाल चक्रवर्ती, प्रमोद सेन एवं अन्य शरद यादव विचार मंच एवं समाजवादी मंच के समाजसेवियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

आतंकवाद के विरोध में फूंका पुतला

सिहोरा। विकासखंड के अंतर्गत गोसलपुर कस्बे में विश्व हिंदू परिषद गोसलपुर प्रखंड के संयोजन में गत दिवस कश्मीर के पहलगाम में हिंदुओं के साथ आतंकवादियों द्वारा किए गए नरसंहार मृतको के विरोध में बस स्टैंड में जुलूस निकालकर आतंकवाद का पुतला दहन किया गया। घटना में मृत सभी लोगों को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई । इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के मनीष साहू, जनपद सदस्य धर्मेंद्र सिंह राजपूत डॉ. एसके मोटवानी जनसेवा समिति के अध्यक्ष हेमचंद असाटी, राज पटेल आदि उपस्थित रहे। इसी प्रकार विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग सिहोरा प्रखंड कार्यकर्ताओं ने सिहोरा बस स्टैंड में जमकर प्रदर्षन किया। कार्यकर्ताओं के साथ सामाजिक संगठनों ने इस्लामिक आतंकवाद के विरोध में नारेबाजी करते हुए पाकिस्तान का पुतला फूंका। प्रदर्शन में विधायक संतोष बरकडे, राजेश दाहिया, सतीश पटेल, शिशिर पांडे आदि उपस्थित रहे।

आँखें फोड़ी, गला घोंटा और कार में रखकर जला दिया शव

मदारी ढाबा के पास जली हुई कार में मिला था मृतक का अधजला शव : आपसी झगड़ा बना हत्या का कारण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। पुलिस को 19 अप्रैल 2025 को सूचना प्राप्त हुई कि घुनघुटी क्षेत्र में मदारी ढाबा के पास एक जली हुई कार खडी हुई है। कार की डिक्की में स्टेपनी के ऊपर किसी अज्ञात व्यक्ति की अधजली लाश पड़ी हुई है संभवत: किसी के द्वारा हत्या कर शव को कार के साथ जला दिया गया है। पुलिस द्वारा घटना की सूचना प्राप्त होने पर तुरंत ही मौके पर पहुंचकर घटनास्थल को सुरक्षित किया गया। पुलिस महानिरीक्षक शहडोल जोन शहडोल अनुराग शर्मा, पुलिस उप महानिरीक्षक सविता सोहाने, पुलिस अधीक्षक उमरिया निवेदिता नायडू एवं अति. पुलिस अधीक्षक उमरिया प्रतिपाल सिंह ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया साथ ही प्रकरण में फॉरेंसिक टीम के माध्यम से बारीकी से साक्ष्य संकलन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। पुलिस टीम द्वारा प्रारंभिक कार्यवाही करते हुये प्रकरण कायम किया गया। कार की जानकारी एवं घटनास्थल पर मिले साक्ष्य के आधार पर मृतक की पहचान जयदीप सिंह पिता स्व. रणवीर सिंह उम्र 38 साल निवासी गोहलपुर हॉल निवासी अनुपपुर के रूप में हुई। प्रकरण के खुलासे एवं आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु आईजी द्वारा 30 हजार रूपये के इनाम की घोषणा की गई।

विवेचना के दौरान संबंधितो से की गई पूछताछ, खंगाले गये सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य कार्यवाही से प्राप्त हुये भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्यो के आधार पर प्रकरण में 3 संदेहियो दानिश पिता जुम्मन मंसूरी उम्र 20 साल एवं अनुराग पिता प्रदीप केशरवानी उम्र 20 साल, साहिल मंसूरी पिता रहीश मंसूरी उम्र 20 साल की पहचान हुई जिनके द्वारा घटना कारित करना स्पष्ट हो रहा था। घटना दिनांक के बाद से तीनो संदेही फरार थे, संदेहियों की पता तलाश हेतु पुलिस टीम तैयार कर संभावित स्थानो पर धरपकड़ की कार्यवाही की गई। पुलिस द्वारा किये गये प्रयासो के परिणाम स्वरूप 2 संदेहियों दानिश पिता जुम्मन मंसूरी उम्र 20 साल एवं अनुराग पिता प्रदीप केशरवानी उम्र 20 साल को हिरासत में लेकर बारीकी से पूछताछ की गई जिनके द्वारा जुर्म स्वीकार करते हुये बताया गया दिनांक 18 अप्रैल 2025 की रात आरोपीगणो का मृतक जयदीप सिंह के साथ लड़ाई झगडा होने पर उनके द्वारा शटर खोलने वाली चाबी से मृतक की दोनो आखो को फोडकर मृतक का शर्ट से गला दबाकर हत्या कर दी गई एवं घटना को छिपाने एवं साक्ष्य मिटाने की नीयत से मृतक का शव उसकी ही गाड़ी में डालकर कार को घुनघुटी क्षेत्र में मदारी ढाबा के पास लाकर जला दिया गया। प्रकरण में आरोपियों द्वारा जुर्म स्वीकार करने पर आरोपियो की निशादेही पर घटना में प्रयुक्त चीजे मृतक का मोबाइल, आरोपियों के कपड़े अलग-अलग स्थानो से जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है. साथ ही फरार एक आरोपी की पता तलाश जारी है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम दानिश पित स्व. जुम्मन मंसूरी उम्र 20 साल निवासी चर्च गेट के पास अनुपपुर, अनुराग पिता स्व. प्रदीप केशरवानी उम्र 20 साल निवासी चर्च गेट के पास अनुपपुर शामिल है। फरार आरोपी का नाम साहिल मंसूरी पिता रहीश मंसूरी उम्र 20 साल निवासी अनुपपुर है। संपूर्ण कार्यवाही में अनु. अधि. पुलिस पाली श्री शिवचरण बोहित के नेतृत्व में थाना प्रभारी पाली निरीक्षक मदन लाल मरावी, उनि विजय कुमार सेन, उनि भूपेन्द्र पंत, सउनि शिवपाल सिंह, सउनि पुष्पराज सिंह, प्र. आर. लखन पटेल, प्र. आर. रणवीर सिंह, प्र. आर. विकाश चतुर्वेदी, प्र. आर. अनिल पटेल, प्र. आर. शीतल तिवारी, प्र. आर. अभिषेक शर्मा, प्र. आर. शैलेन्द्र दुबे, प्र. आर. नरेन्द्र मार्को, प्र.आर. अजीत, प्र.आर. देवी सिंह, आरक्षक शेख यासिर, आरक्षक रामप्रसाद, आरक्षक आकाश वर्मा, आर. चा. रेवाशंकर एवं सायबर सेल से संदीप सिंह की सराहनीय भूमिका रही है।

सांसद मनोज तिवारी का भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया स्वागत

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शुक्रवार 25 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सांसद और भोजपुरी फिल्मी दुनिया के मशहूर कलाकार मनोज तिवारी अल्प प्रवास पर उमरिया के भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पहुंचे, जहां भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, वरिष्ठ नेता मिथलेश मिश्रा, राजेंद्र तिवारी, महामंत्री दीपक छतवानी, पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष नीतू सिंह ने स्वागत किया है। भाजपा कार्यालय भरौली में सांसद मनोज तिवारी के द्वारा भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की इस दौरान भाजपा के जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल के द्वारा उमरिया जिले के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी है। श्री अग्रवाल ने सांसद मनोज तिवारी को बताया कि जिले में रोजगार के नाम पर कोल माइंस संचालित है। इसके अलावा सीएसआर मद को लेकर चर्चा की गई। भाजपा जिला अध्यक्ष ने सांसद मनोज तिवारी को उमरिया जिले में एक कार्यक्रम बनाकर उमरिया आने का न्योता दिया है, जिस पर सांसद ने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही उमरिया जिले के लिए एक कार्यक्रम देंगे।

इसके अलावा पत्रकारों के सवालों का भी सांसद मनोज तिवारी ने जवाब दिया है। हाल ही में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के सवाल का जवाब देते हुए सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि हमारी सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका माकूल जवाब देंगे, इसकी पूरी रणनीति तैयार हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने जल सिंधु समझोता रद्द करने सहित कई ऐसे निर्णय लिए हैं जिससे पाकिस्तान बिलबिला गया है। रावर्ट वाड्रा के द्वारा की गई टिप्पणी पर सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि उनकी टिप्पणी बेहद शर्मनाक है जिसकी वह कड़ी निंदा करते हैं। सांसद मनोज तिवारी के अल्प प्रवास आगमन के दौरान भाजपा कार्यालय में भाजपा के नेता अशोक तिवारी, विष्णु भारती, कार्यालय मंत्री विनय मिश्रा, सुमित गौतम, सुशील गौतम, नगर परिषद चंदिया अध्यक्ष सोहन कोल, सोशल मीडिया सेल के नितिन बासनी सहित अन्य कार्यकर्ता और मीडिया के बंधु उपस्थित रहे।

संगम रोजगार मेला संपन्न

मेला में 350 में से 182 युवकों को उपलब्ध कराया गया रोजगार

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जिला रोजगार अधिकारी अमन दुबे ने बताया कि रानीदुर्गावती सामुदायिक भवन में युवा संगम रोजगार मेला का आयोजन संपन्न हुआ। मेले में 350 बेरोजगार युवक , युवतियों ने पंजीयन कराया था जिसमें से 180 युवको, युवतियों का चयन विभिन्न कंपनियों में किया गया। मेला में प्रगति बायोटेक में 4, एमआरएफ टायर में 51, रिलायंस निप्पोन में 29, सागर मेनूफेक्रिंग में 25, रिलायंस निप्पोन में 29 एलआईसी उमरिया में 15, विनप्रेज इनफो मीडिया प्रायवेट लिमिटेड मैन पावर प्लेसमेंट सर्विस कंपनी में 32, एसबीआई में 12, मोबाइल पे में 14 बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराया गया । इस अवसर पर जिला रोजगार कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, युवक युवतियां तथा कंपनी के लोग उपस्थित रहे।

कंपनी से आये लोगों व्दारा युवक युवतियो को अपनी कंपनी से संबंधित किए जाने वाले कार्यो की जानकारी प्रदाय की गई तथा उनकी योग्यता के अनुसार चयन किया गया।

उमरिया में संत सेन जी महाराज की जयंती मनाई गई

उमरिया (स्वतंत्रमत)। भारतीय सेन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुखराज राठौर एवं मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश सेन के नेतृत्व में जिला उमरिया ने संत सेन जी महाराज की जयंती दो दिवसीय उत्सव के साथ मनाई गई। भारतीय सेन समाज के पदाधिकारियों द्वारा आयोजित शोभायात्रा में झांकियों के साथ मंगल भवन से प्रारंभ हुई जो विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए मंगल भवन पहुंची। सायं काल सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महराज दिव्यराज सिंह जूदेव विधायक सिरमौर, अपर कलेक्टनर शिवगोविंद सिंह मरकाम, एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज, पार्षद त्रिभुवन प्रताप सिंह, राष्ट्रीय भारतीय सेन समाज महिलाप्रदेशाध्यक्ष साधना सारठे , सेन समाज के मध्य प्रदेश महाराष्ट्र राजस्थान पंजाब और अन्य प्रदेशों से आए हुए समाज जन सम्मिलित हुए।

सेन समाज के आराध्य गुरुदेव संत शिरोमणि श्री सेनजी महाराज की जयंती के अवसर पर हर वर्ष की भांति बांधवगढ टाइगर रिज़र्व में सेन समाज मेला का आयोजन किया गया। इस मौके पर सुबह 8 बजे से ताला गेट से प्रवेश प्रारंभ किया गया, जहां अधिकतम 100 लोगो की सेन समाधि तक जाने की अनुमति दी गई।

म ध्य प्र दे श , छत्तीसगढ़,राजस्थान, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से पहुंचे अनुयायियों ने जिप्सियो की मदद से ताला गेट से शेषशैय्या तक पहुंचे है।इस मौके पर एसडीएम मानपुर सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन के तीन दर्जन के करीब अधिकारी कर्मचारी मौके पर मौजूद है।पर्यावरण के दृष्टिगत सिंगल यूज प्लास्टिक आदि पर प्रतिबंध लगाया गया था। सेन जयंती के अवसर पर दिव्यराज सिंह जूदेव जी के साथ साथ सेन समाज जनों ने बांधवगढ़ जन्मस्थली पहुंचकर आराध्य देव संत शिरोमणि सेन जी महाराज की प्राचीन प्रतिमा पर दूध, दही, जल से अभिषेक कर पूजन आरती की। दो दिवसीय सेन जन्म उत्सव में शामिल सभी समाज जन अतिथि श्रद्धालुओं का अनुज सेन एवं मनोज नापित ने आभार किया ।

राष्ट्रीय तंबाखू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान बनाने निर्देश

उमरिया (स्वतंत्रमत)

तंबाकू उत्पादों का बढ़ता उपयोग विश्व में लोगों की असमय मृत्यु का सबसे मुख्य कारण है। ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे अनुसार मध्यप्रदेश में 13 से 15 वर्ष की आयु वर्ग के 3.9 प्रतिशत स्कूली छात्र किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते है। बच्चों और युवाओ को तंबाकू सिगरेट की लत से बचाने के लिए उपाय करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि तंबाकू उत्पादों के उपयोग को हतोत्साहित करने हेतु सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम कोटपा 2003 लागू किया गया है। यह अधिनियम उन सभी उत्पादो पर लागू होता है जिनमें किसी भी रूप में तंबाकू शामिल है। कोटपा की धारा के अंतर्गत 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति को और किसी भी शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे मे तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाती है। उन्होने समस्त प्राचार्य, प्रभारी प्राचार्य, संस्था प्रमुखों, शासकीय, अशासकीय, अर्ध्द शासकीय, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, हायर सेकेण्डंरी, हाई स्कूल, माध्यमिक, प्राथमिक विद्यालय, समस्त छात्रावास अधीक्षकों से कहा है कि भारत सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए अपने अपनें संस्था को तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान बनाया जाना सुनिश्चित करें।

मनी म्यूल के जाल में फंस रहे खाताधारक

ओटीपी शेयर करना पड़ रहा भारी, बैंक ने बढ़ाई सतर्कता

सिर्फ एक ओटीपी बताया था, और पूरा खाता खाली हो गया...

उमरिया (स्वतंत्रमत)। उमरिया में अब इस तरह की घटनाएं तेजी से सामने आ रही हैं। साइबर ठग अब सीधे पैसा मांगने की बजाय, आम लोगों को 'मनी म्यूल' बनाकर उनके खातों का दुरुपयोग कर रहे हैं।

क्या होता है मनी म्यूल?- 'मनी म्यूल' वह व्यक्ति होता है जो अपने बैंक खाते को दूसरों के कहने पर लेन-देन के लिए उपयोग में लाता है, कई बार बिना यह जाने कि वह अपराध का हिस्सा बन रहा है। ऐसे लोग साइबर अपराधियों के लिए पैसों के ट्रांजैक्शन का जरिया बन जाते हैं।

जनधन खातों का दुरुपयोग- ग्रामीण क्षेत्रों में जनधन योजना के अंतर्गत खुले कई खातों का उपयोग अब असामाजिक तत्वों द्वारा संदिग्ध ट्रांजैक्शन के लिए किया जा रहा है। जानकारी के अभाव में कई लोग अपने खाते किसी और को सौंप देते हैं, जिससे उनके नाम से फर्जीवाड़ा किया जा रहा है।

ओटीपी और पिन शेयरिंग बनी बड़ी समस्या-बैंक अधिकारियों के अनुसार, अधिकांश धोखाधड़ी की घटनाएं तब होती हैं जब लोग किसी के कहने पर ओटीपी या पिन शेयर कर देते हैं। इसके बाद साइबर अपराधी खाते से बड़ी रकम ट्रांसफर कर लेते हैं।

सतर्कता और जनजागरूकता अभियान-बैंकिंग संस्थाओं द्वारा संदिग्ध खातों पर निगरानी बढ़ा दी गई है और पुलिस प्रशासन के सहयोग से नुक्कड़ नाटक जैसे माध्यमों से जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों का उद्देश्य है कि आम लोग डिजिटल लेन-देन के जोखिमों को समझें और सतर्क रहें।

जनता से अपील-ओटीपी, पासवर्ड या पिन किसी के साथ साझा न करें।अपने बैंक खाते का उपयोग केवल स्वयं करें। किसी भी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मांगी गई बैंक जानकारी को तुरंत नजरअंदाज करें। संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत बैंक या पुलिस को दें।

भविष्य में गरीब बच्चों के हितार्थ किए जाने वाली कार्य योजना

नरसिंहपुर ।स्वतंत्रमत। भीषण गर्मी में नन्हे विद्यार्थी गण को ठंडक की सौगात ,नगर स्थित शासकीय प्राथमिक शाला रानी अवंती बाई जिसमें पांचवी तक गरीब परिवारों के विद्यार्थी पठन-पाठन करते हैं तथा विगत 3-4 वर्षों से संस्कार शाला संचालिका श्रीमती नीता शर्मा द्वारा समय-समय पर नि: शुल्क भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों की कक्षा ली जाती है । छोटे बच्चों हेतु ठंडा स्वच्छ पेयजल की अत्यंत आवश्यकता प्रतीत होने पर उनकी प्रेरणा से शर्मा परिवार द्वारा निर्मित मां नर्मदा बाल संस्कार संरक्षण फाउंडेशन के माध्यम से दिनांक 24 अप्रैल को वरुथिनी एकादशी पर्व पर अतिथिगण श्रीमती विवेक पांडे जिला अध्यक्ष महिला ब्राह्मण सभा, श्रीमती संध्या कोठारी, पूर्व पार्षद रमाकांत चौबे,श्रीमती ज्योति तिवारी, सरल पांडे, शालिनी दुबे, अरुण दुबे, सुषमा मिश्रा, पंडित गणेश दत्त चतुर्वेदी अध्यक्ष वरिष्ठ जन परिषद की उपस्थिति में पंडित जगदीश शास्त्री द्वारा मां नर्मदा, मां सरस्वती व वरुण देवता की मंत्रोच्चार पूजन कराते हुए एक वोल्टास वाटर कूलर बच्चों को समर्पित करते हुए शाला प्रभारी श्रीमती शोभा शुक्ला, श्रीमती रैमी पटेल एवं बीआरसी श्री ओ पी राय को सौंपा गया। कार्यक्रम का संचालन पंडित सी बी शर्मा द्वारा करते हुए कविवर श्री अशोक त्रिपाठी का आवाहन किया गया जिन्होंने वीररस एवं बाल संवाद पर कविता पाठ कर सभी का मनमोह लिया, अतिथि गण द्वारा अपने संबोधन में शर्मा परिवार द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए साधुवाद प्रेषित किया,।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सीईओ जपं ने विभिन्न ग्रामों का किया निरीक्षण

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करकेली हरनीत कौर कलसी व्दारा जनपद क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान आकाशकोट स्थित ग्राम पंचायत पठारीकला में खेत तालाब एवं डगवेल (डगवेल) निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों की उपस्थिति में खेत तालाब का लेआउट तैयार कराया गया एवं अमृत सरोवर के लिए प्रस्तावित स्थल का भी अवलोकन किया गया। उन्होने कहा कि प्रदेश शासन की मंशा अनुसार उमरिया जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन किया जा रहा है। अभियान के तहत नदियों, तालाबों, पोखरों, बावडियों की साफ सफाई की जा रही है साथ ही ग्रामों में अमृत सरोवर तथा खेत तालाब तैयार किए जा रहे है, ताकि ग्रामीणों को पेयजल हेतु परेशानी का सामना नही करना पड़े। यह अभियान अनवरत 30 जून तक संचालित किया जाएगा।

ग्राम पंचायत मजमानीखुर्द, गोपालपुर एवं कौड़िया 63 में निर्माणाधीन अटल पंचायत भवनों का निरीक्षण कर निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया गया कि आगामी 10 दिनों में कार्य की प्रगति सुनिश्चित करते हुए प्लेंथ स्तर तक कार्य पूर्ण किया जाए।

अनिश्चितकालीन हड़ताल में शामिल संविदा कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के दिए निर्देश

उमरिया (स्वतंत्रमत)

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ म0प्र0 द्वारा दिनांक 22.04.2025 से अनिश्चित कालीन हडताल की घोषणा की गई है जिससे जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई हैं भीषण गर्मी से अस्पतालों में लगातार मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही हैं। और संविदा कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल में जाने से ये स्थिति और भी भयाभय हो गई हैं जिस पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने मध्यप्रदेश के सभी जिलों में हो रही संविदा कर्मचारियों जी हड़ताल को असंवैधानिक बताते हुए तुरंत काम मे लौटने का आदेश जारी किया है और जो संविदा कर्मचारी जो हडताल में शामिल हुऐ है उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु पत्र जारी किया गया है जिस पर उमरिया के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एसबी चौधरी ने मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाली,मानपुर, करकेली को शुक्रवार 25 अप्रैल को पत्र जारी करते हुए कहा गया कि सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के निर्देशित पत्र 3 दिनांक 22.11.2006 अनुसार 2.2,2.3, 2.4 तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में प्रचलित मानव संसाधन मैन्युवल 2025 की कंडिका क्रमांक 14.1-14.2-14.3 एवं 14.4 मे दिये गये प्रावधानों के अनुक्रम मे हडताल में भाग लेने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने का प्रावधान है।

अत: अपने अधीनस्त संविदा कर्मचारियों को निर्देशित करे की हड़ताल समाप्त कर अपने कर्तव्य में उपस्थित होवें जिससे कार्य प्रभावित न हो और जो कर्मचारी अपने कर्तव्य पर उपस्थित नहीं हो रहे है उनकी सूची अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को प्रेषित करें जिससे उनके विरूद्ध संविदा मानव संसाधन मैन्युवल 2025 के अनुसार कार्यवाही की जा सके। जिसकी सम्पूर्ण जबाबदारी संबंधित संविदा कर्मचारी की होगी।

मंत्री श्री शाह का हुआ स्वागत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रदेश शासन के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह जनजातीय कार्य लोक परिसंपत्ति प्रबंधन भोपाल गैस त्रासदी एवं पुनर्वास विभाग का शुक्रवार को सर्किट हाउस मंडला में आगमन हुआ। मंत्री डॉ. विजयशाह के आगमन पर कलेक्टर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार हिमांशु भलावी सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

ग्रामवासियों का जल संरक्षण संकल्प

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कुमट के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत जगनाथर के मटियारी नदी में 367 बोरियों का बोरी बंधान किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वय राजेन्द्र चौधरी ने जल संरक्षण का महत्व बताते हुए कहा कि हमारे शरीर का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी है। इस दौरान विकासखण्ड समन्वयक बिछिया श्रीमति कीर्ति कुरील, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के समस्त परामर्शदातागण, ग्राम पंचायत सरपंच श्री मनमोहन तेकाम, उप सरपंच गणेश झरिया, सत्येंद्र झारिया जैव विविधता समिति के अध्यक्ष, पेसा विकासखंड समन्वयक सोनू मरावी, ग्राम पंचायत मोबिलाइज महिमा मरावी एवं समस्त ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

जिला स्तरीय समिति की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर की अध्यक्षता में नशामुक्ति अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय मासिक समिति की बैठक का आयोजन की गई। बैठक में उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय परामर्श केन्द्र को और अधिक सक्रिय और सक्षम बनाएं। हायरसेकेंडरी स्कूल, आईटीआई तथा महाविद्यालयों में इससे संबंधित सेमीनार का आयोजन कराएं। इस कार्य में गैर सरकार संगठनों और सामुदायिक संस्थाओं का भी सहयोग लें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यालय में माह में एक बार नशामुक्ति से संबंधित शपथ भी दिलाया जाना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान उपसंचालक सामाजिक न्याय रोहित बड़कुल ने अभी तक की प्रगति से अवगत कराया।

कोर कमेटी की बैठक अमरकंटक में

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासन की पेंशनर्स के प्रति उपेक्षापूर्ण नीतियों को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश के पेंशनर्स में आक्रोश व्याप्त है। केंद्र सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग के प्रस्तावित गठन में भी पेंशन में कटौती या बंद करने की आशंका को लेकर वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन मध्यप्रदेश की बड़ी एन पी ए कोर ग्रुप की बैठक 26 एवं 27 अप्रैल को अमरकंटक में आयोजित की गई है। जिसमें आगामी रणनीति तय करने हेतु नामांकित 11 कोर ग्रुप मेम्बर्स अमरकंटक में प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमार दुबे की अध्यक्षता में आगामी आंदोलन की रूपरेखा तय करेंगे। जिले से कोर कमेटी मेंबर तथा जिला शाखा अध्यक्ष बीके राय प्रतिनिधिमंडल के साथ अमरकंटक के लिए रवाना हुए। उनके साथ जिला शाखा सचिव एन के शुक्ला, जिला शाखा कोषाध्यक्ष एस के पटेल तथा डिंडोरी जिला शाखा अध्यक्ष यशवंत यादव अमरकंटक जा रहे हैं।

मंत्री आज जायेंगी डिंडौरी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके 26 अप्रैल को प्रातः 11 बजे टिकरवारा से डिंडौरी के लिए प्रस्थान करेंगी। आप डिंडौरी में विभागीय समीक्षा बैठक लेने के बाद दोपहर 2 बजे डिंडौरी से प्रस्थान कर दोपहर 3 बजे मंडला आएंगी।

संविधान के पथ पर चलकर बाबा साहेब को सम्मान देती है भाजपा, विचार गोष्ठी कार्यक्रम में बोले मंत्री शाह

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शुक्रवार को नगर पालिका टाउन हॉल में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर पर सम्मान सभा व विचार गोष्ठी का आयोजन भारतीय जनता पार्टी द्वारा किया गया। यहां मुख्य अतिथि के रूप जनजातीय कार्य विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम एवं वन विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी एसएस उद्दे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, डॉ भीमराव अंबेडकर, डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित से की गई। मंचसीन मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री का पगड़ी पहनाकर कर स्वागत किया गया। वहीं कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने श्री शाह का शॉल श्रीफल से स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री शाह ने कहा कि भीमराव अंबेडकर सामाजिक समरसता, न्याय, भाईचारा, बंधुत्व और संविधान निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान है जो हमारी आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा देती है। हमें डॉ. अम्बेडकर के मार्ग पर चलकर उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए। उन्होंने ने कहा कि बाबा साहब का सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया जो कि भारतीय रिजर्व बैंक है की स्थापना में बहुत बड़ा योगदान रहा है क्योंकि वे एक अर्थशास्त्री थे। इसलिए उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उन्होंने लोगों को कृषि क्षेत्र और औद्योगिक गतिविधियों के विकास के लिए प्रेरित किया उन्होंने लोगों को बेहतर शिक्षा और सामुदायिक स्वास्थ्य के लिए भी प्रेरित किया दलित बौद्ध आंदोलन उनसे प्रेरित था। मंत्री श्री शाह ने कहा कि स्वतंत्रता के लिए अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया जिनमें से एक नाम भीमराव अम्बेडकर का भी नाम है। संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की संघर्ष गाथा भारत के युवाओं को प्रेरित करती रहेगी। डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर एक दलित समुदाय से आते थे जिन्होंने कर्मों से अपनी पहचान को सिद्ध किया और भारत के समस्त नागरिक को एक स्वतंत्र जीवन जीने का अधिकार दिया जिससे जातिवाद भेदभाव छुआ छूत को खत्म किया और भारत देश को एक नई उपलब्धि मिली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इस महान नेता की हमेशा अव्हेलना की है। वहीं भाजपा ने देश की इस महान भभूति को समय के साथ सम्मान दिया और भारत रत्न से सम्मानित भी किया उन्होंने इस दौरान आतंकवाद पर जमकर प्रहार करते हुए कहा कि आतंकवादियों से भारत देश डरने वाला नहीं है जिस तरह की कायराना हरकत की गई है उसकी पूरे देश में निंदा हो रही है। वहीं उन्होंने मंच से कहा कि मंडला में ट्राईबल डी मार्ट खोला जायेगा। जो कि आदिवासी महिलाएं संचालित करेंगी और यहां पर सभी दैनिक उपयोग की सामग्री सस्ते दामों पर उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आम जनता की सरकार है जिसका उद्देश्य केवल विकास है। वहीं पीएचई कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने सदैव समाज के कमजोर, पिछड़े एवं वंचित वर्गों के अधिकारों और उनके उत्थान के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने सामाजिक भेदभाव और असमानता जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर के विचार हमें समानता, न्याय और बंधुत्व की राह पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उनके पदचिन्हों में चलकर हम समतामूलक एवं न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। भाजपा सरकार ने बाबा साहेब को भारत रत्न दिया और पंचतीर्थ विकसित किए। संविधान को कोई खत्म नहीं कर सकता और न ही इससे छेड़छाड़ कर सकता है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर के नाम से मशहूर बीआर अंबेडकर एक अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे जिन्होंने दलित समुदाय के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी जिन्हें उस समय अछूत माना जाता था। भारत के संविधान के प्रमुख निर्माता अंबेडकर ने महिलाओं के अधिकारों और मजदूरों के अधिकारों की भी वकालत की स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री के रूप में पहचाने जाने वाले अंबेडकर का भारतीय गणराज्य की संपूर्ण अवधारणा के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान है। वहीं मंच का संचालन अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष इंजी जुगल किशोर बघेल के द्वारा किया गया। वहीं आभार प्रदर्शन बसंत चौधरी के द्वारा किया गया।

युवा कांग्रेस की सदस्यता चुनाव प्रक्रिया का पोस्टर लांच

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा मध्यप्रदेश में युवा कांग्रेस संगठन की सदस्यता एवं आंतरिक चुनाव के लिए प्रेस रिलीज जारी कर घोषणा की गई थी। जिस क्रम में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशीष जैन द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय मंडला में ललितपुर से आए युवा कांग्रेस सदस्यता एवं चुनाव प्रभारी अंकित यादव, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एड राकेश तिवारी, जिला कांग्रेस कार्यालय प्रभारी विवेक दुबे की उपस्थिति में युवा कांग्रेस सदस्यता एवं चुनाव का पोस्टर लॉच किया गया। इस दौरान उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष एड. राकेश तिवारी ने जिले के सभी युवाओं को युवा कांग्रेस से जुड़ने की अपील की। तत्पश्चात युवा चुनाव प्रभारी ने सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की युवा शाखा,भारतीय युवा कांग्रेस ने घोषणा की है कि मध्य प्रदेश में ब्लॉक, विधानसभा, जिला और पूरे राज्य स्तर पर अपनी सदस्यता और पूर्ण संगठनात्मक चुनाव आयोजित कर रही है। युवा कांग्रेस नामांकन अभियान 27 अप्रैल से 6 मई तक चलेगा। उसके बाद सदस्यता प्रक्रिया शुरू होगी और संबंधित तिथियों तथा विवरण पर प्रकाशित किए जाएंगे। इस चुनाव में भाग लेने के लिए आयु सीमा 18 से 35 वर्ष होना अनिवार्य है। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशीष आशु जैन,एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष संजू अहिरवार ने युवाओं से इस चुनाव प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। इस अवसर पर युवा कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह ठाकुर,आकाश पटेल, कोविद सिंह ठाकुर,अंशुल नागवंशी,अमन लाहौरी,सौरभ जंघेला,शक्ति पटेल,अतुल कुशराम,नीलेश राय आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

मंत्री कुंवर विजय शाह को शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जनजातीय कार्य विभाग मंत्री कुंवर विजय शाह के मंडला प्रवास के अवसर पर ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रांत अध्यक्ष डी के सिंगोर की अगुवाई में मुलाकात की। पदाधिकारियों ने मंत्री जी को डायरी पेन और एसोसिएशन का 12पृष्ठीय कैलेंडर भेंट कर अभिनंदन किया। पदाधिकारियों ने एजुकेशन से ट्राइबल विभाग में प्रतिनियुक्ति के माध्यम से स्थानांतरण पर आए लगभग 4372 शिक्षकों के ट्राइबल विभाग में मर्ज का मुद्दा उठाया। उन्हें अवगत कराया गया कि उस समय एक विभाग से दूसरे विभाग में स्थानांतरण न हो पाने के कारण प्रतिनियुक्ति का रास्ता अपनाया गया था। प्रतिनियुक्ति के 6वर्ष हो गए लेकिन अब तक इनके विभाग में संविलयन की कार्यवाही नहीं की गई। दूसरे विभाग में लंबे समय से प्रतिनियुक्ति में कार्य करने पर भी उनकी क्रमोन्नति और उच्च पद प्रभार की कार्यवाही मूल विभाग से ही होने में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वरिष्ठता सूची भी उनके मूल विभाग से ही जारी हो रही है। मंत्री ने इस विषय को गंभीरता से लिया और कहा कि आपकी मांगे जायज हैं और शीघ्र ही संविलयन की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि संविलयन के कारण आपकी वरिष्ठता नहीं मिलेगी, जिस पर पदाधिकारियों ने सहमति दी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दिलीप मरावी , सरिता मरावी , विपिन अग्रवाल अनिल सिंगौर, अमित मिश्रा, संदीप कछवाहा, ब्रजेश पटेल, सुखमन सिंह मरावी उपस्थित रहे। ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के मंत्री से मुलाकात के दौरान सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता भी उपस्थित थीं।

मुस्लिम पंचायत ने जलाया पुतला

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शुक्रवार को मुस्लिम पंचायत मंडला मुस्लिम रहमानियां कमेटी के द्वारा राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। जिसमें कहा गया कि कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से समाज में आक्रोश है जिसके चलते आतंकवाद के विरोध स्वरूप पुतला दहन किया गया और शासन प्रशासन से मांग की गई की इस घटना में जो भी लोग लिप्त हैं उन पर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाए और जो लोग इस हादसे में

खत्म हुए हैं उनको शहीदी का दर्जा दिया जाए व उनके परिवार को एक-एक करोड़ की सहयोग राशि व उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जावे। भारत का मुस्लिम समाज हमेशा से आतंकवाद, जातिवाद का विरोधी रहा है। मुस्लिम समाज हमेशा देशभक्ति राष्ट्र निर्माण के कार्य में ही बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। मुस्लिम समाज देश की एकता अखंडता, संप्रभुता, धर्मनिरपेक्षता, मानवता व भाईचारे पर विश्वास रखता है मांग है कि शीघ्र से शीघ्र राष्ट्र विरोधी तत्वों पर कठोर कार्रवाई की जाने की मांग समस्त मुस्लिम समाज करता है और आगे इसकी पुनरावृत्ति न हो इसके लिए भी शासन प्रशासन के सजग प्रयास रहे।

धूमधाम से मनाई गई सेन जयंती

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला सेन समाज कल्याण समिति सचिव संदीप श्रीवास रिंकू ने बताया कि सेन जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम किए गए। प्रथम चरण में सेन समाज के द्वारा सेन सामुदायिक भवन झूला पुल में संत सेन महाराज की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात रैली का आयोजन श्रीराम वार्ड से प्रारंभ किया गया जो कि शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए महाराजपुर संगम स्थल में पूजन पाठ किया गया। रैली मुख्य मार्ग से होते हुए झूला पुल में सामुदायिक भवन में समापन हुई जहां पर कार्यक्रम समाज के वरिष्ठ संरक्षक कन्हैया लाल श्रीवास की अध्यक्षता में संपन्न हुए जिसमें सर्वप्रथम संरक्षक कन्हैया लाल का स्वागत तत्पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष टीकाराम श्रीवास उपाध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास संदीप श्रीवास युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष राहुल श्रीवास व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुरेश श्रीवास मनी महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष दीपा श्रीवास का स्वागत किया गया कार्यक्रम में संरक्षक महेश श्रीवास ने भी अपनी उद्बोधन में सेन समाज को एक रहने की बात कही महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपा श्रीवास द्वारा सेन महाराज का व्याख्यान किया गया इस अवसर पर राकेश श्रीवास कार्यक्रम का सफल संचालन पूर्व जिला सचिव राजीव उसराठे द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन नव निर्वाचित अध्यक्ष टीकाराम श्रीवास के द्वारा किया गया।

कौशल विकास पर समर कैंप आयोजित

मण्डला/अंजानिया(स्वतंत्रमत)। सीएम राइज विद्यालय अंजनिया में 20 अप्रैल से 30 अप्रैल तक समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर जनजातीय कार्य विभाग एवं पिरामल फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से 21वीं सदी के आवश्यक कौशलों के विकास हेतु संचालित किया जा रहा है। समर कैंप के अंतर्गत विद्यार्थियों को सात विभिन्न थीम्स पर आधारित गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिल रहा है। संस्कृति के रंग हमारी विरासत हमारी पहचान थीम पर केंद्रित रही। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पारंपरिक गोंड कला गोंड आर्ट की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के पूजन से हुई। इसके पश्चात ग्रामीण विकास एवं महिला उत्थान संस्थान के प्रमुख राम कुमार सिंगोर ने गोंड कला की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इसकी सांस्कृतिक महत्ता तथा इसके निर्माण की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि गोंड आर्ट केवल एक चित्रकला नहीं, बल्कि आदिवासी संस्कृति की समृद्ध पहचान है जिसे सीखकर युवा भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफहेमंत कुमार राणा प्राचार्य शिक्षक शिक्षिकाए सहयोगी कर्मचारी एवं पिरामल फाउंडेशन से प्रवीण देशमुख जिला समन्वयक गांधी फेलो उपस्थित रहे।

मुस्लिम समुदाय ने सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

पाकिस्तान-आतंकवाद मुर्दाबाद के लगाये गये नारे

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। अंजुमन इस्लामिया कमेटी नैनपुर द्वारा एसडीएम नैनपुर को प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन सोपा है। ज्ञापन में लेख किया है कि हम नैनपुर वासी भावुकता और आक्रोश के साथ निवेदन कर रहे है कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हिंसा की घटना ने हम सबको झकझोट कर दिया है आतंकवादियों द्वारा हमारे भाइयो को जिस तरह से मारा गया है हमारा मुस्लिम समाज इसका घोर निंदा करता है और आपसे विनम्र गुजारिश है कि आतंकवादियो को कड़ी से कडी सजा दी जाये।

भक्ति से भगवान मिलते हैं: नीलू महाराज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ईश्वर से प्रेमभाव रखकर सेवा-स्मरण करते रहो। यदि भक्ति न हो तो ज्ञानी के ज्ञान और तपश्चर्या की कोई सार्थकता नहीं है। ज्ञान तो चाहे जितना हो किन्तु प्रभुप्रेम न हो तो उस ज्ञान और तपश्चर्या की कोई कीमत नहीं है। सभी साधन और साधना का फल है श्रीकृष्ण-प्रेम। जो साधना प्रभु-प्रेम न जगा सके, उस साधना की कोई कीमत नहीं है। कठर टोला कौरगांव पुरवा में श्री मद्भागवत पर प्रवचन करते हुए भागवत रसिक नीलू महाराज ने कहा ? प्रभु-मिलन के लिए जो आतुर नहीं है, ऐसे ब्राह्मण की अपेक्षा प्रभु-मिलन के लिए आतुर क्षुद्र व्यक्ति भी श्रेष्ठ है। प्रभु को प्रसन्न करने के दो साधन हैं- सेवा और स्मरण प्रतिदिन तीन घंटे प्रभु की सेवा और स्मरण करो। इन दो साधनों से भगवान् अवश्य मिलते हैं। और किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं है। दक्षिणा देने से पुण्य नहीं मिल सकता वह धन का सदुपयोग तो है किन्तु स्वर्ग भी सेवा-स्मरण करना आवश्यक है। परमात्मा को प्रसन्न करने का साधन है प्रेम। सेवा और पूजा में धन नहीं, मन प्रधान है स्नेह ही मुख्य वस्तु है। शुक्रवार को भगवान को गोवर्धन लीला से रुक्मणि मंगल तक की कथा सुनाई जायगी। आयोजक आशा देवी कछवाहा परिवार ने पुन्य आत्माओं से आयोजन में पधारने की अपील की है।

भीषण गर्मी में शीतल जल का आनंद लेने देशी फ्रिज की मांग बढ़ी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। भीषण गर्मी लू लपट के असर से शीतल जल का आनन्द प्राप्त करने देशी फ्रिज की मांग बढ़ती जा रही है। भौतिकबाद इस चकाचौंध में आम आदमी की जीवन शैली में विशेष परिवर्तन आता दिखाई दे रहा है। सम्पन्न तथा आर्थिक रूप से मजबूत परिवार के द्वारा अपने शानदार भवन कोठी बंगलो में पंखे ए.सी. फिज, कूलर के अलावा अन्य संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। वहीं गरीब मध्यम वर्गीय किसान मजदूरों को ऐसी कीमती आलीशान सुविधाये नसीब नहीं हो पा रही है। अधिकांश लोग शीतल जल का भरपूर आनन्द उठाकर अपनी प्यास बुझाने गर्मी के मौसम में देशी फिज कहे जाने वाले रगीन मटकों का उपयोग किया जा रहा है। देशी फिज मटको का शीतल जल सूखे कण्ड को तर कर स्वास्थ लाभ पहुंचा रहा है। इन दिनों बाजार हाट में देशी फिज मटको की पूछ परख काफी बढ़ चुकी है। अप्रैल माह के प्रारम्भ होते ही ठण्डे पानी की आवश्यकता महसूस होने लगी है। नगर में रेतीली मिटटी से निर्मित रंगीन मटके एवं सुराही का बड़ी तादात में उपयोग कर ठण्डे पानी का आनन्द उठाया जा रहा है। लाल रंगीन मटको का पानी तेज गर्मी में प्यास बुझा ने विशेष लाभ दायक साबित हो रहा है। मटको के निर्माण में बढ़ी लागत से मटको के मूल्य में भी खासा इजाफा हो चुका है। छोटा सा छोटा मटका 100 रूपये से लेकर 400 रूपये तक के मूल्य में शानदार रंगीन मटके स्थानीय बुधवारी बाजार में आसानी से प्राप्त हो रहे हैं। सुंदर सस्ते टिकाउ देशी फिज कहे जाने वाले मटको के पानी की शीतलता से सूखे गले की तृप्ति हो रही है। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों के द्वारा बडी मात्रा में मटको की खरीददारी की जा रही है।

सायकिल सवार को मोटरसाइकिल चालक ने मारी टक्कर

गम्भीर चोट के चलते नागपुर रैफर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्य मार्ग एल आई सी आफिस के सामने सायकिल सवार को मोटर साइकिल चालक के द्वारा जोरदार टक्कर मार घायल कर दिया। लहुलुहान व्यक्ति को प्रत्यक्ष दरशियो ने सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जहां से डाक्टर ने गम्भीरता को देखते हुए घायल को नागपुर अस्पताल रैफर किया है। जानकारी अनुसार सुबह करीब 8.30 बजे वार्ड क्रमांक 12 निवासी भैया लाल साहू अपने काम से निवारा जा रहा था जिसे पीछे है मोटरसाइकिल चालक ने एल आई सी आफिस के सामने जोरदार टक्कर मार दिया। जिसे राहगीरो ने ब्लांक कालोनी में पकड़ा लिया। बाद इसके मोके पर उपस्थित लोगों ने

लहूलुहान भैयालाल साहू को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डाक्टर सुरेन्द्र बरकडे ने प्राथमिक उपचार करते हुए। सिर पर आठ टांके लगा कर गम्भीर घायल भैया लाल को नागपुर अस्पताल रेफर किया गया।

संपादकीय

हां चूक तो हुई है

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा किए गए नरसंहार की मनोमस्तिष्क में एक स्थायी छवि बनी रहेगी। यह पाकिस्तानी सेना द्वारा समर्थित पाकिस्तानी आतंकवादियों का काम था, इसमें कोई संदेह नहीं है। कोई भी कश्मीरी मुसलमान, भले ही वह आतंकवादी ही क्यों न हो, विशेष रूप से उन पर्यटकों को निशाना नहीं बना सकता था, जो पिछले आधे दर्जन वर्षों से कश्मीर की अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान दे रहे थे। यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि पहले तीर्थयात्रियों और प्रवासी मजदूरों पर हमले हुए थे, इस बार विशेष रूप से पर्यटकों को निशाना बनाया गया। जाहिर है कि पर्यटकों पर हमला, जिसमें केवल पुरुषों को धार्मिक आधार पर निशाना बनाया गया था, जबकि महिलाओं और बच्चों को छोड़ दिया गया था, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमरीका के उप-राष्ट्रपति जे.डी. वेंस की यात्रा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से किया गया था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2000 में तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की यात्रा के दौरान कश्मीर के छत्तीसिंहपुरा में रहने वाले सिखों का नरसंहार हुआ था।

लिहाजा खुफिया और सुरक्षा बलों को उप-राष्ट्रपति जे.डी. वेंस की यात्रा के दौरान सतर्कता बढ़ा देनी चाहिए थी। गुरुवार को सर्वदलीय बैठक में सरकार ने स्वीकार भी किया है कि सुरक्षा मामले में चूक हुई है। ये बात भी काबिले गौर है कि यह हमला किसी और के नहीं बल्कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भड़काऊ बयानों के बाद हुआ है, जिन्होंने 16 अप्रैल को इस्लामाबाद में ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया था। पाकिस्तान द्वारा कश्मीर को दिए जाने वाले महत्व और देश की सामूहिक मानसिकता में कश्मीर के प्रति जुनून को उजागर करते हुए उन्होंने कहा था, 'यह हमारी गले की नस थी और गले की नस है, हम इसे नहीं भूलेंगे। हम अपने कश्मीरी भाइयों को भारतीय कब्जे के खिलाफ उनके वीरतापूर्ण संघर्ष में नहीं छोड़ेंगे।' जो व्यक्ति यह मानता है कि कश्मीर उसके देश के सामने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है, उसके लिए यह स्पष्ट है कि वह और उसकी सरकार कश्मीर में सामान्य जीवन को बाधित करने के लिए ऐसी सभी गतिविधियों की योजना बना रही होगी और उनका समर्थन कर रही होगी।

पाकिस्तानी अक्सर भारत पर बलूची विद्रोहियों का समर्थन करने का आरोप लगाते रहे हैं और कई लोग पहलगाम में हुए हमले को ट्रेन के अपहरण और कई यात्रियों की हत्या का 'बदला' मानते हैं। यह विचार प्रक्रिया एक प्रसिद्ध पाकिस्तानी लेखिका आयशा सिद्दीका के हाल ही में दिए गए साक्षात्कार में भी परिलक्षित हुई, जिनकी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के साथ सहानुभूति जग-जाहिर है। साक्षात्कार के दौरान उन्होंने मुंबई हमलों को महत्वहीन बताया, जिहादी हिंसा को 'रणनीतिक' बताया और यहां तक कि, शायद अनजाने में, मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान की भूमिका को स्वीकार कर लिया। हालांकि इस तरह का हमला लंबे समय के बाद हुआ है, लेकिन यह इस बात की पुष्टि है कि पाकिस्तान भारत को 'घाव' देने की कोशिश करता रहेगा।

सब किया धरा खत्म कर देगी जरा सी भी ढिलाई

कश्मीर घाटी में आतंकवादियों ने पर्यटकों पर हमला कर एक बार फिर से कायराना हरकत की है। ऐसे में जब लंबी जद्दोजहद के बाद अनुच्छेद 370 खत्म हुआ और जम्मू-कश्मीर में शांति लौट रही है, पर्यटक फिर से आने लगे हैं, आतंकवादियों की ऐसी हरकतें सब कुछ चौपट कर सकती हैं। जी हां, डर यही है कि है था में न बदल जाए। जम्मू-कश्मीर समृद्ध होने की ओर बढने लगा था। इसके समर्थन में कई आंकड़े हैं। वर्ष 2024 में सवा दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए (2,35,90,081)। यह संख्या वर्ष 2021 में आए कुल 1.13 करोड़ पर्यटकों की संख्या से दोगुनी से भी ज्यादा है। पर्यटकों की आमद 2021 से लगातार बढ़ रही है।

यह कश्मीर घाटी में सुधरते माहौल का एक बड़ा संकेत है। पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर सरकार ने विधानसभा में आ्थक समीक्षा रिपोर्ट पेश की थी। इसके अनुसार 2021 से 2024 के बीच जम्मू और कश्मीर में करीब 7.5 करोड़ पर्यटक आए। इनमें से 13.33 फीसदी यानी करीब 1 करोड़ पर्यटक कश्मीर घाटी में भी गए। दूसरी ओर वर्ष 2019 में स्थितियां ऐसी थीं कि कश्मीर घाटी में उस साल 5 लाख से भी कम पर्यटक आए थे। इनमें भी साढ़े 4 लाख से ज्यादा पर्यटक जनवरी से जुलाई के बीच आए थे। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के प्रावधान को हटाया गया तो राज्य में कई महीने तक पाबंदियां रहीं और उसके बाद कोरोना का लॉकडाऊन शुरू हो गया।

मगर 2021 के बाद घाटी के माहौल में काफी सुधार आया। पत्थरबाजी की घटनाएं कम हुईं। आतंकवाद पर नकेल कसी गई। 22 मई, 2023 को जी-20 के पर्यटन कार्य समूह का तीसरा सम्मेलन कश्मीर घाटी में हुआ। पर्यटन उद्योग स्थानीय कश्मीरी युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराता है। जम्मू-कश्मीर की कुल जी.डी.पी. का 7 से 8 फीसदी पर्यटन उद्योग से ही आता है (2023 में यह लेखक खुद पहली बार 7 दिनों के लिए घाटी गया था और लाल चौक पर फहराते झंडे को देख गौरवान्वित हुआ था। परिवार को कह दिया था, घूमो अकेले। अब तो आज की घटना के बाद सोच के ही डर लग रहा है)। कश्मीर घाटी के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बनाकर हमला किया। यह हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब घाटी में टूरिस्ट सीजन चरम पर है। पर्यटकों के बीच पहलगाम का काफी आकर्षण है। लेकिन मामला सिर्फ इतना सीधा भी नहीं है। 2024 में 18 सितम्बर और 1 अक्तूबर के बीच हुए चुनाव के बाद उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नैशनल कांफ्रैंस की सरकार बनी। पिछले साल मई-अप्रैल से ही जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों पर आतंकवादी हमले बढने शुरू हो गए थे।

9 जून, 2024 को आतंकवादियों ने रियासी जिले में तीर्थयात्रियों की बस पर हमला किया, जिसमें 9 तीर्थयात्री मारे गए और 42 घायल हुए। 8 जुलाई, 2024 को कठुआ में सैन्य काफिले के वाहन को निशाना बनाया, जिसमें 5 सैन्यकर्मी शहीद हुए और 5 अन्य घायल हो गए। उसके बाद 19 अगस्त को सी.आर.पी.एफ. की पैट्रोङ्क्षलग टीम पर ऊधमपुर में हमला किया गया, जिसमें 1 जवान शहीद हुआ। इसके अलावा पिछले साल से ही आतंकवादी गैर-स्थानीय लोगों को भी एक अंतराल के बाद मौका मिलने पर निशाना बनाते रहे हैं।

ये वारदातें संकेत हैं कि नई राज्य सरकार, जो खुद को काफी उदार दिखाने की कोशिश कर रही है, के सत्ता में आने के बाद लोगों के लिए कुछ ढिलाई की गई है, जिसका फायदा आतंकवादी उठा रहे हैं। सुरंगों के जरिए घाटी के एल.ओ.सी. से लगे क्षेत्रों में पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की संख्या बढ़ रही है। आज की घटना को पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष असीम मुनीर के पिछले दिनों दिए गए भारत विरोधी भड़काऊ बयान से भी जोड़ा जाना चाहिए। कहीं यह सब कुछ आई.एस.आई. के इशारे पर तो नहीं हो रहा। घाटी के स्लीपर सैल तो जिम्मेदार हैं ही। उधर आने वाले दिनों में श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेन चलनी है। यह ढिलाई सब किया-धरा खत्म कर सकती है, पर संयम जरूरी है। इसलिए सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए। इससे पर्यटन पर भी बुरा असर पड़ेगा, जो कि घाटी की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

- अकु श्रीवास्तव

मुद्रा ऋण की परिवर्तनकारी भूमिका

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एम.एस. एम.ईज.) के विस्तार के साथ आर्थिक प्रगति हुई है। यह क्षेत्र न केवल हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, बल्कि रोजगार सृजन और गांव में नवाचार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस क्षमता को पहचानते हुए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पी.एम.एम.वाई.) शुरू की है, जिसे मुद्रा ऋण के रूप में जाना जाता है।

आज, मुद्रा लोन दुनिया के लिए एक वायरल वित्तीय रेखा बन गई है और इससे जीवनयापन को महत्व और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। एक दशक पूरा होने पर, इसका प्रभाव भारत भर में अर्ध-शहरी, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों की अर्थव्यवस्थाओं के परिवर्तन में स्पष्ट है। अपनी शुरूआत से ही पी.एम.एम.वाई. योजना ने 51 करोड़ खातों में 32 ट्रिलियन के ऋण की सुविधा प्रदान की है, जिससे हाशिए पर पड़े समुदायों को काफी लाभ हुआ है। उल्लेखनीय रूप से इनमें से लगभग 50 प्रतिशत ऋण एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. उधारकर्त्ताओं द्वारा लिए गए हैं, जबकि 68 प्रतिशत ने महिला उद्यमियों को सशक्त बनाया है, जिससे वित्तीय समावेशन में इसकी भूमिका मजबूत हुई है।

मुद्रा ऋण योजना की संकल्पना तीन श्रेणियों 'शिशु' (50,000 तक के ऋण), 'किशोर' (2,50,000 से 5 लाख तक के ऋण) और 'तरुण' (5 लाख से 10 लाख तक)को साकार करना है। सफल एम.एस.ईज की उभरती जरूरतों को पहचानते हुए, सरकार ने अक्तूबर 2024 में एक नई श्रेणी-तरुण मुद्रा शुरू की, जिससे मुद्रा ऋण की सीमा 20 लाख हो गई। यह संरचित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि विभिन्न विकास चरणों में व्यवसायों को उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप आवश्यक वित्तीय सहायता प्राप्त हो। कई छोटे व्यवसाय मालिकों, स्ट्रीट वैंडर्स, कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए औपचारिक ऋण तक पहुंच एक चुनौती थी। मुद्रा ऋणों ने बैंकिंग अंतराल को पाटने और नए विकास के अवसरों को खोलकर, छोटे उद्यमियों और स्वरोजगार करने वालों, जैसे कि करियाना स्टोर मालिकों, कारीगरों और टियर-2 शहरों में तकनीकी स्टार्टअप को सशक्त बनाया है। मुद्रा योजना के शुभारंभ के बाद से, पंजाब नैशनल बैंक (पी.एन.बी.) ने 64.5 लाख से अधिक ऋण खातों में 1.35 ट्रिलियन को मंजूरी दी है, जो इसकी पुष्टि करता है।

मुद्रा लोन के वितरण में एक उल्लेखनीय प्रवृत्ति यह देखी गई है कि महिला उद्यमियों की भागीदारी बढ़ रही है। मुद्रा लाभार्थियों में से लगभग 68 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो इस योजना की भूमिका को बढ़ावा देने में प्रमाणित करती है। उदाहरण के लिए, हरियाणा की शीला देवी, जो पहले घर पर ही एक छोटे से सैटअप तक सीमित थीं, ने पी.एन.बी. से शिशु मुद्रा ऋण की मदद से अपनी फर्नीचर की दुकान का विस्तार किया है और अब 5 अन्य महिलाओं को रोजगार दे रही हैं, जिससे उनके समुदाय में रोजगार और आत्मनिर्भरता का प्रभाव पैदा हो रहा है। विनिर्माण, खुदरा, सेवा और कृषि से जुड़ी गतिविधियों जैसे क्षेत्रों में देश भर में इसी तरह की सफलता की कहानियां देखी जा सकती हैं।

वित्तीय समावेशन में पी.एन.बी. का बढ़ता योगदान सरलीकृत ऋण प्रक्रियाओं और अभिनव डिजिटल समाधानों द्वारा संचालित है। 2023 की शुरूआत में शुरू की गई पी.एन.बी.-मुद्रा योजना, एक संपूर्ण डिजिटल यात्रा प्रदान करती है, जिससे ग्राहक पूर्ण रूप से 10 लाख तक के मुद्रा ऋण प्राप्त कर सकते हैं।

बिना किसी शाखा की भागीदारी के इस प्लेटफॉर्म ने 14,152 लाभार्थियों को 136 करोड़ रुपए की तत्काल लोन मंजूरी सुनिश्चित की है। पी.एन.बी. ने 1 लाख से 25 लाख रुपए के बीच ऋण की आवश्यकता वाले व्यवसायों के लिए 'डिजी एम.एस.एम.ई. ऋण' योजना शुरू करके अपने डिजिटल पेशकश को और मजबूत किया। इससे उधारकर्त्ताओं के लिए समय पर और परेशानी मुक्त ऋण पहुंच सुनिश्चित हुई।

यह स्पष्ट है कि मुद्रा योजना जमीनी स्तर पर समय पर और किफायती ऋण उपलब्ध कराने, उद्यमियों और छोटे व्यवसायियों को सशक्त बनाने और देश भर में आय सृजन और रोजगार वृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम रही है। आगे बढ़ते हुए, एक बहुआयामी दृष्टिकोण जिसमें बेहतर डिजिटल ऋण, अधिक वित्तीय साक्षरता और मजबूत ऋण शामिल है। एम.एस.एम.ई. की सफलता में तेजी लाने के लिए समर्थन तंत्र विकसित किया जाएगा, ताकि प्रत्येक उद्यमी की आकांक्षाएं पूरी हो सकें और 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार किया जा सके।

- अशोक चंद्रा
(पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी)

महिलाओं के पक्ष में बने कानूनों की समीक्षा आवश्यक

कानून कोई भी हो, उसके उपयोग, सदुपयोग और दुरुपयोग की सम्भावनाएं बनी रहती हैं। समय-समय पर उनकी समीक्षा और आवश्यकतानुसार परिवर्तन आवश्यक है क्योंकि हमारा विधि समाज, वकील से लेकर न्यायाधीश तक, कोई न कोई सुराख तलाश ही लेते हैं जिससे अदालती प्रक्रिया प्रभावित हो जाती है। अपराधी बच जाता है और निर्दोष सजा भुगतता है। न्याय के प्रति अविश्वास पनपने लगता है जो पूरे ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने के लिए पर्याप्त है।

अदालतों द्वारा इस तरह के निर्णय जिनमें जघन्य अपराध के लिए लंबी सजा काटने के बाद पाया जाता है कि अभियुक्त निर्दोष था, हमारी कानून व्यवस्था के दोषी होने का संकेत है। इस दौरान उसके साथ जो हुआ, जो उसने सहा, उसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति चाहे पुरुष हो या महिला अथवा सामाजिक संगठन, उसे सजा हुई हो, ऐसा देखने-सुनने में नहीं आता।

एक उदाहरण है; दिल्ली में 30 हजारी अदालत में वर्षों से झूठे मामले में सजा काट रहे एक व्यक्ति को बरी करने का फैसला न्यायमूर्ति अतिरिक्त सैशन जज अग्रवाल ने हाल ही में दिया और कहा कि बलात्कार जैसा घिनौना आरोप लगाने वाली महिला के विरुद्ध कार्रवाई हो। यह महिला उस व्यक्ति को बहुत समय से ब्लैकमेल कर रही थी। उसने कई बार धमकी दी थी कि अगर उसकी मांगी रकम उसे नहीं दी गई तो वह उसे रेप के मामले में फंसाकर उसकी जिंदगी तबाह कर देगी। जब उसकी धमकियों का असर होता दिखाई नहीं दिया तो उसने झूठा आरोप लगाकर पुलिस थाने में शिकायत की और मिलीभगत से उसे गिरफ्तार कराया।

अदालत में मुकद्दमा शुरू हुआ और जज साहब को मामले में सुनवाई के दौरान लगा कि मामला कुछ और ही है। यह सब 7 लाख रुपए वसूलने के लिए महिला ने किया था। बाद में अदालत ने यह भी पाया कि यह महिला इसी तरह कुछ और लोगों से भी पैसा वसूल करती रही है। वे अपने सम्मान को लेकर चिंतित थे इसलिए उन्होंने इसे पैसा देकर अपनी प्रतिष्ठा बचाने का काम किया। मामले का खुलासा यह हुआ कि यह महिला मनगढ़ंत कहानी बनाकर लोगों को भ्रमित कर पैसे ऐंठती थी। लाचारी, बेरोजगारी का वास्ता देकर, नौकरी या कोई काम दिलाकर मदद करने की बात करती थी।

होटल या निर्जन स्थान पर मुलाकात तय करती थी और वहां अश्लील हरकत करते हुए आज की डिजिटल टैक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर ऐसे ऑडियो-वीडियो बना लेती थी जिनमें वे उसके साथ शारीरिक संबंध बनाते हुए दिखाई देते थे। उन लोगों को पता भी नहीं होता था कि उनके साथ ऐसा हो रहा है। अब वह अपनी मनचाही रकम मांगती और न दिए जाने पर पहले वह उस व्यक्ति के परिवार और रिश्तेदारों को यह सामग्री भेजने की बात करती और कहती कि वह यह सब जगह भेज देगी और फिर कहती कि बदनाम कर कहीं भी मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ेगी।

प्रश्न यह है कि क्या चोरी, हत्या, हिंसा और बलात्कार के झूठे आरोप में पुरुष को निर्दोष होकर बरी होने पर जो वर्षों का समय लगा, उसकी भरपाई हो सकती है? इसका उत्तर भारतीय न्याय संहिता में कहीं नहीं मिलता। क्या यह हमारे कानूनों की कमी नहीं है कि महिला द्वारा लगाए आरोप जो उसने अपने किसी स्वार्थ को पूरा करने के लिए लगाए हों, पहले ही मान लिया जाता है कि गलती पुरुष की ही होगी। पुरुष के निर्दोष सिद्ध होने पर भी महिला के प्रति कानून का रवैया हमदर्दी का रहता है। इसका असर पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों पर पडऩा निश्चित है।

हमारे देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कई तरह के कानून हैं। दहेज मांगने का आरोप लगाना आम बात है और इसके तहत घर के सभी सदस्यों को कटघरे तक पहुंचाया जा सकता है। सम्पत्ति विवाद में महिलाओं की हिस्सेदारी को लेकर इन दिनों काफी तेजी आई है। इसके बाद घरेलू हिंसा के मामले हैं। अब तलाक के मुकद्दमे से पहले इन मामलों का निपटारा होना जरूरी है। भारतीय न्याय संहिता में महिला द्वारा अपने साथ हुए अत्याचार की शिकायत करते ही यह गैर-जमानती हो जाता है। पहले गिरफ्तारी होगी, फिर अदालत तय करेगी कि जमानत पर रिहा हो या नहीं। यह प्रक्रिया इतनी लम्बी हो सकती है कि पुरुष समझौता करने की बात कहकर अपना पीछा छुड़ाना चाहता है, लेकिन वह ऐसा भी नहीं कर सकता क्योंकि कानून इसकी इजाजत नहीं देता। मजे की बात यह कि महिला गाली-गलौच करे तो कोई केस नहीं बनता और अगर पुरुष यह करे तो सीधी गिरफ्तारी हो सकती है।

सबसे पहले विभिन्न प्रावधानों की स्पष्ट व्याख्या होनी चाहिए ताकि उनका कोई भी पक्ष विपरीत अर्थ न निकाल सके। अभी जो कानून है उसमें इतनी विसंगतियां हैं कि एक धारा के अनेक अर्थ निकाले जा सकते हैं जैसे पीड़ित केवल महिला हो सकती है, पुरुष और ट्रांसजैंडर सिर्फ अपराधी हो सकते हैं। शिकायत की जांच के लिए कोई निश्चित प्रक्रिया नहीं है और महिला के उंगली उठाने मात्र से पुरुष अपराधी बन जाता है चाहे वह कोई भी हो, समाज में उसकी छवि कैसी भी हो। बात सुनी और मानी जाएगी तो केवल महिला की। पुरुष को अपनी बात कहने का कोई मौका नहीं, निर्दोष साबित करने के लिए बरसों तक अपमान झेलना पड़ता है और उसके बाद भी कलंक हमेशा के लिए खत्म नहीं होता, वह जीवन भर रहता है।

- पूरन चंद सरीन

आरक्षण केवल एक संख्या नहीं

तेलंगाना ने अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण को लेकर एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए न केवल राज्य की सामाजिक संरचना को झकझोर दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बदलने का संकेत दे दिया है। यह कदम 1990 में वी.पी. सिंह की मंडल राजनीति के बाद आरक्षण नीति में सबसे बड़ा हस्तक्षेप माना जा रहा है, जिसने उस समय 27 प्रतिशत ओ.बी.सी. आरक्षण लागू कर सत्ता समीकरणों को नए सिरे से परिभाषित किया था। अब तेलंगाना की यह पहल मंडल 2.0 के रूप में जातीय राजनीति के एक नए युग की शुरूआत करती है। तेलंगाना, जहां फिलहाल कांग्रेस की सरकार है, देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जिसने अनुसूचित जातियों को 4 उपवर्गों ए.बी.सी.और डी.में बांट दिया है। यह वर्गीकरण दशकों पुरानी उस मांग की पूर्ति है, जिसमें कहा जा रहा था कि आरक्षण का लाभ कुछ प्रमुख एस.सी. समुदायों, विशेषकर माला को अनुपातहीन ढंग से मिल रहा है, जबकि मदिगा जैसे समुदाय हाशिए पर पड़े हुए हैं। यह निर्णय मदिगा आरक्षण पोराटा समिति की वर्षों पुरानी लड़ाई की जीत है, जिसने एस.सी.वर्गों के भीतर सामाजिक न्याय की मांग उठाई थी। इस निर्णय से तेलंगाना सामाजिक न्याय की प्रयोगशाला बन गया है, जहां पारंपरिक आरक्षण नीति से आगे जाकर समुदायों के भीतर के अंतर को मान्यता दी जा रही है।

हालांकि, यह फैसला सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट की व्याख्याओं से टकरा सकता है। 2005 में ई.वी. चिनैया बनाम आंध्र प्रदेश सरकार के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने एस.सी. वर्गों के राज्य स्तरीय वर्गीकरण को असंवैधानिक ठहराया था। अदालत का मानना था कि संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत एस.सी. की सूची केवल राष्ट्रपति की अधिसूचना और संसद की मंजूरी से बदली जा सकती है। इसके बावजूद तेलंगाना सरकार ने इस संवैधानिक जटिलता को दरकिनार कर निर्णय लिया है। हाल ही में कोर्ट ने स्थगन हटाया जरूर है, लेकिन मामला न्यायिक परीक्षण के अधीन रह सकता है। सामाजिक ताना-बाना और राजनीति में प्रभाव- तेलंगाना का यह कदम एस.सी. समुदायों के बीच पहले से मौजूद तनाव को और गहरा कर सकता है। माला और मदिगा समुदायों के बीच आरक्षण लाभ के असंतुलन को लेकर दशकों से विवाद रहा है। अब जबकि आरक्षण में पुनर्वितरण हो रहा है, तो यह सामाजिक विघटन, आंदोलन और यहां तक कि हिंसा की आशंका को जन्म दे सकता है। दूसरे राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पंजाब में जहां एस.सी. समुदाय सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से विषम हैं, वहां भी अब ऐसी मांगें उठने की संभावना है। इससे आरक्षण नीति अधिक राज्य-विशिष्ट, संवेदनशील और राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण बन जाएगी।

भाजपा की रणनीतिक उलझन

यह निर्णय भाजपा के लिए एक दोधारी तलवार की तरह है। यदि वह इसका समर्थन करती है तो यू.पी. और पंजाब जैसे राज्यों में माला-जाटव-चमार जैसे प्रमुख एस.सी. समुदाय नाराज हो सकते हैं। यदि वह चुप रहती है तो मदिगा जैसे वंचित समुदायों की नाराजगी का शिकार बन सकती है, खासकर दक्षिण भारत में। भाजपा की रणनीति संभवत- निम्नलिखित बिंदुओं पर आधारित होगी-

1. **चुनिंदा समर्थन**- दक्षिणी राज्यों में जहां मदिगा जैसे समुदाय प्रभावशाली हैं, वहां भाजपा इस वर्गीकरण का समर्थन कर सकती है।
2. **संवैधानिक सतर्कता**- केंद्र सरकार सीधे अनुच्छेद 341 में संशोधन की पहल करने से बचेगी और सुप्रीम कोर्ट के अंतिम निर्णय का इंतजार करेगी।
3. **राजनीतिक वर्णनात्मक नियंत्रण**- भाजपा अन्य दलों को सामाजिक विभाजन के लिए दोषी ठहराते हुए स्वयं को समग्र एस.सी. समुदायों का संरक्षक साबित करने की कोशिश करेगी।
4. **मौन रणनीति**- बिना सार्वजनिक समर्थन के, भाजपा बूथ स्तर पर वंचित एस.सी. समुदायों के बीच कल्याण योजनाओं के माध्यम से समर्थन बढ़ाएगी।

विपक्ष की रणनीतिक संभावनाएं

कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। कांग्रेस इस कदम को सामाजिक न्याय की पुनर्परिभाषा के रूप में प्रस्तुत कर सकती है और दक्षिण भारत में एस.सी. समुदायों, विशेष रूप से मदिगा, के बीच अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस पा सकती है। डी.एम.के., सपा, आर.जे.डी. और जे.डी.यू जैसे क्षेत्रीय दल, जो जातीय आंदोलनों से निकले हैं, इस मॉडल को अपनाकर अपने को वंचित वर्गों के सच्चे प्रतिनिधि के रूप में पुन: स्थापित कर सकते हैं।

दलित राजनीति का नया विमर्श

यह पहल दलित राजनीति की पारंपरिक समझ को चुनौती देती है। पहले दलित आंदोलन सामूहिक एकता और ऊंची जातियों के खिलाफ संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमता था। अब विमर्श बदल रहा है और दलितों के भीतर भी सामाजिक न्याय की मांग उठ रही है। यह दलित राजनीति को 2 हिस्सों में विभाजित कर सकता है एक ओर वे जो आरक्षण का ऐतिहासिक लाभ पा चुके हैं, और दूसरी ओर वे जो आज भी सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हैं। यह नई पहचान की राजनीति है जो वोट बैंक की पारंपरिक सोच को उलट सकती है।

निष्कर्ष

तेलंगाना का यह निर्णय भारतीय राजनीति के लिए एक टर्निंग प्वाइंट है। इससे केवल राज्य की नीति ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दलों की रणनीति, संविधान की व्याख्या, और सामाजिक न्याय की धारणा तक प्रभावित हो सकती है। यह स्पष्ट है कि आरक्षण की राजनीति अब प्रतीकों से आगे बढ़कर ठोस वर्गीय न्याय की ओर अग्रसर है। भाजपा और विपक्ष दोनों के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण मोड़ है। यह समय राजनीतिक साहस और संवैधानिक दूरदृष्टि दिखाने का है ताकि आरक्षण केवल संख्या नहीं, बल्कि न्याय का पर्याय बन सके।

- के.एस. तोमर

मोदी को 140 करोड़ भारतीयों के साथ विपक्ष का भी साथ

बालाकोट से भी बड़ा होगा एक्शन!

नई दिल्ली

पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों और उनके आकाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल्पना से भी सख्त सजा देने की बात यूं ही नहीं कही है। इस बार भारत का जो रेस्पॉन्स होगा, वह निश्चित रूप से अप्रत्याशित रहने वाला है। इसकी पुख्ता वजह है। सरकार को इस बार अपने देश में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जैसा समर्थन मिल रहा है, वैसा कभी नहीं मिला। अमेरिका में मौजूदा डोनाल्ड ट्रंप सरकार के रुख को ही उदाहरण मान लें तो भारत के बुलंद हौसले का कारण महसूस किया जा सकता है। इसने प्रतिष्ठित अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स की इस वजह से जमकर लताड़ लगाई, क्योंकि उसने पहलगाम हमले को मिलिटेंट एक्ट लिख दिया था। ट्रंप सरकार ने कहा है कि यह बहुत बड़ी गलत है और यह सिर्फ और सिर्फ टेररिस्ट एक्ट है। पीएम मोदी का मनोबल घरेलू मोर्चे पर और भी ऊंचा है। उनकी सरकार आंकड़ों में भले ही पहले से कम मजबूत है, लेकिन इस बार वह जो भी करेंगे विपक्ष उसका पूरा समर्थन करने के लिए तैयार है।

विपक्ष के मूड से अंदाजा लगा ले पाकिस्तान

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर गुरुवार को शाम में एक सर्वदलीय बैठक हुई जिसमें 14 दलों के 19 नेता शामिल हुए। इस बार इस घटना को लेकर हर बात में मोदी सरकार के विरोध में खड़े रहने वाले विपक्ष का अभी क्या मूड है, यह हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी की बातों से समझा जा सकता है। उन्होंने कहा है, अंतर्राष्ट्रीय कानून हमें आत्मरक्षा में हवाई और नौसैनिक नाकाबंदी करने की अनुमति देता है। आतंकवाद को समर्थन देने के लिए हम पाकिस्तान पर पाबंदी लगा सकते हैं। ओवैसी ही नहीं, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का भी नजरिया जान ले पाकिस्तान। उन्होंने कहा, सभी दलों ने हमले की निंदा की है। विपक्ष ने सरकार को हर तरह की कार्रवाई करने के लिए पूरा समर्थन दिया है। मतलब, सरकार जो भी कदम उठाएगी, विपक्ष साथ देगा।

सर्जिकल स्ट्राइक भूल जाएगा

जब भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए सैन्य कार्रवाई की थी, तो मोदी सरकार को विपक्ष का इस तरह से साथ नहीं था, जो अभी दिख रहा है। चाहे भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के बालाकोट तक जाकर दहशतगर्दी के कैंप उड़ाए हों या भारतीय सेना के कमांडो उरी हमले के जवाब में पीओके में कई किलोमीटर तक घुसकर आतंकियों के ठिकाने उजाड़े हों, विपक्ष के नेता सरकार और सेना तक से भी सबूत मांगते नजर आए थे। लेकिन, इस बार जिस तरह से पहलगाम में बेगुनाह नागरिकों का बेरहमी से कत्लेआम हुआ है, उसके बाद देश का माहौल पूरी तरह से अलग है और यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक तौर पर आतंकियों और उनके रहनुमाओं को ऐसी सजा देने का संकल्प लिया है, जिसके बारे में पाकिस्तान की सेना ने भी कभी नहीं सोचा होगा।

बहुत बड़ी और भीषण कार्रवाई का इंतजार

भारत की सेना पाकिस्तान के दोगलेपन का मुंहतोड़ जवाब देने में हमेशा से सक्षम रही है। आज हम सैन्य दृष्टि इतने तैयार हैं कि क्रूज मिसाइलों से दूर से भी बहुत ही सटीक वार कर सकते हैं, जिससे बिना सीमा पार किए भी आतंकियों के ठिकाने नेस्तनाबूद किए जा सकते हैं। इन सबमें सबसे बड़ी बात ये है कि अभी प्रधानमंत्री मोदी को पूरी तरह से फ्री हैंड मिल चुका है। सऊदी अरब जैसा देश भी पहली बार क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म पर चिंता जता रहा है और खाड़ी के कई मुस्लिम मुल्कों ने भी हमारा समर्थन किया है। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के अन्य देशों का तो भरपूर समर्थन मिल ही रहा है। ऐसे में राजनीतिक और कूटनीतिक दोनों मोर्चे पर पीएम मोदी के हाथ अभूतपूर्व रूप से मजबूत हो हैं। उनके पास एयरस्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक का अनुभव भी है, इसलिए वह हर हाल में चाहेंगे कि हमारे सुरक्षा बल पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों पर जो भी कार्रवाई करें, वह सभी मानकों में पहले से कहीं बड़ा और भीषण हो।

एक्शन प्लान तैयार!

140 करोड़ भारतीय इस वक्त सिर्फ एक्शन की उम्मीद में बैठे हैं। बस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक इशारे का इंतजार है। इसके लिए आतंकी हमले के पहले दिन से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अपने मिशन पर लग चुके हैं। तमाम सुरक्षा एजेंसियों के साथ दिन-रात बैठकों का दौर जारी है और हर तरह के विकल्पों पर विचार चल रहा है।

पाक के रक्षा मंत्री का कुबूलनामा

30 साल से कर रहे हैं गंदा काम

नई दिल्ली

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक हैरान करने वाला बयान दिया है। रक्षा मंत्री ने स्वीकार किया है कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को धन मुहैया करा रहा है और उनका समर्थन कर रहा है।

वायरल हो चुके एक वीडियो क्लिप में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री एक पत्रकार से बातचीत कर रहे हैं, जब वह उनसे पूछा गया कि, आप मानते हैं, सर, कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है? ख्वाजा आसिफ ने अपने जवाब में कहा, हम करीब 3 दशकों से अमेरिका के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं...

ख्वाजा आसिफ ने आगे कहा, ब्रिटेन समेत पश्चिम... यह एक गलती थी, और हमें इसके लिए भुगतना पड़ा, और इसीलिए आप मुझसे यह कह रहे हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और बाद में 9/11 के बाद के युद्ध में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता। भारत के साथ ऑल आउट वार की बात करने वाले ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा खत्म हो चुका है। ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि लश्कर ए तैयबा का अतीत में पाकिस्तान के साथ कुछ लिंक मिले हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि अब ये आतंकी संगठन खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ लश्कर का लिंक मिलने का ये मतलब नहीं है कि हम इसको मदद करते हैं।

भारत-पाक से संयम बरतने की अपील

संयुक्त राष्ट्र (वार्ता)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में बढ़ती कड़वाहट के बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों देशों से अधिकतम संयम बरतने और यह सुनिश्चित करने की अपील की है कि स्थिति और न बिगड़े। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने प्रेस वार्ता में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हालांकि संयुक्त राष्ट्र महासचिव का दोनों देशों में से किसी के साथ कोई सीधा संपर्क नहीं है, लेकिन मैं पुष्टि कर सकता हूं कि वह स्थिति पर बहुत बारीकी से और बहुत चिंता के साथ नजर रख रहे हैं।

पुलिस विमान क्रैश 6 की मौत

बैंकॉक (वार्ता)। थाईलैंड के फेत्चाबुरी प्रांत के रिसॉर्ट शहर हुआ हिन के तट के पास शुक्रवार सुबह एक छोटा पुलिस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। थाई पुलिस ने यह जानकारी दी। थाई राष्ट्रीय पुलिस ने अपने सोशल मीडिया पेज पर कहा कि पुलिस विमानन प्रभाग का विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब विमान पैराशूट प्रशिक्षण के लिए परीक्षण उड़ान भर रहा था। दुर्घटना के कारणों की जांच की जाएगी। फेत्चाबुरी प्रांत के पुलिस आपातकालीन केंद्र ने कहा कि उन्हें सुबह 8.15 बजे एक स्थानीय रिसॉर्ट के पास समुद्र में एक विमान के गिरने की सूचना मिली।

आतंकी हमले के विरोध में गुस्से से धधक रही दिल्ली

नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में लोगों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। 26 टूरिस्टों की हत्या के विरोध में आज भी जगह-जगह विरोध प्रदर्शन किए गए। कहीं पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया तो कहीं पर कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रकट किया गया। पहलगाम में हुए 26 टूरिस्टों के नरसंहार के विरोध में शुक्रवार को दिल्ली के ज्यादातर बाजार बंद रहे।

व्यापारियों के सभी संगठनों ने बाजार बंद का समर्थन किया है। आजादपुर मंडी ने 26 अप्रैल (शनिवार) को सुबह 8 से 10 बजे तक दो घंटे के लिए मंडी बंद रखने की घोषणा की है। मंडी के आढ़तियों ने बंद में सहयोग देने की अपील की है। मुख्य बाजार बंद का यह मतलब कतई न निकाला जाए कि शुक्रवार को पूरी दिल्ली बंद है, बाजारों को छोड़कर बाकी संस्थान खुले रहेंगे।

सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि पहलगाम हमले के विरोध में दिल्ली के 100 से ज्यादा बाजार 25 अप्रैल को बंद रहे। सदर बाजार, भागीरथ प्लेस, नया बाजार, खारी बावली, चावड़ी बाजार, हिन्दुस्तान मर्केंटाइल चांदनी चौक, कश्मीरी गेट, जामा मस्जिद, हौजकाजी, मीना बाजार, मटियामहल, किनारी बाजार, नबी करीम, मुल्तानी ढांडा, दिल्ली वेजिटेबल ऍंड ऑयल असोसिएशन खारी बावली, केमिकल असोसिएशन खारी बावली, दरियागंज, नई सड़क, बुलियन असोसिएशन चांदनी चौक, कटरा अशर्फी चांदनी चौक, क्लॉथ मार्केट चांदनी चौक, राजौरी गार्डन मार्बल असोसिएशन, किराना कमिटी खारी बावली, मोरी गेट और डिप्टी गंज बर्तन बाजार आदि व्यापारी संगठनों ने 25 अप्रैल के दिल्ली बंद का समर्थन किया। टिंबर मर्चेंट एंड ट्रेडर्स असोएिशन, लोनी रोड के प्रधान मनीष मित्तल ने बताया कि पहलगाम में हुई 26 टूरिस्टों की हत्या से मार्केट का हर एक कारोबारी दुखी है। इस नरसंहार के प्रति अपना विरोध जाहिर करने के लिए सभी कारोबारियों ने स्वेच्छा से अपना कारोबार बंद रखने की सहमति दी है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लेना चाहिए।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में व्यापारी संगठनों की संस्था सीटीआई के बैनर तले व्यापारियों ने कनॉट प्लेस में विरोध प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने काली पट्टी बांधकर कैंडल मार्च भी निकाला। विरोध प्रदर्शन और कैंडल मार्च में सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल और महासचिव गुरमीत अरोड़ा ने बताया कि विरोध प्रदर्शन में कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, सदर बाजार, चावड़ी बाजार और करोल बाग समेत पूरी दिल्ली के व्यापारी शामिल हुए। सीटीआई उपाध्यक्ष राहुल अदलखा और राजेश खन्ना ने कहा कि दिल्ली के व्यापारियों में पहलगाम घटना को लेकर जबरदस्त गुस्सा है। लायंस क्लब द्वारा आइपैक्स भवन में मृतक टूरिस्टों की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा के साथ हवन का आयोजन किया गया।

पहलगाम हमला: ब्रिटिश सांसदों ने लश्कर-ए-तैयबा को ठहराया जिम्मेदार

लंदन

ब्रिटिश की संसद में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला गूंजा। सिख सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी और बॉब ब्लैकमैन ने संसद में इस मुद्दे को उठाया और इसे कायरतापूर्ण, घातक और चौंकाने वाला आतंकी हमला बताया। सांसद ढेसी ने कहा मैं इस सप्ताह कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण और घातक आतंकी हमले से बहुत दुखी हूं। मेरी प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवारों के लिए हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि दोषियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में

लाया जाएगा। उन्होंने संसद में मौजूद सदन के नेता से अपील की कि वे इस अवसर पर भारतीय लोगों के प्रति ब्रिटिश संसद की संवेदना व्यक्त करें और इस अमानवीय हमले की कड़ी निंदा करें। ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा- पहलगाम में हिंदू टूरिस्टों पर हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई। मेरी गहरी संवेदनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस हमले के पीछे जिस आतंकवादी संगठन का हाथ है, वह लश्कर-ए-तैयबा है। ये पाकिस्तानी संगठन है, जो जम्मू-कश्मीर में निर्दोष लोगों को जानबूझकर निशाना बनाता है। मेरी सरकार से अपील है कि वह इन आतंकियों को पकड़ने और उन्हें न्याय के कठघरे में लाने में भारत का पूर्ण समर्थन करे। सांसद ढेसी की बात का समर्थन करते हुए ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स की नेता लूसी पॉवेल ने कहा बिल्कुल, मैं सांसद ढेसी को यह मुद्दा उठाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। कश्मीर में हुआ यह आतंकवादी हमला वास्तव में भयावह और विनाशकारी है।

इजरायली हमलों में 50 से अधिक लोग मारे गए

गाजा (वार्ता)। गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या 52 हो गई है, जिनमें से 39 गाजा शहर और एन्क्लेव के उत्तरी इलाकों में हुए हमलों में मारे गए हैं। अल जजीरा प्रसारक ने फिलिस्तीनी चिकित्सा स्रोतों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि हमले जबालिया, देइर अल बलाह और खान यूनिस शहरों पर भी किए गए, जिनमें वे घर भी शामिल हैं जहां शरणार्थियों को ठहराया गया था। गाजा पट्टी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 18 मार्च को शत्रुता फिर से शुरू होने के बाद से 1,900 से अधिक लोग मारे गए हैं और 5,000 से अधिक घायल हुए हैं। गौरतलब है कि 18 मार्च को इजरायल ने गाजा पट्टी पर हमले फिर से शुरू कर दिए, जिसका कारण फिलिस्तीनी आंदोलन हमास द्वारा युद्ध विराम को आगे बढ़ाने की अमेरिकी योजना को स्वीकार करने से इनकार करना था, जो 1 मार्च को समाप्त हो गया था।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

ग्राउंड जीरो: सीमा सुरक्षा बल के जवानों की शौर्यगाथा से रूबरू कराती फिल्म

इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यह बीएसएफ के अब तक के सबसे बड़े मिशन पर बनी एक गंभीर और असरदार फिल्म है। तेजस प्रभा विजय देउस्कर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में इमरान हाशमी के अलावा साई ताम्हणकर, जोया हुसैन, मुकेश तिवारी, दीपक परमेश, ललित प्रभाकर, रॉकी रैना और राहुल वोहरा की अहम भूमिका है। इस फिल्म की लेंथ 2 घंटा 14 मिनट है। फिल्म की कहानी है बीएसएफ अफसर नरेंद्र नाथ धर दुबे की, जिन्होंने 2001 के संसद हमले के मास्टरमाइंड राणा ताहिर नदीम उर्फ गाजी बाबा को मार गिराने वाले मिशन की अगुवाई की थी। 2003 में किए गए इस खुफिया ऑपरेशन को बीएसएफ के इतिहास में सबसे बड़ी सफलता माना जाता है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे दुबे और उनकी टीम ने सूझबूझ और हिम्मत के साथ इस मिशन को अंजाम दिया। यह फिल्म देशभक्ति और रियलिज्म के बीच की एक बारीक लकीर पर चलती है। इमरान हाशमी ने नरेंद्र नाथ धर दुबे के किरदार को पूरी शिद्दत से निभाया है। उनकी आंखों और आवाज में वो गहराई झलकती है जो इस किरदार की मांग थी। इमोशनल और इंटेंस सीन में इमरान जान फूंकते हैं। सई ताम्हणकर ने भी अपने सीमित स्क्रीन टाइम में प्रभाव छोड़ा है। बाकी कलाकारों में जोया हुसैन, मुकेश तिवारी, दीपक परमेश, ललित प्रभाकर, रॉकी रैना और राहुल वोहरा ने अपने किरदारों के साथ न्याय किया है। तेजस प्रभा विजय देउस्कर का निर्देशन रियलिस्टिक अप्रोच लिए हुए है। फिल्म में न ही जरूरत से ज्यादा देशभक्ति भरी डायलॉग बाज़ी है और न ही किसी को सुपरहीरो बनाकर पेश किया गया है। बीएसएफ जवानों के असली संघर्ष और हकीकत को दिखाने की कोशिश की गई है। फिल्म का फर्स्ट हाफ काफी ग्रिपिंग है, लेकिन इंटरवल के बाद रफ्तार थोड़ी धीमी हो जाती है। क्लाइमैक्स फिर से फिल्म को संभाल लेता है। स्क्रीनप्ले में थोड़ी कसावट की कमी है, कुछ सीन्स को छोटा किया जा सकता था। इमरान हाशमी की फिल्मों से दर्शकों को हमेशा बेहतरीन गानों की उम्मीद होती है, लेकिन 'ग्राउंड जीरो' एक अलग जोनर की फिल्म है। यहां गानों की गुंजाइश नहीं थी। फिल्म में कुछ गाने बैकग्राउंड में चलते हैं, लेकिन वो भी प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहते हैं। बैकग्राउंड म्यूजिक भी औसत ही है, जो सीन को पूरी तरह उठा नहीं पाता। अगर आप देश के उन सच्चे सिपाहियों की कहानी देखना चाहते हैं। जिनका नाम अक्सर सुर्खियों में नहीं आता, लेकिन जिनकी वजह से हम चैन की नींद सोते हैं, तो ये फिल्म जरूर देखें। 'ग्राउंड जीरो' बीएसएफ के पराक्रम और जज्बे को एक अलग और रियल अंदाज में पेश करती है, जो देखे जाने के काबिल है।

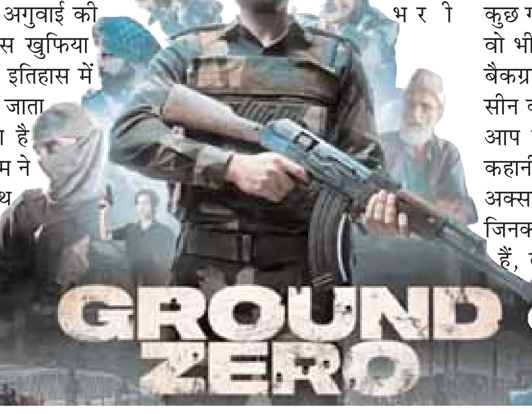

जिंदगी में कभी रईसी महसूस नहीं की थी

कभी घर-घर की पार्वती, कभी स्वाभिमानी प्रिया तो कभी शर्मा जी की बेटी, ऐक्ट्रेस साक्षी तंवर ने पर्दे पर ज्यादातर आम परिवारों की रिलेटेबल लड़कियों के किरदार निभाए हैं, मगर अपनी नई वेब सीरीज द रॉयल्स में वह रईस महारानी की भूमिका निभा रही हैं। साक्षी की मानें तो इस रईस किरदार में ढलना उनके लिए शुरू में काफी मुश्किल रहा, क्योंकि उन्हें पहले कभी ऐसी अमीरी की जिंदगी का अनुभव नहीं रहा। शो से जुड़े एक इवेंट में साक्षी तंवर ने कहा, मेरे लिए यह किरदार निभाना बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि बहुत लंबे समय तक मैंने ऐसे किरदार किए हैं, जो आम कुमारी वाले थे। पहली बार मैंने ऐसी रईसी की जिंदगी देखी है। असल जिंदगी में भी मैं एक बहुत सामान्य परिवार से हूं और पर्दे पर भी अपने बैकग्राउंड से मिलते-जुलते किरदार ही किए थे। इसलिए, जब यह रोल ऑफर हुआ तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ, क्योंकि अब तक मैं सिर्फ अपनी मां के लिए रानी रही हूं। बस उनकी बिटिया रानी रही हूं तो जब पहला सीन कर रही थी तो मुझे समझ नहीं आ रहा था कि रानी लोग कैसे महसूस करते हैं, कैसे सोचते हैं।

एक बार में अटैक कर सब खत्म कीजिए

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में बॉलीवुड सेलेब्स लगातार न्याय की मांग रहे हैं। एक्टर मुकेश खन्ना ने भी अब इस मामले में खुलकर बात की है। अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो शेयर कर उन्होंने मोदी सरकार से आतंकवाद के खिलाफ और सख्त कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। मुकेश खन्ना ने कहा कुछ ही घंटों पहले मैंने पहलगाम के नरसंहार पर अपनी एक वीडियो डाली थी, उसमें मैंने एक जगह कहा था कि ये आतंकवाद जो होते हैं, आतंकवादी होते हैं, इनका कोई ना जात होता है ना धर्म होता है। वे सिर्फ पैसों के लिए काम करते हैं। फंडिंग के लिए काम करते हैं। मैं इस स्टेटमेंट को वापस लेना चाहूंगा क्योंकि मुझे एहसास हुआ है कि विक्टिम्स के परिवार वालों ने जिन वारदातों को बताया है कि ये कैसे घटा है, जगह-जगह ये बात मालूम पड़ी है कि वो लोग आकर पूछ रहे थे कि तुम कौन हो, हिंदू हो कि मुस्लिम हो और जानने की कोशिश करते हैं और कहते हैं कि ये मुस्लिम नहीं है तो मार दो। इसका मतलब क्या हुआ? उन्होंने कहा, मैं यह बोलना चाहता हूं कि आतंकवाद जो आजकल चल रहा है हमारे देश में, उसकी एक जात है। वो एक धर्म है। वो दूसरे धर्म के खिलाफ एक्शन ले रहा है, तो ये डेफिनेटली पाकिस्तान की तरफ से आया है। मुझे खुशी है कि अभी-अभी जो ढाई घंटे की मीटिंग में मोदी जी और अमित शाह जी ने और सब लोगों ने मिलकर रक्षा के लोगों ने मिलकर ये जो एक बहुत बड़ा डिसीजन लिया है, वो सीधा पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन ले रहे हैं। मैं उनके साथ हूं एक्शन लीजिए। मुकेश खन्ना ने कहा, मिलिट्री एक्शन लेना हो तो मिलिट्री एक्शन लीजिए, आप बहुत सक्षम हैं। बंद कर दीजिए उनके इस तरह की हरकतों को, क्योंकि हम लोग बहुत सॉफ्टली ले रहे हैं उनको। उनके ऊपर अटैक कीजिए। यह बात प्रूव हो गई है कि ये आतंकवाद कौन फैला रहा है, कहां से फैल रहा है और इसमें एक धर्म वाले दूसरे धर्म के खिलाफ बोल रहे हैं, यह क्लियर हो गया है। मुकेश खन्ना आगे कहते हैं, आज मैं यही कहूंगा कि यह हमारे हिंदू धर्म के ऊपर अटैक है इसका जवाब दिया जाना चाहिए, तो मोदी जी और इनके पूरे सरकार को मैं कहूंगा कि आगे बढ़िए और पाकिस्तान के खिलाफ एक वन टाइम हार्ड एक्शन लीजिए, जिससे इस तरह के इनफिल्ट्रेशन आतंकवादियों का घुसना बंद हो जाए। बहुत छोटे हैं हमारे से। कहां हिंदुस्तान है, कहां पाकिस्तान है। मिलिट्री लेकर अटैक कीजिए और वंस फॉर ऑल इस चीज को खत्म कर दीजिए।

रंगोली और दीवार लेखन के माध्यम से दिया ग्रामीणों को जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले के ग्रामीणों को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न रचनात्मक कार्य किये जा रहे हैं। नुक्कड़ नाटक, विभिन्न प्रतियोगितायें, जल संगोष्ठी आदि के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर जल संरक्षण व संवर्धन के लिए विभिन्न कार्य किये जा रहे हैं, इनमें प्रमुख रूप से बोरी बंधान, श्रमदान के माध्यम से पुरानी बावड़ियों का जीर्णोद्धार व साफ- सफाई, नर्मदा नदी सहित अन्य नदियों के तटों पर साफ- सफाई, थाला निर्माण, कंटूर ट्रेंच निर्माण आदि के कार्य लगातार किये जा रहे हैं। इसी क्रम में मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में परिषद की नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति डोंगरगांव- अंडिया द्वारा ग्राम भंडारदेव, देवनगर नया, सलैया व बकोरी ग्रामों में व्यापक स्तर पर दीवार लेखन का कार्य किया जा रहा है।

इसके अलावा घरों के सामने रंगोली बनाकर ग्रामीणों को जल संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जल ही जीवन का मूल- इसकी बर्बादी की न करना भूल, जल होगा- तभी सुरक्षित कल होगा, जन- जन ने ठाना है- जल को अब बचाना है आदि प्रेरक नारों के माध्यम से ग्रामीणों और आने- जाने वाले राहगिरों को जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में जल का सदुपयोग करने की समझाइश दी जा रही है।

कार्यविभाजन का आदेश जारी

नरसिंहपुर। प्रशासकीय कार्य सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने जिले में नायब तहसीलदारों के मध्य कार्यविभाजन का आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार नायब तहसीलदार श्री आकाश डहारे को प्रभारी तहसीलदार तेंदूखेड़ा, नायब तहसीलदार श्री रोहित राजपूत को नायब तहसीलदार सांईखेड़ा- देवरी सर्किल, नायब तहसीलदार श्री नितिन राय को नायब तहसीलदार गाडरवारा- चीचली सर्किल, नायब तहसीलदार श्रीमती नीलम श्रीवास को नायब तहसीलदार नरसिंहपुर, नायब तहसीलदार श्री अतुल श्रीवास्तव को प्रभारी तहसीलदार सांईखेड़ा, प्रभारी नायब तहसीलदार श्री महेश बट्टी को नायब तहसीलदार तेंदूखेड़ा और प्रभारी नायब तहसीलदार श्री राजकुमार श्रीपाल को नायब तहसीलदार गोटेगांव में नवीन पदस्थापना की गई है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद दिवंगत आत्माओं की शांति के लिये प्रार्थना

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु आज नरसिंहपुर में कांग्रेसजनों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की जिसमें कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेंद्र राजपूत , पूर्व विधायक सुनील जायसवाल आशीष दुबे वीरेंद्र पाठक देवेंद्र शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष अमित राय राजेंद्र नेमा अजय मालवीय अजय दुबे रफ़ी कुद्दीन मनोज राव राजा ओसवाल गब्बर नौरिया युवा कांग्रेस अतुल चौरसिया रोहित पटेल सिद्धांत जायसवाल विवेक पटेल सौरव रीछारिया अंकुर बटरी हृद्यहृद्ध जिलाध्यक्ष ईशान राय पार्षद काजल सोनेलाल मोहित जेकप राजा ठाकुर अभिषेक जाट निकिता सक्सेना अग्निलाल यादव एव समस्त कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

जल संरक्षण व संवर्धन की दिलाई शपथ

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में विकासखंड सांईखेड़ा की नवांकुर संस्था तूमड़ा सेक्टर एक द्वारा पंचायती राज दिवस के अवसर पर ग्राम तूमड़ा के प्राचीन व प्रसिद्ध तालाब में जन सहभागिता से सामूहिक श्रमदान के माध्यम से गहरीकरण व साफ- सफाई का कार्य किया गया।

आतंकवादियों को संरक्षण देने वालों को सबक मिले : सनकादिक महाराज

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। समय आ गया है कि हमें अपने गांव शहर में छुपे गद्दारों को मुखबिरों को पहचानना चाहिए और उन्हें कड़ा सबक सिखाना चाहिए साथ ही सरकार को आर-पार की कार्यवाही करना चाहिए जिससे आतंकवादियों को संरक्षण देने वालों को सबक मिल सके और इस बीमारी को खत्म किया जा सके। उक्त बात शुक्रवार को श्री सिद्धबाबा झिरना पर चल रहे महायज्ञ के दौरान श्रीराम कथा में श्रीश्री 1008 अनंत विभूषित राष्ट्रीय संत चित्रकूट धाम सनकादिक महाराज ने कही। श्रद्धालुओं को आशीष वचन देने के दौरान महाराज श्री ने कहा कि पहलगाम की घटना झंकझोंर देने वाली है। ड्क्षचता का विषय है कि आज भी कुछ तत्व भारतीय नही बन पा रहे। ऐसे लोगों के विरूद्ध हम सबको कड़ा कदम उठाना चाहिए। क्योंकि देश में छुपे गद्दार ही आतंकवादियों और पाकिस्तान को सूचनाएं उपलब्ध कराते हैं। सनकादिक महाराज ने कहा कि सरकार को भी चाहिए कि वो आतंकवादियों और पाकिस्तान के खिलाफ इस बार आर-पार की लड़ाई लड़े। अन्यथा यह आतंकवादी रूपी बीमारी देश को कमजोर करती रहेगी।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होंगे सिंह

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह शनिवार 26 अप्रैल को गाडरवारा में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री सिंह शनिवार 26 अप्रैल को प्रात- 11.15 बजे लोलरी से गाडरवारा के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे कृषि उपज मंडी गाडरवारा में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात दोपहर एक बजे सेवा सदन लक्ष्मी टाउनशिप गाडरवारा, अपरान्ह 4 बजे नगर गाडरवारा, सायं 5 बजे ग्राम बासखेड़ा, सायं 6 बजे ग्राम सासबहु और सायं 7 बजे ग्राम पिपरिया खुर्द में आयोजित स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल

पहलगाम आतंकी हमले में शहीदों को मुस्लिम समाज ने दी श्रद्धांजलि

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में देश के नागरिकों के शहीद होने पर गाडरवारा मुस्लिम समाज द्वारा गहरा शोक व्यक्त किया गया। इस अवसर पर मुस्लिम नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं ने एकत्र होकर कैंडल मार्च निकाला और शहीदों को दो मिनिट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी। शक्ति चौक पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज सहित सभी वर्ग के लोगो ने शहीदों की आत्मा की शांति हेतु मौन रखकर प्रार्थना की । समाज के प्रतिनिधियों ने इस नृशंस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता और ऐसे कायरतापूर्ण हमलों को अंजाम देने वाले किसी भी प्रकार की इंसानियत के लायक नहीं हैं द्य सभा में वक्ताओं ने सरकार से मांग की कि हमले के दोषियों को मौत की सजा दी जाए। मुस्लिम समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने कहा हम सभी अहले वतन के साथ है और आतंकवाद के खिलाफ हैं। जो लोग निर्दोषों की जान लेते हैं, वे इंसान कहलाने के हकदार नहीं है । हम सरकार से अपील करते हैं कि ऐसे आतंकियों को मौत की सजा दी जाए ताकि देश की सुरक्षा और शांति बनी रहे ।वक्ताओं ने यह भी कहा कि मुस्लिम समाज हमेशा से देशभक्ति और इंसानियत के साथ खड़ा रहा है और आगे भी रहेगा । शक्ति चौक पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सभी वर्ग के लोग शामिल हुए और एक सुर में आतंकवाद की भर्त्सना की। इस अवसर पर जामा मस्जिद सदर अबरार खान, पूर्व सदर मेहमूद पहलवान, अब्दुल फिरोज खान, पूर्व पार्षद अखिलेश राय, संजय राज कुमार पप्पू , मनोज साहू ,चंद्रभान पटैल, अक्कू चाचा, जमील बाबा, शाहिद ठेकेदार , अली पहलवान, सज्जाद अली, इमरान ताजी, फारुख खान, राज ताजी, राहुल रजक, शेरू मिस्त्री, मोहम्मद आसिब रानू ,संजू बाबा, एहफाज़ राइन, साजिद अंसारी, असबाब अली, फिज्जु मिस्त्री,साहिल खान, शेख हनीफ, सहित अनेको लोगो ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद श्रीमती आरती श्रीवास्तव बनी लखपति दीदी

अब सालाना लगभग दो लाख रुपये की आय कर रही अर्जित

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। जिले की चीचली विकासखंड के ग्राम गांगई की श्रीमती आरती श्रीवास्तव कहती हैं कि आजीविका मिशन से जुड़ने के पूर्व उनकी पारिवारिक स्थिति ठीक नहीं थी। प्राइवेट स्कूल में स्कूल शिक्षिका के रूप में कार्य करती थी। उन्हें बहुत ही कम तनख्वाह मिलती थी। उनके पति का भी कोई आय का अच्छा साधन नहीं था। प्राइवेट काम करके भी उनकी आय पर्याप्त नहीं थी। इससे उन्हें परिवार के भरण- पोषण और अपने बेटे की शिक्षा में बहुत समस्या का सामना करना पड़ता था। आजीविका मिशन द्वारा ग्राम में आकर स्व सहायता समूह से जुड़ने के लाभ के बारे में बताया। श्रीमती आरती श्रीवास्तव बताती हैं कि वे वर्ष 2017 में शक्ति स्वसहायता समूह से जुड़ी। उन्हें समूह में लेखांकन का कार्य मिला। इसके पश्चात 2018 में उन्हें बैंक ऑफ इंडिया में बैंक सखी बनाया गया । स्वरोजगार के लिए उन्हें वर्ष 2019 में एक लाख रुपये का बैंक ऋण प्राप्त हुआ। इससे उन्होंने कपड़े की दुकान खोली। कपड़े की दुकान से उन्हें हर साल 70 से 80 हजार रुपये की आय प्राप्त होने लगी। वर्ष 2021 में बैंक ऑफ इंडिया की बीसी और सीएससी आईडी प्राप्त हुई। बैंक और कपड़े की दुकान से अब उन्हें सालाना लगभग दो लाख रुपये की आय अर्जित करने लगी। इससे वे स्वयं आत्मनिर्भर बनी और अपने परिवार की आजीविका का साधन भी बनी। उनका बेटा नवोदय विद्यालय में पढ़ाई कर रहा है । वे कहती हैं कि समूह से जुड़कर यह सब संभव हुआ है। उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने के लिए एक मंच मिला है। उन्हें इस मुकाम हासिल करने में पति और परिवार का पूरा सहयोग प्राप्त हुआ है।

सेन जयंती मनाई व आतंकी हमले की निंदा की

करेली।

सेन समाज द्वारा हर्षोल्लास पूर्वक श्री सेन जी महाराज की जयंती का आयोजन किया गया। सामाजिक जनों ने सेन जी महाराज का पूजन अर्चन व जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में जान गंवाने वाले व्यक्तियों को श्रद्धांजलि देकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और दिवंगत आत्मा को ईश्वर अपने चरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को यह अपूरणीय क्षति सहन करने की शक्ति प्रदान करें यह प्रार्थना की। इस दुखद व निंदनीय घटना के कारण सेन जयंती का कार्यक्रम संक्षिप्त रूप में किया गया व सेन जयंती पर होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

कचरा संग्रहण के लिये नगर पालिका में 12 नये कचरा संग्रहण वाहन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। नगर को स्वच्छता में नंबर 1 बनाने के प्रयास नगर पालिका परिषद द्वारा लगातार किये जा रहे हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान के तहत नगर पूर्णत: कचराघर विहिन हो गया है। जहां पहले कचरे के ढेर लगे रहते थे, उन स्थानों पर पार्क और हरियाली नजर आ रही है। लोगों को नपा द्वारा इतना जागरूक किया जा चुका है और लोग भी स्वच्छता के प्रति इतने जागरूक है कि वर्तमान में लोग अपने द्यरों से निकलने वाले कचरे को एकत्रित करते हैं और नपा की कचरा गाडी के साउंड की आवाज सुनकर दौडे दौडे आते हैं और कचरा संग्रहण वाहनों में कचरा डालते हैं। जिससे नगर की सफाई व्यवस्था सुदृढ़ हो गई है। लेकिन वढ़ते शहर के विस्तार और वाहनों में हो रही समस्याओं के चलते कचरा संग्रहण वाहनों के समय पर आने की षिकायतें आ रही थीं। जिससे लोग परेषान थे और कचरा संग्रहण वाहनों की कमी को देखते हुये समस्या के निराकरण के लिये नगर पालिका अध्यक्ष पं. षिवाकांत मिश्रा के निर्देष पर सीएमओ वैभव देषमुख के मार्गदर्षन में नगर मे 12 नये कचरा संग्रहण वाहन आ गये हैं। जिसके बाद अब नगर में कचरा संग्रहण आसानी से हो सकेगा। सीएमओ एवं नपा अध्यक्ष श्रीमिश्रा ने समस्त नगर वासियों से अपील करते हुये आषा व्यक्त की है कि अपने घरों से निकलने वाले कचरे को यहां वहां न फेंके ,निर्धारित कचरा संग्रहण वाहनों में ही डाले, नगर की सफाई व्यवस्था में सहयोग करें । इससे शहर स्वच्छ रहेगा और संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा भी समाप्त होगा।

जामा मस्जिद में काली पट्टी बांधकर किया आतंकबाद विरोध

गाडरवारा ।

जामा मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के समय कमेटी ने व मुस्लिम समाज के लोगो ने पहलगाँव में हुए आतंकी हमले की घोर निंदा की एवं आतंकवादियों द्वारा कायरतापूर्ण 26 निर्दोष लोगो की हत्या की गई इस घटना पर दुख व्यक्त कर दिवंगत आत्माओ के प्रति श्रद्धांजलि दी गई । जुमे की नमाज पढ़ने पहुचे लोगो ने एवं जामा मस्जिद कमेटी ने काली पट्टी बांधकर आतंकवाद का विरोध किया । पेश इमाम हाफिज जुवेर आलम, जामा मस्जिद कमेटी अध्यक्ष अबरार खान , पूर्व अध्यक्ष मेहमूद पहलवान , आशिक हुसेन सहित कमेटी के पदाधिकारियो ने कहा कि हम सभी वतन परस्त लोग है । मुस्लिम समाज आतंकबाद का पुरजोर विरोध करती है भारत मे अमन चैन शांति कायम रहे इसके लिए दुआए करते है । जामा मस्जिद में काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़कर सेकड़ो लोगो ने आतंकबाद का विरोध किया ओर शहीदो को श्रद्धांजलि अर्पित की ।

प्रेस परिषद के आव्हान पर आतंक के खिलाफ एकजुट हुआ करेली

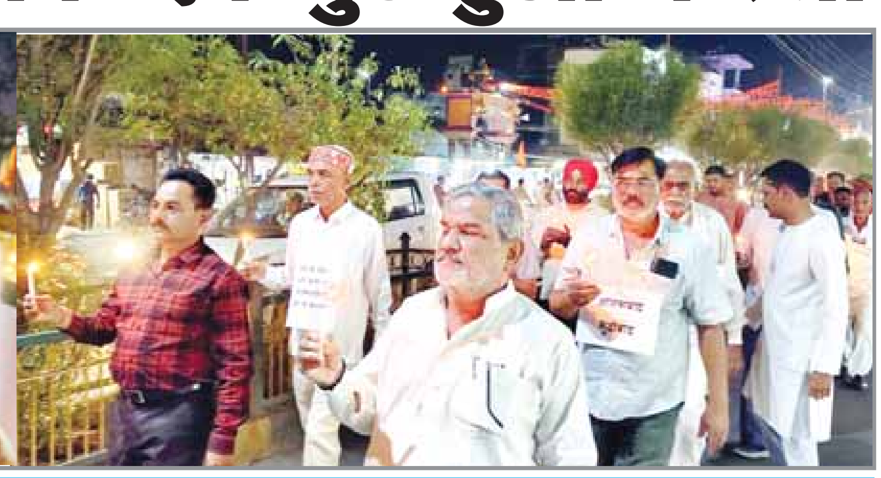

निकाला केंडल मार्च, श्रद्धांजलि सभा में जताया आतंक का विरोध : पूर्व राज्यसभा सांसद सहित सर्व समाज ने की सहभागिता

करेली। जम्मू काश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में लौम हर्षक वारदात में आतंकियों ने 28 पर्यटकों की हत्या 22 अप्रेल को कर दी थी। सारे देश मे इस घटना का एक स्वर में तीखा विरोध हो रहा है। प्रेस परिषद करेली के आव्हान पर आतंकी हमले में मारे गए मासूम पर्यटकों की आत्मा की शांति और इस जघन्य कृत्य के विरोध में केंडल मार्च व श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई प्रेस चौराहा स्वतंत्रता के नायक पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी मूर्ति स्थल से निरंजन चौक क्रांतिकारी निरंजन बाबू, डॉ अंबेडकर मूर्ति स्थल तक केंडल मार्च निकाला गया। जिसमें सभी धर्मों, सभी राजनीतिक दल, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के लोगो ने अपनी सहभागिता देकर हर आतंक का मुंह तोड़ जबाब देने का संदेश दिया। श्रद्धांजलि सभा को राज्यसभा सांसद एवं लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी, समाजसेवी विनोद नेमा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र रघुवंशी, व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष विजय नेमा, जामा मस्जिद के पेश इमाम हाफिज मोहम्मद जहीद, सर्व ब्राह्मण समाज सभा के अध्यक्ष जगदीश मिश्रा, पूर्व मंडी अध्यक्ष संतोष रघुवंशी, पूर्व पार्षद मनोहर ठाकुर, पार्षद श्रीमती ज्योति जैन, प्रेस परिषद के वरिष्ठ सदस्य उदय सिंह ठाकुर ने इस मौके पर अपना उद्बोधन दिया। श्रद्धांजलि सभा का संचालन पूर्व अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने किया। इस मौके पर लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी बोले कि सारा देश सरकार के साथ है जम्मू काश्मीर में लगातार बढ़ रहे पर्यटन से आतंकी बौखला गये हैं। उन्होंने बैसरन घाटी पहलगाम में पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर गोली मारी। इस लोमहर्षक वारदात ने देश को हिला कर रख दिया। सारे देश मे इस कायराना हमले की निंदा हो रही है। सभी सरकार के साथ है। अन्य वक्ताओं ने कहा कि पंजाब के खालिस्तान की तरह आतंक का जड़ से उखाड़ फेंकना समय की मांग है। यह हमला केवल कुछ निर्दोष पर्यटकों पर नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष की आत्मा पर हमला है। बैसरन घाटी पहलगाम में धर्म पूछकर की गई यह बर्बरता हमारे देश के सदियों पुराने सह-अस्तित्व और भाईचारे की भावना को चुनौती देने का कायर प्रयास है। आतंकी जान लें कि उनकी हिंसा हमारे हौसले को कभी नहीं तोड़ सकती। जम्मू-कश्मीर की धरती पर फिर से अमन और खुशहाली लौटेगी। इस विश्वास के साथ, हम इस घिनौने कृत्य की घोर निंदा करते हैं और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। साथ ही सरकार से अपील करते है की इस कायरनामा हमले का मूहतोड़ जबाब दिया जाए। गौरतलब है कि भारत ने पहलगाम आतंकवाद हमले के मद्देनजर पाकिस्तान पर सिंधु जल संधि स्थगित करने सहित कठोर प्रतिबंध लगाये है। आयोजन में नगर के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठजन, मातृशक्ति, प्रेस परिषद के सदस्यों की मौजूदगी रही। आभार प्रदर्शन करते हुए अध्यक्ष अनुज ममार ने कहा कि आयोजन में सभी की गरिमामयी उपस्थिति, सहयोग एवं सहभागिता ने इस आयोजन को अत्यंत भावपूर्ण और सफल बनाया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 28 निर्दोष पर्यटकों की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में करेली के समस्त समाज, धार्मिक व व्यापारिक संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों ने जिस एकता और संवेदना का परिचय दिया, वह प्रशंसनीय है। आप सभी की उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि हम सब एकजुट होकर ऐसी अमानवीय घटनाओं के खिलाफ अपनी आवाज़ उठाते रहेंगे। सचिव मनोज लूनावत ने सभी से इसी तरह आगे भी सहयोग करने का आग्रह किया। हम, प्रेस परिषद करेली की ओर से आप सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। अंत मे मासूम नागरिकों की शहादत को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

साहब गांव में बिक रही अवैध शराब बंद करा दो, तहस नहस हो रहा परिवार

सिहुड़ी में जनसुनवाई में पहुंची महिलाओं ने कलेक्टर से लगाई गुहार

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने बहोरीबंद के ग्राम सिहुडी पहुंच कर, लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्यायें सुनी। जनसंवाद कार्यक्रम में यहां आस-पास के गांवो से पहुंचे 123 आवेदकों ने कलेक्टर को अपनी समस्यायें बताई एवं आवेदन दिए। ग्राम पंचायत बरतरा निवासी पूजाबाई, गिरधारीए कृष्णकुमार एवं अन्य ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन देकर बताया कि गांव में शराब बिकने की वजह से लड़ाई-झगड़े होते हैं एवं गांव का माहौल खराब हो रहा है। साथ ही स्कूल के पास भी शराब बेची जा रही है। नशे के कारण पूरे परिवार तहस नहस हो रहे हैं। इसलिए शराब की बिक्री बंद कराई जाये। जिस पर कलेक्टर ने आबकारी विभाग को समय-सीमा में शिकायत के निराकरण के निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ शिशिर गेमावत और एसडीएम राकेश कुमार चौरसिया सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहे।

राशन पर्ची दिलायें- ग्राम सिहुड़ी निवासी धर्मेन्द्र बसोर पिता सुखलाल बसोर ने कलेक्टर को आवेदन देते हुये बताया कि मैं गरीब व्यक्ति हूँ। और मुश्किल से अपने परिवार का भरण-पोषण पाता हूँ। जिस पर कलेक्टर ने एसडीएम को गरीबी रेखा का सर्वे कराकर पात्रतानुसार समय-सीमा में कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ट्रांसफार्मर बदलवायें- ग्राम बसेहड़ी निवासी सूरज प्रसाद, गुलाबसिंह लोधी, रामसजीवन एवं अन्य ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन के माध्यम से बताया कि हमारे गांव में लगभग 1 वर्ष से ट्रांसफार्मर बंद पड़ा हुआ है। जबकि गांव में 90 कनेक्शनधारी है। बिजली विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराये जाने पर भी इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिस पर कलेक्टर ने बिजली विभाग को समय सीमा में कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

खेत में बोर करायें

ग्राम सिंहुड़ी निवासी रामचरण ने कलेक्टर को लोक सुनवाई के दौरान आवेदन देते हुये मांग की, कि मैं अनुसूचित जाति का गरीब कृषक हूँ एवं अपने खेतों में सिंचाई के लिए मेरे पास पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। कोरोना के बाद मेरी आर्थिक स्थिति पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है। इसलिए मेरे खेत में बोर कराया जाये। जिस पर कलेक्टर ने एसडीएम बहोरीबंद को समय-सीमा में उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर जिलाकार्यक्रम अधिकारी नयनसिंह, जिला शिक्षा अधिकारी पीपी सिंह, जिला पंचायत सीईओ शिशिर गेमावत, एसडीएम राकेश चौरसिया, तहसीलदार नेहा जैन, सीईओ अभिषेक कुमार नायव, तहसीलजर आदित्य प्रकाश दिवेदी, थाना प्रभारी प्रतीक्षा सिंह, विकल्प पटेल, लोकसेवा प्रबंधक दिनेश विश्वकर्मा आदि स्थानीय जन बडी संख्या मे उपस्थित रहे।

डीपीएस में हेल्थी और अनहेल्थी फूड के बारे में नन्हें बच्चों ने सीखा

कटनी (स्वतंत्रमत)

दिल्ली पब्लिक स्कूल में नन्हें बच्चों के लिए एक अनोखी गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में, बच्चों ने हेल्थी और अनहेल्थी फूड के बारे में सीखा। इस गतिविधि की शुरुआत स्कूल के शिक्षकों द्वारा की गई। उन्होंने बच्चों को हेल्थी फूड के महत्व के बारे में बताया और उन्हें अनहेल्थी फूड के नुकसान के बारे में समझाया। इसके बाद, बच्चों ने विभिन्न प्रकार के फूड आइटम्स को देखा और उन्हें हेल्थी या अनहेल्थी के रूप में वर्गीकृत किया। बच्चों ने फल, सब्जियां, और साबुत अनाज जैसे हेल्थी फूड आइटम्स को पहचाना और उन्हें खाने के महत्व को समझा। इस गतिविधि में, बच्चों ने बहुत उत्साह दिखाया और हेल्थी फूड के बारे में जानने में बहुत रुचि ली। स्कूल के शिक्षकों ने बच्चों की मदद की और उन्हें हेल्थी फूड के महत्व के बारे में और अधिक जानने के लिए प्रोत्साहित किया। स्कूल के प्रधानाचार्य सीमा दुबे ने कहा, यह गतिविधि हमारे नन्हें बच्चों के लिए एक अच्छा अवसर था हेल्थी फूड के बारे में जानने और सीखने के लिए। हमें उम्मीद है कि यह गतिविधि हमारे बच्चों को हेल्थी फूड के महत्व के बारे में जागरूक करेगी और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करेगी। इस अवसर पर स्कूल के निर्देशिका जूही जैन और उप्राचार्य शबनम अख्तर ने भी उपस्थित होकर बच्चों को जागरूक और सतर्क किया।

न्यू क्रिमिनल लॉं का प्रशिक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय भोपाल दवारा जिला स्तर पर न्यू क्रिमिनल लॉं का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के आदेश के पालन मे अभिजीत कुमार रंजन पुलिस अधीक्षक कटनी के निर्देशन मे व संतोष कुमार डहेरिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटनी के मार्गदर्शन मे जिला स्तर पर पुलिस कंट्रोल रुम कटनी में 21 अप्रैल से 23 अप्रैल तक न्यू क्रिमिनल लॉं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे 03 दिवस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 03 डीएसपी, 10 निरीक्षक, 26 उप.निरीक्षक, 28 सहायक उप.निरीक्षक, 30 प्रधान आरक्षक, 31 आरक्षक कुल 128 अधिकारियो व कर्मचारियो ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

जिला चिकित्सालय को मिली सौगात

समाजसेवी मधु शर्मा और सोमेश शर्मा ने दान किया वॉटर-कूलर

कटनी (स्वतंत्रमत)। वैसे तो सनातन धर्म में दान और समाजसेवा के लिए कोई विशेष समय निर्धारित नहीं है क्योंकि इसकी अवधारणा में प्रत्येक जीव में नारायण वास करता है और जीव के निमित्त किया गया परोपकार का कार्य सीधे नारायण की सेवा मानी जाती है अत: सनातन धर्मावलंबी परोपकार के कार्य करते रहते हैं, मगर वैशाख माह में सूखे कंठ को शीतल जल प्रदान करने के लिए विभिन्न समाजसेवी संस्थाएं और व्यक्तिगत प्रयास किए जाते रहे हैं जिनमें पंछियों के लिए सकोरे में दाना-पानी भरना, घर के बाहर जीवों के लिए पानी भरने हेतु

बर्तन दान करना, उनमें पानी भरना, और इन सबके साथ शिवालयों में और घरों में शिवलिंग के ऊपर जलाधारी लगाना जैसे कार्य अवश्य होते हैं इसी तारतम्य में कटनी जिले के दंपति मधु शर्मा और उनके पति सोमेश शर्मा ने जिला चिकित्सालय में मरीजों और उनके परिजनों को भीषण गर्मी में शीतल जल प्रदान करने के निमित्त एक वॉटर-कूलर दान किया। जिसका शुभारंभ पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने फीता काटकर किया और श्री एवं श्रीमति शर्मा को इस नेक कार्य के लिए बधाई भी दी। जिला चिकित्सालय के एएनसी वार्ड में स्थापित इस वॉटर-कूलर की सौगात मिलने पर सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त की और शर्मा दंपत्ति द्वारा मानव हित में किए कार्य के प्रति आभार जताते हुए कहा कि मरीजों और उनके परिजनों को इस भीषण और हलाकान कर देने वाली गर्मी में शीतल पेयजल की सुविधा प्रदान कर एक अभिप्रेरणीय और उत्कृष्ट कार्य किया है आपका यह कार्य सीधे नारायण की सेवा है।

आतंकी हमले के बाद सादगी से मनेगा भगवान परशुराम जन्मोत्सव

कटनी (स्वतंत्रमत)। देश की वर्तमान परिस्थितियों और देश में जिन परिवार पर यह आपदा आयीं हैं उन शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सभी सदस्यों की सहमति से चाणक्य ब्राह्मण महासभा परिवार ने इस बार भगवान परशुराम जन्मोत्सव भव्यता से ना मनाकर सादगी से मनाने का संकल्प लिया है। देश में शोक का माहौल है और

वर्तमान हालात ऐसे नहीं है कि हम खुशियाँ मनाये। चाणक्य ब्राह्मण महासभा जिला अध्यक्ष रमाकांत पप्पू दीक्षित ने बताया कि जन्मोत्सव से पूर्व 28 और 29 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। तीस अप्रैल दिन बुधवार को भगवान परशुराम जी का पूजन, अभिषेक, प्रसाद वितरण ही होगा। पूर्व के सारे कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। चाणक्य ब्राह्मण महासभा ने पहलगाम में हुई आतंकी घटना में दिवंगत हुए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देने कैंडल जलाया।

अल्पसंख्यक कांग्रेस ने जलाया आतंकवाद का पुतला

मिशन चौक में आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन

कटनी (स्वतंत्रमत)

मुड़वारा ब्लॉक कांग्रेस एवं जिला शहर अल्पसंख्यक कांग्रेस के तत्वाधान में जिला अध्यक्ष आफताब चोखे भाईजान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गुलाम जफर की अगवाई में कटनी शहर के मिशन चौक में आतंकवाद का पुतला दहन किया गया। जिस पर मुस्लिम समाज के कई वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अफताब भाई जान ने कहा कि कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा की गई हत्या ने देश को झकझोर दिया है जिसका हम सब विरोध करते हैं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गुलाम जफर ने कहा हमारा मुस्लिम समाज आज भारत देश के साथ खड़ा है पाकिस्तान के खिलाफ हिंदु स्तान की सरकार जो भी निर्णय लेगी हम सब लोग उनके साथ है इस अवसर पर विशेष रूप से प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महामंत्री कैस अहमद लिपपू भाई, नगीना मस्जिद के पैसे इमाम अब्दुल, रहीम मोजन साहब, नगीना मस्जिद, अब्दुल रहीम, शकील भाईजान, हाजी नूर उल हक अजमेर, भाई सपक कुरैशी, मुफीद कुरैशी, ईशा खान, सिकंदर भाई, पूर्व पार्षद नासिर खान, इलियास भाई, मोहसिन भाई, अरशद भाई, आफताब अली तैयब भाई, मोहम्मद सलीम, मोहसिन खान, फैजान फरहान, मोहम्मद शरीफ, नादिर भाई जान, चिप वाले हाशिम भाई, जमाल भाई अन्य अल्पसंख्यक के लोगों ने आतंकवाद का पुतला दहन किया।

आतंकी हमले में मारे गये लोगों को दी गई श्रद्धांजलि

कटनी (स्वतंत्रमत)। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकी हमले में मारे गये निर्दोष लोगों को शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि सभा में कलेक्टर दिलीप कुमार यादव और अपर कलेक्टर साधना परस्ते ने कैंडल जलाकर मृतकों के प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर संस्कृति शर्मा, निधि सिंह, डिप्टी कलेक्टर द्वय प्रमोद कुमार चतुर्वेदी एवं विवेक गुप्ता के अलावा जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह, तहसीलदार नगर केबी मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी, कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लिपिक गण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना

पंजीयन शुरू, युवाओं के लिए एक बार फिर सुनहरा अवसर

कटनी (स्वतंत्रमत)। प्रदेश में राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत जिले में औपचारिक शिक्षा प्राप्त युवाओं को स्थापित औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में रोजगार प्रदाय किए जा रहे हैं। योजना हेतु 18 से 29 वर्ष के वे युवा जो मध्यप्रदेश के स्थाई निवासी हैं एवं 12वीं या उच्च शिक्षित हैं, पात्र हैं। इस योजना में युवाओं को 8-10 हजार रुपये मासिक आय के साथ प्रशिक्षित होने का भी अवसर प्राप्त होगा। प्रत्येक माह निर्धारित स्टाइपेंड का 75 प्रतिशत राशि राज्य शासन की ओर से एवं प्रतिष्ठानों को निर्धारित स्टाइपेंड का 25 प्रतिशत राशि छात्र प्रशिक्षणार्थियों को डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जाएगा। पात्र युवा योजना की वेबसाईट द्वारा पंजीयन करा सकते हैं।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों को दी श्रध्दांजलि

कटनी (स्वतंत्रमत)

भारत तिब्बत सहयोग मंच कटनी द्वारा पहलगाम में हुए आतंकी हमले द्वारा मारे गए भारतीय नागरिकों, को श्रृध्दांजलि सभा आयोजित कर दिवंगत आत्माओं को दीपक जला कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। 24 अप्रैल को भारत तिब्बत सहयोग मंच कटनी के जिला ईकाई महामंत्री राजा हाके के निवास स्थान पर मध्य क्षेत्र संयोजक राजकिशोर पोद्दार की उपस्थिति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रामदयाल गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें सभी सदस्यों की उपस्थिति में पहलगाम में निर्दोष भारतीयों की निर्गम हत्या में दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि के लिए दिये जलाये और दो मिनट का मौन धारण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया व पाकिस्तान

मुरादाबाद के नारे लगते हुए आतंकवादियों पर कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। इस भयावह निर्दोष भारतीय दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए परमात्मा से प्रार्थना किया गया। इस आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पूर्व विधायक राजकिशोर पोद्दार, मुकेश चंदेरिया, रामदयाल गुप्ता, पर्वत सिंह परिहार, प्रताप सिंह राजपूत, बी.पी. नामदेव, विनय कंदेले, आर.पी. शर्मा, पी.एन. पठारिया, राजा हाके, दिलीप विश्वकर्मा, सागर ताम्रकार, नरेंद्र सिंह, मिनाक्षी हाके मति वंदना मिश्रा, मति एकता थामगुड़े, कुमारी अंकिता हाके आदि की उल्लेखनीय उपस्थिति में भारत माता की जयघोष के नारे लगते हुए आतंकवादियों के द्वारा किया गया घृणित कृत्यों की घोर निंदा की गई।

लघु उद्योग भारती कटनी महिला इकाई का स्थापना दिवस सामाजिक सरोकार के नाम

अनाथ बच्चियों को मिला स्वरोजगार का प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम

कटनी (स्वतंत्रमत)

लघु उद्योग भारती कटनी महिला इकाई ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक सामाजिक पहल करते हुए लिटिल स्टार फाउंडेशन में निवासरत अनाथ बच्चियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चियों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु उन्हें स्वरोजगारपरक कौशल का प्रशिक्षण देना था। कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था की सक्रिय सदस्या रीना कुचिया द्वारा बच्चियों को मेहंदी डिज़ाइनिंग, हल्दी थाली डेकोरेशन और साड़ी पैकिंग जैसे रचनात्मक एवं व्यावसायिक कौशलों का प्रशिक्षण दिया गया। इस सत्र में कुल 47 बच्चियों ने भाग लिया और

उत्साहपूर्वक विभिन्न विधाओं की जानकारी प्राप्त की। महिला इकाई की सदस्यों ने बच्चियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें आत्मविश्वास एवं आत्मबल के महत्व से परिचित कराया। प्रशिक्षकों ने यह भी बताया कि इन कौशलों को सीखकर कैसे वे भविष्य में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं। इस अवसर पर इकाई की अध्यक्षा प्रिया सोनी ने लघु उद्योग भारती के कार्यों एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बच्चियों को प्रोत्साहन स्वरूप उपहार प्रदान किए तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में बच्चियों द्वारा तैयार की गई थालियों और साड़ियों की एक सुंदर प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसे उपस्थितजनों ने खूब सराहा। इस आयोजन में प्रमुख रूप से लघु उद्योग भारती के प्रदेश महामंत्री अरुण सोनी, अंचल सचिव हरि सिंह भदोरिया, अंचल कार्यकारिणी सदस्य मुरलीधर रतलानी, इकाई अध्यक्ष प्रिया सोनी, सचिव नीति ठाकुर, कोषाध्यक्ष श्वेता सिंघाई एवं अन्य सदस्या अपर्णा गौर, आकांक्षा केसरी, पूजा सोनी, रीना कुचिया, किरण मोर, शालिनी सोनी, आर्ची कुचिया आदि उपस्थित रहीं। लघु उद्योग भारती महिला इकाई का यह आयोजन समाज के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता एवं सेवा भावना का प्रतीक है। भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से संगठन जरूरतमंदों तक हुनर, आत्मबल एवं आत्मनिर्भरता की रोशनी पहुंचाने हेतु प्रयासरत रहेगा।

पौंसरा में रैली, संगोष्ठी और श्रमदान के माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

नवांकुर संस्था और प्रस्फुटन समितियों की संयुक्त पहल

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटनी के सेक्टर क्रमांक एक मझगवां फाटक अंतर्गत ग्राम पौंसरा में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अधिकतम वर्षा जल संरक्षण के लिए जागरूकता हेतु ग्राम में रैली का आयोजन किया गया। आयोजित गतिविधियों में नवांकुर संस्था दृष्टि मानव विकास समिति देवडोंगरा के समन्वय ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पौंसरा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बोहता और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता और छात्र-छात्राओं का सहयोग रहा। कार्यक्रम में जल बचाओ, जीवन बचाओ, जल है, तो कल है, दादा-दादी करें गुहार,

जल बचाओ बारंबार आदि नारों के उद्घोष के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश देते हुए ग्राम भ्रमण किया गया। कार्यक्रम के अगले क्रम में सभी उपस्थित लोगों द्वारा ग्राम के तालाब में श्रमदान करते हुए साफ-सफाई कर अंतिम चरण में ग्राम पंचायत भवन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मध्य प्रदेश शासन के द्वारा 30 जून तक चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए प्राकृतिक जल स्त्रोतों की साफ-सफाई गहरीकरण व अन्य जल सूत्रों के रखरखाव का आह्वान किया गया। साथ ही बताया गया कि घर-घर में सोख्ता गड्ढा बनाकर किस तरह अधिकतम वर्षा जल को बचाया जा सकता है। संगोष्ठी उपस्थित सभी ग्रामवासियों ने तालाब या अन्य किसी प्राकृतिक जल स्त्रोतों में मूर्ति, जवारा, कजलियां, पूजन सामग्री सहित अन्य किसी प्रकार की सामग्री का विसर्जन न करने का संकल्प लिया। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आयोजित जागरूकता के इस कार्यक्रम में जनपद सदस्य नंदलाल कोरी, आनंद विभाग के डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर अनिल कांबले, जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र, नवांकुर संस्था के सेक्टर प्रभारी मनीष पांडेय, प्रस्फुटन समिति पौंसरा और बोहता से अध्यक्ष बाबू श्याम कोल, राजू यादव, रामजी मिश्रा, सीएमसीएलडीपी परामर्शदाता अमित तिवारी, छात्रा खुशबू कोल सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासियों की उपस्थिति रही।

पंजाब के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी केकेआर

कोलकाता।

पंजाब किंग्स की टीम शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर जीत के इरादे से उतरेगी। आईपीएल के इस सत्र में अब तक पंजाब का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर सहित खिलाड़ी अच्छे फार्म में हैं जिससे वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। वहीं दूसरी और अपने घरेलू मैदान पर खेल रही केकेआर का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। उसके गेंदबाज और बल्लेबाज लय में नहीं है , इसके अलावा घरेलू मैदान पर भी उसे अब तक चार में से एक ही मैच में जीत मिली है। पंजाब की टीम ने अब तक पांच मैच जीते हैं और वह अंकतालिका में पांचवें स्थान पर पहुंचा दिया। वहीं सातवें

स्थान पर चल रही केकेआर को प्लेऑफ में बने रहने के लिए छह में से पांच मैच हर हालत में जीतने होंगे। केकेआर के मध्यक्रम के बल्लेबाज आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह और रमनदीप लय में नहीं हैं जिससे टीम में बदलाव करना पड़ सकता है। अब वह रोवमैन पॉवेल को उतार सकती है। इस मैच में केकेआर के बल्लेबाजों के के लिए पंजाब के गेंदबाजों अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल का सामना करना आसान नहीं होगा।

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे को अब हर मैच में बेहतर खेलना होगा। उन्हें चहल से सावधान रहना होगा। इस मैच में केकेआर की गेंदबाज हर्षित राणा का सामना पंजाब के बल्लेबाज किस प्रकार करते हैं ये देखना होगा। कुल मिलाकर देखा जाये तो मैच में केकेआर को जीत दर्ज करने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, सूर्यांश शेडगे, प्रवीण दुबे, विजयकुमार विशक, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह उमरजई, जोश इंग्लिस, जेवियर बार्टलेट, विष्णु विनोद, आरोन हार्डी, कुलदीप सेन। हरनूर सिंह, मुशीर खान, प्याला अविनाश।

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, लवनिथ सिसौदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोइन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नॉर्टजे, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और चेतन सकरिया।

पाक के साथ क्रिकेट संबंधों को लेकर सरकार की सलाह मानेगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों को लेकर जो भी सरकार का फैसला होगा वह उसे मानेगा। पहलगाम में आतंकियों के हमले के बाद से ही दोनो देशों के बीच तनाव बढ़ गया है और ऐसे में मांग की जा रही है कि पाक के साथ किसी भी स्तर पर न खेला जाये। अभी दोनो देश केवल आईसीसी इवेंट्स में ही खेलते हैं। बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला ने कहा है कि बोर्ड सरकार की सलाह मानेगा हालांकि उन्होंने कहा कि आईसीसी और एसीसी इवेंट में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। गौरतलब है कि एशिया कप और महिला एकदिवसीय विश्वकप कप में दोनो देशों के खेलने को लेकर भी अब सवाल उठ रहे है। वहीं एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) इस मामले में क्या फैसला करती है देखना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण अब हालात बदल गये हैं। इसी कारण माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने आईसीसी से अपील की है कि वे भारत और पाकिस्तान को आगे होने वाले बड़े टूर्नामेंट्स में एक ही ग्रुप में न रखा जाए। गौरतब है कि किसी भी बड़े इवेंट में भारत-पाकिस्तान के मैच से क्रिकेट बोर्ड को बहुत फायदा होता है। ऐसे में अगर ये दोनों टीमें एक ग्रुप में नहीं रहे तो आयोजकों को नुकसान होता है। हालांकि दोनो को एक ही ग्रुप में नहीं रखने को लेकर आ रही रिपोर्टों को लेकर शुक्ला ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड इस मामले में सरकार की सलाह पर ही चलेगा। इसका मतलब साफ है कि जो सरकार का निर्णय होगा वही बीसीसीआई करेगा। वहीं एक अधिकारी ने कहा है उन्हें भारत-पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में नहीं रखने की कोई जानकारी नहीं है। इसका मतलब है कि अभी तक यह तय नहीं है कि भारत और पाक को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा या नहीं। आईसीसी इवेंट की बात करें फिलहाल कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं होने जा रहा है। इस साल के अंत में भारत की मेजबानी में महिला एकदिवसीय विश्व कप आयोजन किया जाना है। पाकिस्तान ने इसके लिए क्वालीफाई कर लिया है। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में होगा, जिसमें कोई ग्रुप नहीं होगा। इसका मतलब है कि सभी टीमें एक-दूसरे के साथ खेलेंगी। पहले से तय योजना के अनुसार पाक के मैच किसी न्यूट्रल जगह पर होंगे।

हैदराबाद को हराकर जमशेदपुर ने कलिंगा सुपर कप के क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

भुवनेश्वर (वार्ता)।

जमशेदपुर एफसी ने राउंड ऑफ 16 मुकाबले में हैदराबाद एफसी को हराकर कलिंगा सुपर कप के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। कलिंगा स्टेडियम में गुरुवार रात खेले गये मुकाबले में जमशेदपुर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए हैदराबाद पर 2-0 से जीत दर्ज की। विजेता टीम जमशेदपुर एफसी के लिए जेवियर सिवेरियो ने (39वें) मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद स्टीफन एजे ने (64वें) मिनट में गोल कर इस बढ़त को दोगुना कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। हैदराबाद की ओर से आखिरी क्षणों में शानदार खेल दिखाने का प्रयास किया लेकिन जमशेदपुर की बेहतरीन रक्षापंक्ति ने उन्हें कामयाब नहीं होने दिया। अब क्वार्टर फाइनल में जमशेदपुर एफसी का मुकाबला नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से होगा।

यशस्वी ने तीन मैचों में पहली ही गेंद पर छक्का लगाने का रिकार्ड बनाया

जयपुर।

राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। अब यशस्वी तीन आईपीएल मैचो में पहली ही गेंद पर छक्का लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गये हैं। इस सूची में विराट कोहली और मयंक अग्रवाल का नाम भी है। अब तक कुल मिलाकर आठ बल्लेबाजों ने आईपीएल मैच की पारी की पहली गेंद पर ही छक्का मारा है पर यशस्वी ही एकमात्र क्रिकेटर हैं जिन्होंने यह कारनामा तीन बार किया है। आरसीबी के खिलाफ पारी की शुरुआत करने आए यशस्वी ने 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भुवनेश्वर

कुमार की पहली गेंद पर बड़ा छक्का मारा।

यशस्वी ने पहले भी दो मैच में पहली गेंद पर ही छक्का लगाया था। अब तीसरी बार यह कमाल कर उन्होंने बाकी बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया है। वहीं नमन ओझा, मयंक अग्रवाल, सुनील नरेन, विराट कोहली, रॉबिन उथप्पा, फिल साल्ट और प्रियांश आर्या ने भी एक बार पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था।

वहीं राजस्थान रॉयल्स की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार 5वीं हार मिली जिससे उसके प्लेऑफ की राह अब कठिन हो गई है। आरसीबी के खिलाफ 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 9 विकेट पर 9 विकेट पर 194 रन ही बना पाई। इस हार के बाद अब राजस्थान के प्लेऑफ की उम्मीदें तकरीबन समाप्त खत्म हो गई हैं। 9 मैच खेलने के बाद उसे 7 में हार मिली है। जिससे वह अंक तालिका में 8वें नंबर है।

एलेक्जेंड्रा ऐला को हराकर इगा स्वियाटेक मैड्रिड ओपन के अगले दौर

मैड्रिड (वार्ता)। पोलैंड इगा स्वियाटेक ने फिलीपींस की उभरती हुयी टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा ऐला को हरा कर मैड्रिड ओपन के अगले दौर में जगह बना ली है। खेले गये मुकाबले में चैंपियन इगा स्वियाटेक ने एलेक्जेंड्रा एला को 4-6, 6-4, 6-2 से हराकर टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने खराब शुरूआत के बाद वापसी करते हुए यूक्रेन की डायना यस्त्रेम्स्का को 0-6, 6-2, 7-5 से हराया। अगले दौर में गॉफ का अमेरिका की अन ली से होगा। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन अमेरिका की मैडिसन कीज ने इटली की लुसिआ ब्रोनजेटी को 6-4, 6-3 से हराकर अंतिम 32 में जगह बनाई। अगले दौर में मैडिसन क्रीज का मुकाबला रूस की अन्ना कालिन्स्काया से होगा।

ब्रिटेन सरकार से हाइनेट प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी

नई दिल्ली (वार्ता)। ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ी प्रगति के तहत ब्रिटेन सरकार ने हाइनेट इंडस्ट्रियल क्लस्टर (लिवरपूल बे सीसीएस) की कोर कार्बन ट्रांसपोर्ट और भंडारण परियोजना को वित्तीय स्वीकृति दे दी है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि इस परियोजना के निर्माण चरण की शुरुआत अब एनी (ईएनआई) द्वारा की जाएगी, जिससे उत्तर पश्चिम इंग्लैंड और उत्तरी वेल्स में नौकरियों, उद्योगों और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए एक नया अध्याय शुरू होगा। इस महत्त्वाकांक्षी पहल में एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन (ईईटी) की हाइड्रोजन उत्पादन परियोजना एचपीपी1 एंकर परियोजना के रूप में प्रमुख भूमिका निभाएगी। यह संयंत्र ब्रिटेन का पहला बड़े पैमाने पर कम-कार्बन हाइड्रोजन उत्पादन केंद्र होगा, जिसकी 350 मेगावाट की क्षमता से हर साल लगभग छह लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड का कैप्चर किया जाएगा, जो सड़क से 1.25 लाख कारों को हटाने के बराबर है। एस्सार का स्टैनलो मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स, जो हाइनेट के केंद्र में स्थित है, भविष्य में विश्व स्तरीय ऊर्जा ट्रांजिशन हब बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। ईईटी की योजना के तहत स्टैनलो में लगभग 20 लाख टन कार्बन उत्सर्जन की कटौती की जाएगी, साथ ही एचपीपी2 और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल्स (एसएएफ) जैसे भविष्य के नवाचार भी यहां विकसित किए जाएंगे। ईईटी के मैनेजिंग पार्टनर टोनी फाउंटेन ने कहा, हाइनेट कार्बन डाइऑक्साइड पाइपलाइन न केवल उत्तर पश्चिम के उद्योग के लिए गेम-चेंजर है बल्कि यह स्टैनलो को यूरोप की सबसे अग्रणी डीकार्बोनाइज्ड रिफाइनरियों में से एक बनाने के हमारे लक्ष्य को भी मजबूत करता है। ईईटी हाइड्रोजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जो सीफर्ट ने कहा, एचपीपी1 को हाइनेट की प्रमुख परियोजनाओं में स्थान मिलना हमारे लिए गर्व की बात है। यह घोषणा हमें निर्माण चरण की ओर तेजी से बढ़ने में मदद करेगी।

गुजरात ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में पाई सफलता

गांधीनगर, (वार्ता)। गुजरात ने तेज आर्थिक विकास के साथ मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि दुनियाभर के देशों के लिए जब महंगाई एक बहुत ही बड़ी समस्या बनी हुई है, तब भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात ने तेज आर्थिक विकास के साथ मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार मार्च 2025 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित गुजरात की वार्षिक खुदरा मुद्रास्फीति दर केवल 2.63 प्रतिशत रही है, जो राष्ट्रीय औसत 3.34 प्रतिशत की तुलना में उल्लेखनीय रूप से लगभग 0.71 प्रतिशत कम है। यह दर कई बड़े और विकसित राज्यों की तुलना में भी कम है। उन्होंने बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार 'विजन विकसित गुजरात का, मिशन जन कल्याण का' की प्रतिबद्धता के साथ राज्य के आधुनिक विकास के साथ ही, लोगों के जीवन को आसान बनाने की दिशा में भी कार्य कर रही है। एक ओर जहां सरकार विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिए नए उभरते क्षेत्रों के लिए नई नीतियां बना रही है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को स्थिर करने के लिए भी विशेष प्रयास कर रही है। गुजरात के गांवों में शहरों से कम महंगाई- गुजरात सरकार ने नीतिगत उपायों के जरिए मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखने में सफलता पाई है। सरकार के सक्रिय प्रयासों के चलते मार्च, 2025 के लिए राज्य की मुद्रास्फीति दर 2.63 फीसदी रही है। गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रास्फीति 2.61 फीसदी पर नियंत्रित रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह दर ग्रामीण क्षेत्र के मुकाबले कुछ अधिक यानी 2.70 फीसदी रही।

उठाव सुस्त रहने से जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली (वार्ता)।

विदेशी बाजारों की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव स्थिर रहे। वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 10 रिंगिट बढ़कर 4145 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.96 सेंट की बढ़त लेकर 51.03 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे। दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे। अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। चना 5850-5950, दाल चना 6850-6950, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9550-9650, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 8500-8600 रुपये प्रति क्विंटल रहे। (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपये और चावल 3550-3650 रुपये प्रति

क्विंटल रहा। चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4500-4600, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 15385 रुपये, मूंगफली तेल 19047 रुपये, सूरजमुखी तेल 16703 रुपये, सोया रिफाइंड 14835 रुपये, पाम ऑयल 13187 रुपये और वनस्पति तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

सोना चांदी में गिरावट

इंदौर (वार्ता)। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोना तथा चांदी सस्ती बिकी। आज चांदी सिक्का स्थिर रहा। विदेशी बाजार में सोना 3298 डालर व चांदी 3334 सेंट प्रति औंस बिकी। उल्लेखनीय है कि सोना- चांदी के भाव में देर रात तक फेरबदल होता रहता है। सोना 96500 रुपये प्रति 10 ग्राम। चांदी 98900 रुपये प्रति किलोग्राम। चांदी सिक्का 1100 रुपये प्रति नग।

केयर्न ने ईएमजीएस के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली (वार्ता)। तेल एवं गैस क्षेत्र की प्रमुख कंपनी केयर्न ऑयल एंड गैस ने कृष्णा-गोदावरी (केजी) बेसिन में गहरे पानी में हाइड्रोकार्बन की खोज के लिए नॉर्वे की इलेक्ट्रोमैग्नेटिक जियोसर्विसेज़ (ईएमजीएस) के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान जारी कर बताया कि यह साझेदारी केयर्न के पूर्वी तट स्थित अपतटीय ब्लॉक केजीडीडब्ल्यूएचपी-2017/1 में 3डी कंट्रोल्ड सोर्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सर्वेक्षण कराने के लिए की गई है। यह तकनीक उपसतही प्रतिरोधकता को मैप करके हाइड्रोकार्बन की पहचान की सटीकता बढ़ाने में मदद करती है।

ईएमजीएस का पोत 'अटलांटिक गार्जियन' इस समय डीप ब्लू स्रोत प्रणाली का उपयोग करके सर्वेक्षण के लिए डेटा एकत्र कर रहा है। यह डेटा हाल ही में पुन: संसाधित 3डी भूकंपीय (सीस्मिक) डेटा के साथ मिलाकर केजी ब्लॉक में संभावनाओं की पहचान करने, उन्हें प्राथमिकता देने और उपसतही मॉडल को और अधिक सटीक बनाने में मदद करेगा। यह प्रक्रिया अन्वेषण जोखिम को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। केयर्न ऑयल एंड गैस के मुख्य वित्तीय अधिकारी हितेश वैद ने कहा, कंपनी भारत के अपस्ट्रीम क्षेत्र में तकनीक के उपयोग में अग्रणी रही है और ईएमजीएस के साथ यह सहयोग देश के तेल और गैस उत्पादन में 50 प्रतिशत योगदान देने के उनके विजन को मजबूती देगा। कंपनी के मुख्य अन्वेषण अधिकारी सैम एल्गर ने कहा कि यह डेटा न केवल ड्रिलिंग निर्णयों को अधिक वैज्ञानिक और सटीक बनाएगा बल्कि ब्लॉक की हाइड्रोकार्बन क्षमता को प्रभावी रूप से दोहन करने में भी मदद करेगा।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन बिकवाली का दबाव

मुंबई (वार्ता)।

वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुये आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच बने तनावपूर्ण स्थिति के बीच शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन बिकवाली का दबाव देखा गया। इस दौरान बीएसई का सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी लाल निशान में बंद हुआ।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 588.90 अंक टूटकर 79212.53 अंक पर और एनएसई का निफ्टी 207.35 अंक फिसलकर 24039.35 अंक पर रहा। इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में दिग्गज कंपनियों की तुलना में अधिक बिकवाली देखी गयी जिससे बीएसई का मिडकैप 2.44 प्रतिशत लुढ़ककर 42528.71 अंक पर और स्मॉलकैप 2.56 प्रतिशत

उतरकर 48005.62 अंक पर रहा। बीएसई में शामिल समूहों में आईटी 0.22 प्रतिशत और आईटी फोक्सड 0.63 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर सभी समूहों में बिकवाली देखी गयी। इस दौरान सर्विसेज में सबसे अधिक 3.11 प्रतिशत की गिरावट रही। बीएसई में शामिल कंपनियों में से 4084 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 3241 लाल निशान में और 723 हरे निशान में रही जबकि 120 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर उतार चढ़ाव के बीच चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.07 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख सूचकांक हरे निशान में रहे। इस दौरान जापान का निक्केई 1.90 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 0.82 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 0.32 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.04 प्रतिशत की बढ़त में रहा। बीएसई का सेंसेक्स 29 अंकों की बढ़त के साथ 79830.15 अंक पर खुला। शुरूआती कारोबार में यह 80 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करते हुये 80130.66 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन इसी दौरान बिकवाली शुरू होने के कारण यह 78605.81 अंक के निचले स्तर तक उतरा। अंत में यह पिछले दिवस के 79801.43 अंक की तुलना में 0.74 प्रतिशत अर्थात 588.90अंक गिरकर 79212.53 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से मात्र 7 कंपनियां ही हरे निशान में रह पायी जबकि शेष 23 कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। एनएसई का निफ्टी 43 अंकों की बढ़त के साथ 24289 अंक पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही यह 24365.45 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन इसी दौरान बिकवाली शुरू होने से यह 23847.85 अंक के निचले स्तर तक उतरा।

अंत में यह पिछले दिवस के 24246.70 अंक की तुलना में 0.86 प्रतिशत अर्थात 207.35 अंक गिरकर 24039.35 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 41 को नुकसान हुआ जबकि उतार चढ़ाव के बाद नौ कंपनियां हरे निशान में रही।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

मुंबई (वार्ता)। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में जबरदस्त बढ़ोतरी होने से 18 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.3 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 686.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.6 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 677.8 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 18 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.52 अरब डॉलर की मजबूती के साथ 578.5 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 4.6 अरब डॉलर उछलकर 84.6 अरब डॉलर हो गया।

एर्गन लैब्स और ओएसपीएल ने की रणनीतिक साझेदारी

नयी दिल्ली (वार्ता)। हल्के इलेक्ट्रिक व्हीकल पावरट्रेन टेक्नोलॉजी क्षेत्र की कंपनी एर्गन लैब्स ने आज ओमेगा सिकी प्राइवेट लिमिटेड (ओएसपीएल) के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। दोनों कंपनियों ने यहां जारी एक संयुक्त बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत ओएसपीएल एर्गन की अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड पावर कन्वर्टर (आईपीसी) टेक्नोलॉजी को अपनाने वाला पहला ओईएम होगा, जिसकी शुरुआत एल5 सेगमेंट के इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स से की जाएगी। इस सहयोग को और मजबूत करते हुए, ओमेगा सिकी ने एर्गन की आईपीसी टेक्नोलॉजी के लिए 50 करोड़ रुपये का ऑर्डर दिया है।

जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है जल गंगा संवर्धन अभियान

भोपाल। प्रदेश में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पानी को सहेजने और जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिये जन भागीदारी के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान तेजी से आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। अभियान में महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। जिलों में प्राचीन बावड़ियों और ऐतिहासिक तालाबों के सफाई कार्य को हाथ में लिया गया है। सामान्य जन को आगामी वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए विशाल पैमाने पर पौध-रोपण की तैयारी किये जाने की सलाह दी जा रही है।

राजमहल बावड़ी की सफाई की गई

राजगढ़ जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत राजमहल राजगढ़ की प्राचीन बावड़ी की सफाई का अभियान कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार किया गया। सहकारिता विभाग के उपायुक्त, बैंक मैनेजर और कर्मचारियों सहित नागरिकों ने अभियान को सफल बनाया। बावड़ी की सफाई का कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प भी लिया गया।

जल चौपाल का आयोजन

विदिशा जिले में कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देश पर जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रतिदिन जल संरक्षण में जन-भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यानिकी विभाग की टीम द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान पर आधारित कार्यशाला जल-चौपाल का आयोजन कर किसानों और ग्रामीणों को जल के महत्व को बताया गया। उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक श्री गिरवाल ने किसानों को उद्यानिकी फसलों के बारे में जानकारी दी।

मप्र आईटी सेक्टर में अपनी विशेष पहचान स्थापित करेगा : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने आईटी क्षेत्र में कार्यरत उद्योगपतियों से किया वर्चुअली संवाद

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान और भविष्य की तकनीक का आधार आईटी है। प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार करते हुए समय के साथ चलने के लिए आईटी सेक्टर में निवेश और गतिविधियों का विस्तार आवश्यक है। इसी उद्देश्य से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद पहली सेक्टर आधारित कॉन्क्लेव आईटी पर केन्द्रित की जा रही है। प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में आईटी इंडस्ट्री का पर्याप्त आधार विद्यमान है। राज्य सरकार आवश्यक सहयोग और समर्थन उपलब्ध कराकर प्रदेश की आईटी इंडस्ट्री को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर तक व्यापक स्वरूप देने की इच्छुक है। इंदौर में 27 अप्रैल को होने वाली टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव इस दिशा में निश्चित ही परिणाममूलक रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में होने वाली आईटी कॉन्क्लेव के संबंध में विभिन्न जिलों के उद्योगपतियों से समत्व भवन से वर्चुअली संवाद कर रहे थे।

आईटी पार्क के विस्तार की आवश्यकता- मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद में उद्योगपतियों ने आईटी पार्क के विस्तार की आवश्यकता बताई। साथ ही आईटी के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगपतियों ने दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा और औद्योगिक गतिविधियों में समन्वय, स्टार्ट-अप में उद्यमिता की संस्कृति को विकसित करने, प्राकृतिक गैस पर टैक्स कम करने और प्रदेश में स्टार्ट-अप कम्युनिटी के मध्य बेहतर समन्वय संबंधी चर्चा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद में वॉक-टू-वर्क सुविधा के साथ आईटी पार्क विकसित करने, प्रदेश में डिजिटल इकोनॉमी मिशन लागू करने और एआई आधारित गतिविधियों की अन्य उद्योगों में स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में कार्य करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों की पहल और नवाचार की सराहना करते हुए उन्हें गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह संवाद राज्य शासन और आईटी के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगपतियों के बीच मजबूत रिश्तों का आधार बनेगा और सबके सहयोग से मध्यप्रदेश आईटी सेक्टर में अपनी विशेष पहचान स्थापित करेगा।

विभिन्न उद्योगपतियों से संवाद- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल और इंदौर में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न उद्योगपतियों से संवाद किया। जबलपुर के चंद्रेश वीरा प्रेम संस इंटरप्राईजेस और अनुराग श्रीखंडे इंटेनिक्स प्रायवेट लिमिटेड से चर्चा की। ग्वालियर के धर्मेन्द्र कुमार यादव स्मार्ट कंट्रोल इंडिया लिमिटेड, अनुराग श्रीवास्तव आईआईआईटीएम, राजेश खन्ना एसआरएफ लिमिटेड, मुकुल चतुर्वेदी सूर्या रोशनी लिमिटेड और कृष्णकांत चतुर्वेदी कोमोनिफाय वेंचर प्रायवेट लिमिटेड से चर्चा की। भोपाल के मितेश लोकवानी एचएलबीएस, सारंग वर्मा एपोंइटी और अभिषेक गुप्ता वी विन से चर्चा की। इंदौर के संजीव अग्रवाल इम्पेटस, नरेंद्र सेन रेकबैंक, धर्मेंद्र जैन यश टेक्नोलॉजी, शानू मेहता एमएमसी कोन्वेर्टर और आदित्य शास्त्री डेटा प्योर से चर्चा की। उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उनकी कम्पनियों के कार्यों, निवेश, रोजगार की जानकारी से अवगत कराया। आईटी और संबंधित क्षेत्रों में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाने के संबंध में सुझाव भी दिए।

टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव के संबंध में जानकारी दी- अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने 27 अप्रैल को आयोजित टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव के कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीसीसी, ड्रोन, एवीजीसी और सेमीकॉन नीति के संबंध में चार राउंड टेबल मीटिंग का आयोजन किया जाएगा। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत गठित सलाहकार बोर्ड के सदस्यों से वीसी के माध्यम से चर्चा की जाएगी। मुख्य कार्यक्रम में टेक डेस्टिनेशन मध्यप्रदेश की फिल्म प्रस्तुति, विभिन्न इकाइयों का भूमि-पूजन किया जाएगा। कार्यक्रम में नवीन स्थापित सेन्ट्रल ऑफ एक्सीलेंस और इन्क्यूबेशन सेन्टर का उद्घाटन भी किया जाएगा। चिहिन्त इकाइयों के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए जाएंगे एवं आवंटन-पत्र भी सौंपे जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की चार नीतियों जीसीसी नीति, ड्रोन नीति, सेमीकंडक्टर एवं एवीजीसी नीतियों की गाईड लाइंस भी जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में आईटी एवं संबंधित क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगपतियों, निवेशकों के साथ वन-टू-वन बैठकों का आयोजन भी किया जाएगा।

विक्रम उद्योगपुरी को मेगा इन्वेस्टमेंट जोन के रूप में विकसित करें : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने एमपीएसआईडीसी के संचालक मंडल की बैठक में दिए निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विक्रम उद्योगपुरी को मेगा इन्वेस्टमेंट जोन के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर विचार किया जाए। उज्जैन में आईटी पार्क के द्वितीय चरण का कार्य समय सीमा निर्धारित कर पीपीपी मोड पर तत्काल आरंभ किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएसआईडीसी) के संचालक मंडल की बैठक में निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने औद्योगिक कम्पनियों को दीर्घकालीन, अल्पकालीन ऋण, पूंजीगत सब्सिडी आदि के रूप में दी जाने वाली वित्तीय सहायता के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए ऋणों की वसूली की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र सिंह तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कार्पोरेशन के प्रबंधकीय तथा लेखा संबंधी विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

मरीजों की सुविधा बढ़ोत्तरी का काम प्राथमिकता से करे

दमोह

जिला चिकित्सालय में मरीजों की सुविधा बढ़ोत्तरी के काम को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाये। अधोसंरचना के विकास और आवश्यक सुधार कार्य, नगरपालिका द्वारा पानी के टैंकर सप्लाई के रेट फिक्स करने, बारिश पूर्व अस्पताल के नालों की साफ सफाई, सीसीबीएच बोर से पुरानी अस्पताल के संपबेल हेतु लाइन बिछवाने, पुराने आईवॉर्ड को स्टोर में परिवर्तित किया जाये। यह बात कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित रोगी कल्याण समिति की बैठक के दौरान कही। कलेक्टर कोचर ने आरएमओ द्वारा आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किये जाने दौरान कहा समायोजन के प्रत्याशा में राशि जारी की जाती है तो ध्यानपूर्वक इसका समायोजन आवश्यक रूप से किया जाये। उन्होंने विस्तार पूर्वक चर्चा कर सभी संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कोचर ने बैठक में रखे गये प्रस्ताव के संबंध में सिविल सर्जन डॉ. रविन्द्र कुमार ठाकुर को निर्देश दिए कि जनहितैषी एवं रोगी कल्याण से जुड़ी सुविधाओं में विस्तार के लिये तार्किक रूप से आवश्यकता का विश्लेषण कर एक समग्र प्रस्ताव व्यवस्थित रूप से बनाया जायेए इस हेतु एक दल गठित किया जाये। अस्पताल के नक्शा अनुसार निरीक्षण कराएं, पैरामेडिकल स्टॉफ, आउटसोर्स भर्ती, ओपीडी, रोस्टर, स्टोर, वॉर्ड, रसोई, बायोमेडिकल वेस्ट निष्पादन, सुरक्षा जैसे सभी अहम् मुद्दों को शामिल करते हुए कमियों की पहचान कर एक समग्र कार्ययोजना सुव्यवस्थित रूप से तैयार कर आगामी आरकेएस बैठक में रखी जाये। उन्होंने कहा सामग्री क्रय से संबंधित मुद्दों के लिये पृथक से कमेटी गठित कर अनुमोदन लिया जाये तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 का ऑडिट यथाशीघ्र कराया जाये। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में प्यून के स्वीकृत खाली पद संबंधित जानकारी भेजने के निर्देश सिविल सर्जन को दिए गये। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्यगण मौजूद रहे। बैठक दौरान कलेक्टर श्री कोचर ने डॉ हेमराजसिंह अस्थिरोग विशेषज्ञ को आरकेएस नोडल अधिकारी बनाये जाने की स्वीकृति तथा बारिश पूर्व अस्पताल के पुराने भवन में प्राथमिकता अनुसार सभी मरम्मत कार्य आरके एस फण्ड से कराने की अनुमति दी गई।

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/निकाह कार्यक्रम 14 मई को

दमोह। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उपसंचालक ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जबेरा से कहा है मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाहध्निकाह आयोजन हेतु जिले की जबेरा विधानसभा क्षेत्र में 9 जून 2025 दिन सोमवार को कृषि उपज मंडी परिसर जबेरा में आयोजन की पूर्व नियत तिथि में अपरिहार्य कारणों से परिवर्तन कर 14 मई बुधवार तिथि नियत की गई है। संशोधित तिथि 14 मई 2025 को कृषि उपज मंडी परिसर जबेरा में सामूहिक विवाह/निकाह सम्मेलन आयोजन की अनुमति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा है आयोजन में योजना की नियमों/निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाये किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता तथा आयोजन में सम्मलित होने वाले हितग्राहियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये। उन्होंने निर्देशित किया है कार्यक्रम में मंत्री जी एवं जनप्रतिनिधियों के साथ सम्माननीय व्यक्तियों को निकाय स्तर के आयोजन सम्मान पूर्वक आमंत्रित किये जाने संबंधी संपूर्ण कार्यवाही आयोजक निकाय की होगी। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये। इस संबंध में समय-समय पर जिला कार्यालय को आयोजन संबंधी जानकारी से अवगत कराया जाये।

सुभाष नगर 'थर्ड लेग' होगा सिविल इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण : सारंग

मंत्री सारंग ने किया स्थल का निरीक्षण

भोपाल

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को सुभाष नगर आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) के प्रस्तावित थर्ड लेग निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की रूपरेखा का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग (सेतु), नगर निगम, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सारंग ने सभी संबंधित अधिकारियों के साथ मार्ग का अवलोकन कर थर्ड लेग निर्माण में आने वाली संभावित बाधाओं की समीक्षा कर उन्हें दूर करने के भी निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से अब तक 10 फ्लाई ओवरों की सौगात दी है। विगत वर्ष बने सुभाष नगर आरओबी से 5 लाख नागरिकों को सुविधा मिल रही है। अब इसी आरओबी का विस्तार करते हुए इसका 'थर्ड लेग' तैयार किया जाएगा। यह फ्लाई ओवर, सुभाष नगर आरओबी के ऊपर से होकर गुजरेगा। थर्ड लेग से भेल क्षेत्र से आने-जाने वाले यात्रियों को एमपी नगर एवं न्यू भोपाल पहुँचने में और अधिक सुगमता होगी।

थर्ड लेग तकनीकी दृष्टि से अत्यंत उन्नत होगा

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि यह थर्ड लेग तकनीकी दृष्टि से अत्यंत उन्नत होगा तथा सिविल इंजीनियरिंग का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करेगा। यह फ्लाई ओवर, सुभाष नगर आरओबी के ऊपर से होकर गुजरेगा और अत्यंत आकर्षक डिज़ाइन के साथ कर्व लेते हुए निर्मित किया जाएगा। इसके निर्माण में लगभग 242 मीटर का स्पान शामिल होगा और इसकी अनुमानित लागत लगभग 22 करोड़ रूपये है। उन्होंने बताया कि थर्ड लेग की डिजाइन तैयार हो चुकी है और निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

मंत्री के निर्देश पर तैयार की गई डिजाइन- मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा में ट्रैफिक सिस्टम को सुव्यवस्थित करने के लिए हमने एक ठोस कार्य योजना बनाई है, जिसका निरंतर विस्तार किया जा रहा है। यह थर्ड लेग ना सिर्फ यातायात सुविधा को बढ़ाएगा, बल्कि भोपाल शहर के बुनियादी ढांचे को भी एक नई ऊँचाई प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि थर्ड लेग की डिजाइन मंत्री श्री सारंग के निर्देश पर तैयार की गई है।

गर्भवती महिला का कराया सुरक्षित संस्थागत प्रसव

दमोह। हर गर्भवती महिला की समुचित स्वास्थ्य जांच कर सुरक्षित रूप से संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराने स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं द्वारा नवदंपत्तियोंए अन्य स्थानों से ग्राम लौटी महिलाओं पर विशेष रूप से निगरानी रखी जा रही है। कुछ ऐसा ही प्रकरण विकासखंड पटेरा में देखने को मिला। आयुष्मान आरोग्यम् मंदिर लुहारी उपस्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत एएनएम कौशल्या बाल्मिक ने ग्राम की प्रवासी महिला क्रांति के गर्भावस्था से लेकर प्रसव तक सतत् संपर्क में रहकर सुरक्षित संस्थागत प्रसव कराने में अहम भूमिका निभाई। क्रांति ने एएनएम कौशल्या बाल्मिक द्वारा सुरक्षित गर्भावस्था और प्रसव के लिए निस्वार्थ भाव से उनकी की गई देखभाल के लिए कृतज्ञता जताई है। पटेरा विकासखंड के लुहारी ग्राम की रहने वाली क्रांति/सुनील अहिरवाल बहुधा मजदूरी कर जीवनयापन करते है। अक्सर दिल्ली अपने पति के साथ आना-जाना करती है। गर्भावस्था का पता चलने पर उन्होने एएनएम से पहली जांच उपस्वास्थ्य केन्द्र लुहारी में कराई। इस दौरान क्रांति ने एएनएम कौशल्या बाल्मिक को बताया कि वह अपने पति के साथ काम की तलाश में दिल्ली जा रही है। एएनएम ने उन्हे गर्भावस्था के दौरान समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराते रहने की सलाह दी और उनका मोबाईल नम्बर लेकर उनसे सतत् संपर्क में रहने की समझाईश दी।

संत शिरोमणि सेन महराज की शोभायात्रा निकली

कुम्हारी। संत सेन महाराज बचपन से ही विनम्र, दयालु और ईश्वर में दृढ़ विश्वास रखते थे। सेन महाराज ने गृहस्थ जीवन के साथ-साथ भक्ति के मार्ग पर चलकर भारतीय संस्कृति के अनुरूप जनमानस को शिक्षा और उपदेश के माध्यम से एकरूपता में पिरोया। सेन महाराज प्रत्येक जीव में ईश्वर का दर्शन करते और सत्य, अहिंसा तथा प्रेम का संदेश जीवन पर्यन्त देते रहे। सेन महाराज का व्यक्तित्व इतना प्रभावशाली हो गया था कि जनसमुदाय स्वत: ही उनकी ओर खिंचा चला आता था। कुम्हारी नगर में बड़े ही उत्साह के साथ सेन महाराज की जयंती का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम चंडी मैदान में एकत्रीकरण हुआ और विधि विधान से पूजन हुआ। पं. महेंद्र खम्परिया द्वारा पूजन किया गया। उसके उपरांत शोभायात्रा निकाली गई।

अहंकार ही मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है : पौराणिक

दमोह। मांगज वार्ड नं 4 सरदार वल्लभ भाई पटेल रेलवे ओवरब्रिज के पास कथा वाचक चंद्रगोपाल पौराणिक बड़े महाराज के मुखारविंद से चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में चौथे दिन श्री कृष्ण जन्म की कथा सुन भक्त भाव विभोर हुए श्रद्धालु। पूरा पंडाल जयकारों से गूंजा कथा व्यास चंद्र गोपाल पौराणिक ने बताया कि व्यक्ति को अहंकार नहीं करना चाहिए, अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर लेता है। अहंकार ही मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। कथा व्यास चंद्रगोपाल पौराणिक ने बताया कि जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा। सात संतानों के बाद जब देवकी गर्भवती हुई तो उसे अपनी इस संतान की मृत्यु का भय सता रहा था। भगवान की लीला वे स्वयं ही समझ सकते हैं।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सिविल लाईन जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक- एच. आई.जी. - 12 श्री राजीव ढोड़ी पिता श्री केदारनाथ ढोड़ी के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 23.08.2011 एवं संशोधित 21.11.2024 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री राजीव ढोड़ी पिता श्री केदारनाथ ढोड़ी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 13.02.2025 के माध्यम से (1) श्री जयेश पालन पिता श्री हीरजी भाई पालन (2) श्री गीत पालन पिता श्री जयेश पालन (3) श्रीमती अल्पा पालन पति श्री जयेश पालन को विक्रय किया है। अतः (1) श्री जयेश पालन पिता श्री हीरजी भाई पालन (2) श्री गीत पालन पिता श्री जयेश पालन (3) श्रीमती अल्पा पालन पति श्री जयेश पालन द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज नामांतरण / हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्र. ई. डब्लयू. एस. - 60 श्री रतनलाल अग्रवाल पिता / पति स्व. श्री हीरालाल अग्रवाल के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 12.08.1996 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन क्र. ई.डब्लयू. एस.. - 60 श्री रतनलाल अग्रवाल पिता / पति स्व. श्री हीरालाल अग्रवाल ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 05.08.2006 के माध्यम से श्रीमति मालती पाण्डे पिता / पति स्व. श्री विजय पाण्डे को विक्रय किया है। श्रीमति मालती पाण्डे पिता/पति स्व. श्री विजय पाण्डे द्वारा उक्त भवन क्र. ई.डब्लयू. एस. - 60 उनके नाम लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उपरोक्त लीज हस्तांतरण / नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि हस्तांतरण / नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति / दावा मान्य नही होगा ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग

(ई-निविदा सूचना संख्या वरि.-भण्डार आपूर्ति हेतु वरि. मं. सा. प्रबं/ई.पी.एस./67/2025)

वरि. मं. सा. प्रबं-प.म.रे. भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिये निम्नलिखित विज्ञापन निविदायें आमंत्रित करते है। इसमें हस्तलिखित डाक प्रस्ताव नहीं किये जायेंगे। पूर्ण विवरण विनिर्देशन के लिए **https://ireps.gov.in** पर ई निविदा की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। **Tender No. -** 94245431, Short Description - Supply of Uninsulated Cadmium Copper Catenary Wire (19/2.10MM) 65SQ.MM. As per RDSO's Specific no. Spec: TI SPC OHE CAT Cu-Cd 0971, or latest (The firm will supply the entire catenary wire materials according to RDSO guidelines.) **Tendered Qty. -** 0.05MT 6.1MT. **Opening Date -** 19 May 2025.

(हस्ता.)
वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिका परिषद नरसिंहपुर (म.प्र.)
(सुभाष वार्ड मेन रोड नरसिंहपुर-487001
फोन-07792-230402,233731 फेक्स-07792-233731)
E-Mail - cmonarsinghpur@mpurban.gov.in

कमांक /221/ प्र.आ.यो./न.पा.प. / 2025 — नरसिंहपुर दिनांक 21/04/2025

दावा आपत्ति प्राप्त करने हेतु आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा समस्त नागरिकों को सूचित किया जाता है कि नगरीय क्षेत्र नरसिंहपुर के वार्ड क्रमांक 01 से 28 तक में मध्यप्रदेश शासन नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 बी.एल.सी. घटक के अंतर्गत प्राप्त ऑनलाईन आवेदनों के दस्तावेजों का मौके पर सत्यापन किये जाने के उपरांत पात्र/अपात्र हितग्राहियों की सूची अनुमोदन हेतु वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित किये जाने के पूर्व दावे आपत्ति प्राप्त किये जाना है। हितग्राहियों के प्रति किसी भी प्रकार की आपति हो तो दिनांक 28-04-25 को समय साय. 05.00 बजे तक प्रमाणित साक्ष्य सहित दावे आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय अवधि उपरांत किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। दावा आपत्ति आमंत्रण की जाने वाले हितग्राहियों की सूची नगरपालिका परिषद् नरसिंहपुर एवं तहसील कार्यालय नरसिंहपुर के आम नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद् नरसिंहपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. NO/PWD/16/PRO NO 72 — **निविदा सूचना** — Dated 25/4/2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	T.ID- 2025_UAD_ 419137_1 Date 7/5/2025	संभाग क्रमांक 16 शहीद अशफाक उल्ला खा वार्ड अंतर्गत जामा मस्जिद से घोड़ा पुल तक सड़क एवं नाली निर्माण कार्य। (अन्य मद)	2 माह 06.33 लाख	2,000/- 6330/-	21/5/2025
2	T.ID- 2025_UAD_ 419137_2 Date 7/5/2025	संभाग क्रमांक 16 शहीद अशफाक उल्ला खा वार्ड अंतर्गत नया पुल से रज्जाक के मकान तक नाले के रेलिंग लगाने का कार्य (अन्य मद)	2 माह 06.07 लाख	2,000/- 6070/-	21/5/2025

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर निगम, जबलपुर

आतंकी हमले के कारण नहीं हुआ स्वागत-सत्कार

पहले ही दिन घंटों विलंब से पहुंची अमृत भारत

सहरसा से एलटीटी मुंबई के बीच हुई है शुरु, जबलपुर में यात्री करते रहे इंतजार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गुरूवार 24 अप्रैल को सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुम्बई के बीच प्रारंभ हुई देश की तीसरी गाड़ी संख्या 05595 अमृत भारत ट्रेन, 25 अप्रैल को सुबह सवा तीन घंटा विलम्ब से चलकर ठीक 10 बजे जबलपुर स्टेशन पहुंची। चूंकि पहलगाम में हाल ही में आतंकी घटना में 27 भारतीयों की असमय मौत की वजह से पूरा देश दुखी व आक्रोशित है जिसके चलते ट्रेन के आगमन पर होने वाले स्वागत सत्कार संबंधी सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए थे। इसलिए जबलपुर स्टेशन पर नई नवेली अमृत भारत ट्रेन अन्य ट्रेनों की तरह प्लेटफार्म नम्बर-2 पर आई और लगभग 25 मिनिट के ठहराव के उपरांत गंतव्य को रवाना कर दी गई।

ट्रेन के आगमन पर उसे अटेंड करने के लिए स्टेशन डायरेक्टर संजय शर्मा, सीटीआई संदीप श्रोती, एसएमसी,डिप्टी एसएस कामर्शिलय के अलावा आरपीएफ का स्टॉफ मौजूद रहा। बताया जाता है कि ट्रेन में एक कैंसर पेसेंट यात्री भी था जिसकी अचानक तबियत बिगड़ जाने की वजह से उसे चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करवाई गई जिसके चलते ट्रेन निर्धारित समय से विलंब से रवाना की गई।

ट्रेन की खासियत देखने लगी भीड़

ट्रेन की खासियत मानें तो 130 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलने वाली पूर्णत: नॉन एसी अमृत भारत ट्रेन जैसे ही प्लेटफार्म पर पहुंची कि उसे देखने के लिए स्टेशन पर मौजूद रेलकर्मचारियों एवं जागरूक यात्रियों की हुजूम लग गया। बाहर से लेकर अंदर तक लोगों ने अलग-अलग ढंग से तस्दीक की और ट्रेन के खासियत की सराहना की।

450 रु. में होगा 1000 किमी का सफर

इस ट्रेन में कोचों में फायर डिटेक्शन सिस्टम, कोच के भीतर अत्याधुनिक लाइटिंग सिस्टम,सीसीसीटीवी कैमरे, नाश्ता एवं खाने के लिए फाल्डिंग टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्ड, दिव्यांग अनुकूल शौचालय, हवाई जहाज की तर्ज पर रेडियम एलिमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप और स्प्रिंग बॉडी,अधिक गद्देदार वाली बर्थ जैसी सुविधाएं कोच के अंदर दी गई। डबल इंजन के साथ 22 कोचों से चलने वाली उक्त सुविधाओं से लबरेज इस ट्रेन में यात्री महज 450 रुपये की टिकिट खरीदकर यानिकी 45 पैसा प्रतिकिलोमीटर का किराया चुकाकर 1000 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकता है।

कैंसर पीड़ित की बिगड़ी तबियत

सहरसा से मुम्बई जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस से मुंबई जा रहे एक रेल यात्री की रेलवे प्रशासन की तत्परता से बचाई गई जान. इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि एक 53 वर्ष के कैंसर पीड़ित यात्री रविन्द्र राम जो गाड़ी संख्या 05595 अमृत भारत एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे है जो कैंसर से पीड़ित है ट्रीटमेंट के लिए मुंबई जा रहे हैं, जबलपुर स्टेशन पहुंचने से पहले रेल मदद पोर्टल द्वारा यह सूचना दी गयी की कोच एस-07 में कैंसर से पीड़ित यात्री मुंबई जा रहे हैं उनके हाथ पर खून जाम हो गया है हाथ पर सूजन आ गई है बदलवाना चाहते हैं एवं नेबुलाइजर मशीन से उनका भाप लेना है। जबलपुर आने से पहले ही रेलवे हॉस्पिटल कैजुअल्टी में सूचित किया गया डॉ. सौरभ ने गाड़ी आगमन पर यात्री को ट्रेन से बाहर निकाल कर प्लेटफार्म पर स्थित कैंटीन से बिजली की सप्लाई लेकर डॉ ने उपचार प्रदान किया क्योंकि जिस मशीन से उन्हें सांस दी जानी थी उसे 220 वोल्ट पावर चाहिए था। उपचार के उपरांत गाड़ी का प्रस्थान गंतव्य के लिए किया गया।

नई अमृत भारत एक्सप्रेस 2 से चलेगी- नई ट्रेन अमृत भारत एक्सप्रेस एलटीटी-सहरसा साप्ताहिक ट्रेन की नियमित सेवा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से शुक्रवार 02 मई से प्रारम्भ हो रही है। इसी प्रकार नई ट्रेन अमृत भारत एक्सप्रेस सहरसा-एलटीटी साप्ताहिक ट्रेन सहरसा से रविवार 04 मई से प्रारम्भ हो रही है, यह अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के दोनों दिशाओं में इटारसी, जबलपुर एवं सतना स्टेशनों से होकर गंतव्य को जाएगी।

खाकी के आशियाने पर गिरा विशाल वृक्ष

3 मकान ध्वस्त, 3 घायल, जेल प्रशासन ने की मदद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जेल दीवार से सटकर बने जेल कर्मियों के क्वार्टर पर रात 3.30 बजे वहां स्थित भारी नीम का पेड़ गिर गया। हादसे में दो-तीन क्वार्टर तो ध्वस्त हुए ही साथ में वहां मौजूद परिजन भी चोटिल हो गए। सूचना मिलने के बाद जेल प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर कर्मियों और उनके परिजनों को वहां से बाहर निकाला और घायलों को उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाया।

नींद में था जेल कर्मियों का परिवार

जानकारी के मुताबिक नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय कारागार से पुलिस लाइन की ओर जाने वाले मार्ग पर तीन-चार क्वार्टर बने हुए हैं, जहां जेल कर्मी ही अपने परिवार सहित निवास करते हैं। रात करीब 3.30 बजे जब वहां निवास कर रहे कर्मचारी और परिजन गहरी नींद में सो रहे थे, बाहर लगा बहुत पुराना और विशाल नीम का पेड़ गिर गया।

छप्पर टूटी, लोग दब गये- पेड़ की जद में तीन मकान आ गए और सभी की छप्पर टूट गई। मकानों के अंदर सो रहे लोग दब गए, जिसमें से कुसुम दास व अन्य को गंभीर चोटें आई। घर में रखा सामान भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना में उनका लाखों का नुकसान भी हुआ। न बैठने का जुगाड़ न खाने का पेड़ गिरने तीन घरों की तो इतनी बुरी स्थिति हो गई है कि उनके घरों में बैठने तक जगह नहीं बची है। ऐसे में लोग खुले में ही धूप में बैठे हैं। गृहस्थी और राशन का सामान भी पूरी तरह या तो टूट गया है या बिखर गया है, जिससे कि आज वे घर में भोजन भी नहीं बना पा रहे हैं। हालांकि जेल प्रशासन उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने में जुटा हुआ है। नुकसान का भी आकलन कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया महाकोशल विज्ञान परिषद की वार्षिक स्मारिका का विमोचन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

महाकोशल विज्ञान परिषद स्वदेशी विज्ञान के लोकव्यापीकरण के लिए कार्य करती आ रही है, जो विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से वर्षभर सक्रिय रहती है। जिसका उद्देश्य भारतीय विज्ञान, भारतीय वैज्ञानिकों को जनसामान्य तक पहुंचाना एवं विद्यार्थीओं में वैज्ञानिक बनने की की रुचि जागृत हो इसलिए समय ङ्क समय पर वैज्ञानिक प्रतियोगिता, कार्यशाला, सेमीनार, रचनात्मक कार्यक्रम, परीक्षा आदि कार्यक्रमों का आयोजन करती है। इन्हीं कार्यक्रमों को संकलित कर परिषद वर्ष में एक बार्षिक स्मारिका का प्रकाशन करती है। वर्ष 2024-25 की स्मारिका का प्रकाशन इस वर्ष किया गया जिसका विमोचन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया साथ में मप्र हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक अशोक कढेल, महाकोशल प्रांत के अध्यक्ष डॉ. एसपी गौतम, मध्यभारत प्रांत के सह-सचिव डॉ. धीरेन्द्र स्वामी, कोषाध्यक्ष रत्नेश सिंह एवं प्रांत संगठन मंत्री महाकोशल एवं छत्तीसगढ़ प्रांत अंकित राय उपस्थित रहे।

बाल विवाह रोकने कंट्रोल रूम स्थापित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर्व एवं अन्य विवाह मुहूर्तों पर बाल विवाह की रोकथाम के लिए परियोजनावार कंट्रोलरूम स्थापित किए गए हैं। समस्त कण्ट्रोल रूम 29 अप्रैल से 1 मई तक शिकायत प्राप्त करने के लिए क्रियान्वयित रहेंगे। परियोजना शहरी क्रमांक.एक के कण्ट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 8836610432 है एवं इस कंट्रोल रूम का प्रभारी अतुल ज्योतिषी को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार शहरी क्रमांक.दो के कण्ट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 6264573722 है एवं इसका प्रभारी किरण सोरते को शहरी क्रमांक.तीन का दूरभाष नंबर 9752472472 है एवं इसका प्रभारी वीकेश कुमार राय को शहरी क्रमांक.चार का दूरभाष क्रमांक 9425181141 है एवं इसका प्रभारी रीतेश दुबे को शहरी क्रमांक.पांच का दूरभाष क्रमांक 8770668571 है एवं इसका प्रभारी अनुरिता पांडे को तथा परियोजना शहरी क्रमांक.छ: का दूरभाष क्रमांक 7612620225 है एवं इसका प्रभारी सुरेन्द्र धाकड़ को नियुक्त किया गया है।

विश्व मलेरिया दिवस पर रथ रवाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व मलेरिया दिवस पर जिला चिकित्सालय में मलेरिया एंड्स विथ अस रू रिइनवेस्ट रिइमेजिन रिइग्नाईट की थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मलेरिया की रोकथाम एवं बचाव के उपायों के प्रति आम लोगों को जागरूक करने जिला चिकित्सालय से प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा, जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ नवीन कोठारी और जिला मलेरिया अधिकारी अजय कुरील मौजूद थे। ज्ञात हो कि प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। कार्यशाला में जिला मलेरिया अधिकारी अजय कुरील डीएमओ के द्वारा सभी अंर्तविभागीय एवं विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने परिवार, क्षेत्र, जिला, प्रदेश एवं देश को मलेरिया से मुक्त करने की शपथ दिलाई गई। जिले के सभी 8 ब्लाक एवं 4 सिविल अस्पताल में विश्व मलेरिया दिवस का अयोजन किया गया।

शैक्षणिक, अनुसंधान अनुबंध को सुदृढ़ करने

रूस की यूनिवर्सिटी से वीयू आये रेक्टर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रुस की सेंट पीटर्सवर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ वेटेरिनरी मेडिसिन से यूनिवर्सिटी रेक्टर क्रिल प्लानिआसो और वाइस रेक्टरजार्ज निकिटन का आगमन हुआ। जिनका स्वागत वीयू विवि. के कुलपति प्रो. मनदीप शर्मा ने किया। इस दौरान कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि इससे ऐसे सम्मेलनों के माध्यम से छात्रों, वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों के मध्य तकनीकी एवं व्यवहारिक ज्ञान का आदान प्रदान होता है साथ वैश्विक स्तर पर व्याप्त समस्याओं का निराकरण करने में मदद मिलती है, रुस से आए हुए यूनिवर्सिटी रेक्टर मिस्टर क्रिल ने अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि ऐसे सम्मेलनों से न सिर्फ अंतर्देशीय संबंध मजबूत होते हैं, बल्कि छात्रों एवं वैज्ञानिकों को वन्यजीव एवं उनसे संबद्ध पर्यावरणीय कारकों को समझने एवं उन पर अपने विचार अभिव्यक्त करने का समुचित अवसर भी प्रदान करता है। गौरतलब है कि नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय का सेंट पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के साथ 2023 में अनुबंध किया गया था इसके बाद यह पहला अवसर है जब दोनों देश आपस में किसी वैज्ञानिक कार्यक्रम में सहभागिता निभा रहे हैं। दोनों रेक्टर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने संस्कारधानी आए हुए हैं।

संत सेन महाराज जयंती समारोह आज

जबलपुर। समरस भारत-समर्थ भारत के लिये सब सबको जाने-सब सबको माने, एक अभियान के अंतर्गत समरसता सेवा संगठन द्वारा संत सेन जी महाराज की जयंती के अवसर पर जयंती समारोह का आयोजन आज शनिवार को शाम 04.30 बजे से अग्रवाल धर्मशाला, साकेत धाम के पास, ग्वारीघाट में किया गया है। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

गर्मी में बच्चों को स्कूल भेजने घर-घर संपर्क

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए, सिहोरा विकासखंड शिक्षा अधिकारी अरविंद धुर्वे बीआरसी बृजेश श्रीवास्तव, बीएसी अश्वनी उपाध्याय, राकेश मिश्रा द्वारा बच्चों को स्कूल भेजने शिक्षकों गृह संपर्क करने कहा गया है। इसी तारतम्य में जनशिक्षा केंद्र खितौला बाजार के अंतर्गत प्राचार्य जे एल खांडे, जनशिक्षक श्यामराव मांडेलकर के दिशा निर्देशन में वार्ड नंबर13 , वार्ड नंबर 14 लखराम, वार्ड 15 खितौला बाजार, वार्ड 16,17 में शासकीय प्राथमिक शाला लखराम, उमरिया नाका और माध्यमिक शाला खितौला बस्ती के शिक्षकों द्वारा गर्मी में भी सक्रिय रूप से बसाहटों में गृह संपर्क कर रहे हैं। शिक्षक अभिभावकों से मिलकर बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने का आग्रह कर रहे हैं, ताकि उनकी पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा न आए। हालांकि, शिक्षकों के इस प्रयास में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश अभिभावक भीषण गर्मी का हवाला देते हुए बच्चों को स्कूल भेजने में असमर्थता जता रहे हैं। कुछ माता-पिता ने बताया कि वे स्वयं मजदूरी या अन्य कार्यों पर जाते हैं, जिसके कारण बच्चों की देखभाल करने वाला कोई नहीं है। वहीं, कई बच्चे गर्मी की छुट्टियों में अपने नाना-नानी के घर गए हुए हैं।

पुलिस की चालानी से बढ़ी आमजन की परेशानी

एएसआई की पकड़ी कॉलर, दी धमकी

पिता का चालान कटने पर भड़का बेटा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हेलमेट न पहनने पर पिता का चालान कटा तो बेटे ने बीच सड़क पर पुलिसकर्मी से बदसलूकी शुरू कर दी। पहले विवाद किया फिर एएसआई का कॉलर पकड़ लिया और वर्दी उतरवाने की धमकी तक दे डाली। यह सारा घटनाक्रम गुरुवार रात धनवंतरी नगर चौक पर ट्रैफिक चेकिंग के दौरान हुआ, जिसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। वीडियो में पुलिस ने मामले में युवक के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी से बदसलूकी करने का मामला दर्ज किया है। हालांकि, विवाद के तुरंत बाद युवक मौके से फरार हो गया।

लाइसेंस मांगा और चालान बनाया- गुरुवार शाम को ट्रैफिक पुलिस की टीम अंध मूक बायपास पर वाहन चेकिंग कर रही थी। एएसआई शिवचरण दुबे के साथ बाकी पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। इस दौरान एक बाइक को रोका गया, जिसे केसरी सागर सेन नामक वयक्ति चला रहे थे। वह बिना हेलमेट के थे, उनके पास लाइसेंस भी नहीं था। पुलिस ने लाइसेंस मांगा और चालान बनाया। इस पर केसरी ने अपने बेटे अंकित को फोन कर मौके पर बुला लिया। अंकित मौके पर पहुंचा और गाड़ी रोकने का कारण पूछने लगा। पुलिसकर्मियों ने जब बिना हेलमेट और लाइसेंस गीड़ी चलाने की बात कही तो अंकित भड़क गया। उसने पुलिसकर्मी की कॉलर पकड़ ली और धमकाते हुए कहा- वर्दी उतरवा दूंगा। इस मामले को लेकर धनवंतरी नगर चौकी प्रभारी ने कहा कि यातायात पुलिसकर्मियों ने पूरे घटनाक्रम की लिखित शिकायत दी है। युवक अंकित सेन शहपुरा थाना अंतर्गत ग्राम सूखा का रहने वाला है। उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। तलाश की जा रही है।

South Avenue Mall
MOVIE MAGIC MULTIPLEX, SOUTH AVENUE MALL, NARMADA ROAD
9425807508
moviemagic
ENJOY MORNING SHOWS @ FLAT ₹100/₹110*
ZERO PLATFORM FEE
BOOK TICKETS FROM MOVIE MAGIC APP AT
MOVIE MAGIC MULTIPLEX
JABALPUR'S OWN BRAND
APNA CINEMA, APNI PEHCHAAN - BE VOCAL FOR LOCAL!

GROUND ZERO (HIN)	09:45 AM & 12:30 PM
ANDAZ APNA APNA (HIN)	4:15 PM
UNTIL DAWN (HIN/ENG)	HIN - 11:00 AM | ENG - 7:15 PM
JAAT (HINDI)	1:15 PM & 09:10 PM
KESARI CHAPTER 2 (HIN)	10:15 AM, 1:30 PM, 3:10 PM, 4:30 PM, 6:00 PM, 7:30 PM, 9:30 PM & 10:30 PM

BOOK TICKETS & F&B FROM MOVIE MAGIC APP AT ZERO PLATFORM FEE
FOR BULK BOOKING/ADVERTISEMENT 9425807507
FOLLOW US ON @MOVIEMAGIC_JBP

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2023-25, **RNI No. 64561/96.**